THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रतिबंधित पीएफआई के तीन सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सदस्यों की पहचान अब्दुल खादर पुत्तूर, अंशद बदरुद्दीन और फिरोज के तौर पर की गई है। गिरफ्तार किए गए सदस्यों को शनिवार को विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया। एजेंसी ने तीनों लोगों पर पीएफआई कैडर को हथियार प्रशिक्षण देने और इस प्रतिबंधित संगठन से पर्याप्त धन प्राप्त करने का आरोप लगाया है।

वर्ष-28 अंक : 373 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र कृ.6 2080 रविवार, 31 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32** **मूल्य : 8 रुपये**

नरसिम्हा राव समेत 4 शख्सियतों को भारत रत्न

** चारों को मरणोपरांत यह सम्मान मिला * लालकृष्ण आडवाणी को आज दिया जाएगा*

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को 4 शख्सियतों को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को 31 मार्च को भारत रत्न दिया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को आडवाणी के घर जाकर उन्हें सम्मानित करेंगी। तबीयत खराब होने के कारण आज वे नहीं आ सके। आडवाणी के घर पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति भवन में आयोजित आज के कार्यक्रम में चारों शख्सियतों के परिजनों ने यह सम्मान हासिल किया।

नरसिम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव, चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी, कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर और एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति से यह सम्मान लिया।

अब तक 53 हस्तियों को भारत रत्न दिया गया

केंद्र ने इस साल 5 हस्तियों को भारत रत्न सम्मान देने का ऐलान किया था। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणव मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। 2024 के 5 हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को अब तक हासिल करने वालों की संख्या 53 हो गई।

पीवी नरसिम्हा राव :

नरसिम्हा राव देश के 9वें प्रधानमंत्री थे। पीएम मोदी ने उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा करते वक्त कहा था, प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला।

चौधरी चरण सिंह :

चरण सिंह भारत के पांचवें प्रधानमंत्री थे। वे उत्तर प्रदेश के 5वें मुख्यमंत्री भी रहे थे। पीएम मोदी ने 9 फरवरी को उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा करते वक्त कहा था, हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है।

उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

कर्पूरी ठाकुर :

राष्ट्रपति मुर्मू ने 23 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की थी। कर्पूरी ठाकुर दो बार बिहार के मुख्यमंत्री और एक बार डिप्टी सीएम रहे। वे पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे।

डॉ. एमएस स्वामीनाथन :

पीएम मोदी ने 9 फरवरी को डॉ. एमएस स्वामीनाथन, पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने का ऐलान किया था। स्वामीनाथन एक कृषि वैज्ञानिक थे। उन्हें भारत में 'हरित क्रांति' का जनक कहा जाता है।

केजरीवाल के मंत्री गहलोत से ईडी की 5 घंटे पूछताछ

> शराब नीति घोटाले पर सवाल किए गए
> पॉलिसी बनाने वाली कमेटी में शामिल थे

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। शराब नीति केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनके करीबी मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी ने करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। गहलोत शनिवार को साढ़े 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंचे थे। गहलोत नजफगढ़ से आप के विधायक हैं। वे केजरीवाल सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री हैं।

ईडी ने शनिवार सुबह ही गहलोत को समन जारी किया था और उन्हें तत्काल पूछताछ के लिए अपने दफ्तर बुलाया था।

गहलोत से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा है। एजेंसी का कहना है कि गहलोत मंत्रियों के उस समूह का हिस्सा थे, जिसने 2021-22 के लिए शराब नीति बनाई थी। इसमें तब डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन भी शामिल थे।

एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में गहलोत का नाम लिखा था। ईडी का आरोप है कि शराब नीति साउथ लॉबी को लीक की गई थी, जिसमें तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता भी शामिल थीं। साउथ लॉबी पर आप और उसके नेताओं को 100 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है।

सीएम केजरीवाल समेत 3 लोग इस केस में गिरफ्तार

शराब नीति केस में आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को ईडी ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। ये दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। इसी केस में 15 मार्च को के कविता और 21 मार्च को सीएम अरविंद केजरीवाल को अरेस्ट किया गया था। फिलहाल केजरीवाल 1 अप्रैल और कविता 9 अप्रैल तक रिमांड पर हैं।

गहलोत के सरकारी बंगले में रहता था आरोपी विजय नायर

एजेंसी ने इसी केस में पहले से गिरफ्तार आप संचार प्रभारी विजय नायर को लेकर भी बताया था कि नायर, गहलोत को दिए गए सरकारी बंगले में रहता था। ईडी ने किसी लोक सेवक के सरकारी आवास का इस्तेमाल किसी और को उपयोग करने की अनुमति देने पर इसे आपराधिक विश्वासघात करार देते हुए केस की जांच सीबीआई से करवाने को कहा था।

बीजेपी मेनिफेस्टो कमेटी का एलान, राजनाथ अध्यक्ष

निर्मला सीतारमण संयोजक, समिति में 4 राज्यों के सीएम समेत 27 सदस्य

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मेनिफेस्टो कमेटी का ऐलान किया। कमेटी में कुल 27 मेंबर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संयोजक होंगी, पीयूष गोयल सह संयोजक बनाए गए हैं। इसके अलावा कमेटी में चार राज्यों के सीएम भी शामिल हैं। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय कमेटी का हिस्सा हैं। कमेटी में अर्जुन मुंडा, किरेन रिजिजू, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे और स्मृति ईरानी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दो दिन पहले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी की लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में 10 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों के नाम शामिल हैं। कुल 18 नाम हैं। जिनमें 10 प्रभारी और 8 सह-प्रभारियों के नाम शामिल हैं।

दिल्ली से ओ.पी धनखड़ को प्रभारी बनाया गया है। डॉ. अलका गुर्जर को दिल्ली का सह-प्रभारी बनाया गया है। महाराष्ट्र का प्रभार सांसद डॉ. दिनेश शर्मा को सौंपा गया है। साथ ही यहां दो सह-प्रभारी बनाए गए हैं, जिसमें निर्मल कुमार सुराना और जयभान सिंह पवैया के नाम शामिल हैं।

लालू की बेटी मीसा भारती को राहत

आचार संहिता उल्लंघन मामले में कोर्ट ने दी जमानत

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाटलिपुत्र से लोकसभा के राजद प्रत्याशी और लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती शनिवार को दानापुर के व्यवहार न्यायालय में उपस्थित हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में उपस्थित हुईं। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के द्वारा सुनवाई के बाद उन्हें जमानत दे दी गई। बताया जा रहा है कि वर्ष 2019 में चुनाव के दौरान मीसा भारती पर आचार संहिता के उल्लंघन का मामला मनेर थाना में दर्ज कराया गया था। तब से वह मामला लंबित था।

दस हजार रुपये मुचलके पर मिली जमानत :

इस मामले में कोर्ट ने मीसा भारती को उपस्थित होने का आदेश दिया था। दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने मीसा भारती को दस हजार रुपये मुचलके पर उन्हें न्यायालय द्वारा जमानत दे दी गई। न्यायालय से बाहर निकालने के क्रम में पत्रकारों ने जब उनसे बात करना चाहा तो मीसा भारती बिना कुछ बात किए अपने गाड़ी पर बैठकर वहां से निकलती बनी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेलवे की नौकरियों के बदले जमीन मामले में जो पहला आरोपपत्र दायर किया था, उसमें मीसा भारती का नाम था। बता दें कि लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती राजद के टिकट पर चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही है। हालांकि वह दो बार यहां से बीजेपी के रामकृपाल यादव से चुनाव हार चुकी हैं। दो बार लालू प्रसाद ने उन्हें राज्य सभा भी भेजा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उपराष्ट्रपति

न्यायपालिका की ताकत बरकरार

जिन्हें लगा कि वे कानून से ऊपर हैं, अब कानून उनके पीछे है

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका की रीढ़ की हड्डी की ताकत बरकरार है। जिन्हें लगता था कि वे कानून से ऊपर हैं, अब कानून उनके पीछे है।

इसके अलावा 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इसे लेकर उप-राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे ही कानून अपना काम करने लगता है, वैसे ही कुछ लोग सड़कों पर आ जाते हैं। भ्रष्टाचार से अब रोजगार या कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलते। अब भ्रष्टाचार जेल जाने का रास्ता है। धनखड़ बोले, वे कहते हैं कि चुनाव के समय कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। क्या आप नैतिकता के आधार पर कह सकते हैं कि भ्रष्टाचारियों से इसलिए नहीं निपटा जाना चाहिए, क्योंकि यह त्योहारों का मौसम है या खेती का मौसम है? जो दोषी हैं उन्हें बचाने का कोई मौसम कैसे हो सकता है? धनखड़ बोले- भारत को कानून को लेकर किसी से सबक लेने की जरूरत नहीं। जगदीप धनखड़ ने अमेरिका, जर्मनी और यूएन के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर बयान देने पर कहा कि भारत में मजबूत न्यायिक व्यवस्था है। भारत को कानून को लेकर किसी से सबक लेने की जरूरत नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत के न्यायिक व्यवस्था को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में कानून के लिए सब लोग समान है। समानता नया आदर्श है और जो लोग सोचते हैं कि वे कानून से परे हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जा रहा है। दरअसल, 21 मार्च को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल पर 23 मार्च को सबसे पहले जर्मनी ने बयान दिया था। जर्मनी ने कहा था, भारत एक लोकतांत्रिक देश है। हमें उम्मीद है कि यहां न्यायालय आजाद है। केजरीवाल के मामले में भी लोकतंत्र के उसूलों का पालन किया जाएगा।

कमलनाथ भी रडार पर!

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस को आयकर मामले में विभिन्न न्यायिक निकायों से किसी भी प्रकार का स्टे नहीं मिल पाया है। सूत्रों ने बताया कि विभाग ने अदालतों में विस्तृत और पुष्ट सबूत पेश किए हैं। सबूत में कहा गया है कि पार्टी को 2013 और 2019 के बीच 626 करोड़ कैश प्राप्त हुआ। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की ओर से आईटी की कुल मांग 2,500 करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। सूत्रों ने कहा कि यह अप्रैल 2019 में आयकर छापों का परिणाम है, जिसमें कांग्रेस द्वारा मेघा इंजीनियरिंग और एक कंपनी से नकद प्राप्तियां दिखाई गईं, जो कमल नाथ के सहयोगियों की करीबी बताई जाती हैं। सूत्रों ने बताया कि कई वर्षों (2013-14 से अप्रैल 2019) में नकदी की कुल प्राप्ति 626 करोड़ रुपये थी।

कमलनाथ से कनेक्शन : सूत्रों ने कहा कि जबकि मेघा इंजीनियरिंग से नकद प्राप्तियां दिए गए ठेकों के लिए थीं, कमल नाथ के सहयोगियों से प्राप्त नकदी मध्य प्रदेश में चलाए गए एक बड़े कथित भ्रष्टाचार घोटाले से थी, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाहों, मंत्रियों, व्यापारियों आदि सहित कई लोगों से रिश्वत की वसूली शामिल थी। इन नकद रसीदों की पुष्टि कई तरीकों से की गई है, जैसे तलाशी के दौरान मिले दस्तावेज, व्हाट्सएप संदेश और दर्ज किए गए बयान। साक्ष्य में कमल नाथ के आधिकारिक आवास से एआईसीसी कार्यालय तक 20 करोड़ रुपये के विशिष्ट भुगतान का उल्लेख है। मालूम हो कि आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत, यदि कई शर्तें पूरी होती हैं तो एक राजनीतिक दल द्वारा प्राप्त आय को छूट दी जाती है। इसमें 2,000 रुपये से अधिक की कोई भी राशि नकद में स्वीकार नहीं करना शामिल है।

अरुणाचल में चुनाव पूर्व 10 विधानसभा सीटों पर भाजपा जीती

सीएम खांडू समेत सभी निर्विरोध विजयी, 19 अप्रैल को बची हुई 50 सीटों पर वोटिंग

ईटानगर, 30 मार्च (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 10 में भाजपा को चुनाव से पहले ही जीत मिल गई है। इन 10 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की। इनमें सीएम पेमा खांडू, डिप्टी सीएम चाउना मेन भी शामिल हैं।

पेमा खांडू ने मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से नामांकन भरा था। चूंकि किसी और उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। ऐसे में खांडू को निर्विरोध चुन लिया गया। बाकी 9 सीटों पर भी इसी तरह बीजेपी उम्मीदवारों को जीत मिली। राज्य में 19 अप्रैल को एक फेज में चुनाव होंगे। वहीं रिजल्ट 2 जून को घोषित किया जाएगा।

मुश्किल में 'राव साहब' : एल्विश यादव पर एक और एफआईआर दर्ज

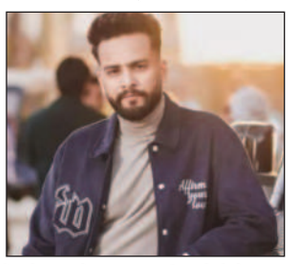

गुरुग्राम, 30 मार्च (एजेंसियां)। गाने की शूटिंग में दुर्लभ प्रजाति के सांपों का इस्तेमाल करने के मामले में अदालत के आदेश पर शनिवार को बादशाहपुर थाना पुलिस ने बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एवं यूट्यूबर एल्विश यादव व हरियाणवी सिंगर राहुल यादव फाजिलपुरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दो दिन पहले गुरुग्राम में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मनोज राणा की कोर्ट ने एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए राहुल यादव फाजिलपुरिया व एल्विश यादव के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। यह याचिका पीपल फॉर एनिमल एनजीओ की ओर से संचालक सौरभ गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि गाने की शूटिंग के दौरान दुर्लभ प्रजाति के सांपों को अवैध रूप से प्रयोग किया गया और इन्हें गले में डालकर शूटिंग की गई। एल्विश यादव और सिंगर राहुल यादव फाजिलपुरिया का कुछ महीने पहले ही 32 बोर गाना आया था।

जिसमें दोनों गले में सांप डालकर वीडियो में नजर आए थे। इसे लेकर पीपल फॉर एनिमल एनजीओ की तरफ से सौरभ गुप्ता ने पुलिस को शिकायत दी थी। इसमें आरोप लगाया गया कि ये दुर्लभ प्रजाति के सांप व जीव हैं। ऐसे में इन्हें इस तरह से गले में डालकर वीडियो कैसे शूट कर सकते हैं? इन्हें रखने की परमिशन नहीं होती है। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिस पर याचिका कोर्ट में दायर की गई थी।

जिस पर कोर्ट ने बादशाहपुर थाना पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। शिकायतकर्ता की याचिका पर मनोज कुमार राणा एसीजेएम गुरुग्राम की कोर्ट के आदेश सीआरपीसी की धारा 156(3) के अनुसार एल्विस यादव व गायक फाजिलपुरिया के गाने 32 बर बोर की शूटिंग के दौरान अवैध रूप से सांपों का प्रयोग करने व अभद्र भाषा का प्रयोग करने के कारण दोनों के खिलाफ वन्यजीवों के प्रति क्रूरता और आईपीसी की धारा 294 के तहत केस दर्ज कर लिया।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उन्हें कुर्ला के अस्पताल में भर्ती किया गया। उनकी बेटी ने इसकी जानकारी दी।

बता दें कि राकांपा-शरदचंद्र पवार पार्टी के नेता नवाब मलिक को 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों के साथ कथित तौर पर पैसों का लेनदेन करने का आरोप लगाया गया था। भाजपा कार्यकर्ता मोहित भारतीय ने साल 2021 में नवाब मलिक के खिलाफ दर्ज कराया था। मलिक चिकित्सीय आधार पर अंतरिम जमानत पर बाहर हैं।

उत्तर भारत में बदलेगा मौसम

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत के राज्यों में गर्मी ने दस्तक दे दी है। हालांकि, शुक्रवार को हुई बारिश से मौसम गुलजार हुआ है। इस बीच मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में 31 मार्च तक गरज के साथ बारिश और हिमालय क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना जताई है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने दिल्ली में आज हल्की बूंदाबांदी उम्मीद जताई है। आईएमडी का अनुमान है कि शुक्रवार की तरह शनिवार को भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई। साथ ही पश्चिमी विक्षोभ का असर आज भी देखने को मिल सकता है।

उत्तराखंड में आईएमडी का अलर्ट

उत्तराखंड में भी मौसम ने करवट बदली है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, देहरादून, गढ़वाल, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी में गरज के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

यूपी से पंजाब तक बरसेंगे बादल

आईएमडी ने 30 से 31 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में बारिश के साथ ओलावृष्टि हो सकती है।

पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट

मौसम विभाग ने आज मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा बर्फबारी होने की संभावना है। साथ ही 30 मार्च से 1 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट बारिश की संभावना है। इसके अलावा नगालैंड में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने देश के कई राज्यों में भारी बारिश और आंधी तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में हल्की से मध्यम बारिश और आंधी तूफान की गतिविधियां देखने को मिल सकती है। इसके अलावा 30 से 31 मार्च को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना है। साथ ही पूर्वोत्तर भारत में 30 मार्च से 1 अप्रैल के बीच आंधी तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

पहाड़ी क्षेत्रों पर बर्फबारी की संभावना

मौसम विभाग ने आज जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई है। साथ ही आईएमडी ने भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

महाराष्ट्र में पांच बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, नवी मुंबई से एटीएस ने दबोचा

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अवैध तरीके से भारत में रहने वाले पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि इन बांग्लादेशियों को नवी मुंबई से पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि एटीएस की विक्रोली यूनिट (मुंबई) ने घनसोली में दो स्थानों पर ऑपरेशन चलाया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एटीएस ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया और पांच बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया।' पकड़े गए सभी बांग्लादेशी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। उन्हें घनसोली में जनाई कंपाउंड और शिवाजी तलाओ के पास से पकड़ा गया। आरोपी आहत जमाल शेख (22), रेबुल समद शेख (40), रोनी सोरिफुल खान (25), जुलु बिलाल शरीफ (28) और मोहम्मद मुनीर मोहम्मद सिराज मुल्ला (49), बांग्लादेश के दो जिलों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी नवी मुंबई में राजमिस्त्री का काम करते थे। एटीएस से जुड़े एक पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद, आरोपियों को विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

गलती से पाकिस्तान पर गिरी थी ब्रह्मोस मिसाइल

एयरफोर्स ने हाईकोर्ट में बताया कैसे हुआ था हादसा

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दो साल पहले 9 मार्च 2022 को भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल को पाकिस्तान में गलती से फायर कर दिया गया था। इस घटना के दो साल बाद अब भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने इसका खुलासा किया है। शुक्रवार (29 मार्च) को दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान आईएएफ ने बताया कि ये हादसा ब्रह्मोस मिसाइल के कॉम्बैट कनेक्टर्स के जंक्शन बॉक्स से जुड़े रहने के कारण हुआ था। आपको बता दें कि 2 साल में ये पहली बार हुआ है जब आईएएफ ने इस घटना को लेकर कोई खुलासा किया हो। इस घटना के अगले दिन ही इस्लामाबाद ने भारत के खिलाफ आपत्ति जाहिर की थी। शुक्रवार को दिल्ली के हाई कोर्ट में इस मामले को लेकर सुनवाई पर भारतीय वायुसेना ने बताया कि इस घटना से पहले लड़ाकू दल को इस बारे में जानकारी थी कि मिसाइल का कॉम्बैट कनेक्टर्स जंक्शन बॉक्स से जुड़ा हुआ है लेकिन इन सब बातों के बावजूद भी वो इस हादसे को रोकने में असमर्थ रहे। जिसके बाद पाकिस्तान में भारत की मिसाइल लैंड हो गई । आईएएफ ने इस बात को माना कि इसकी वजह से किसी भी हवाई और जमीनी वस्तु को किसी बड़ी मुसिबत का सामना करना पड़ सकता था। सूत्रों के मुताबिक इस घटना में लगभग 25 करोड़ रुपये के सरकारी खजाने को नुकसान हो गया था। इसके अलावा दुनियाभर में भारत की वायु सेना पर सवाल किए गए। 2 मार्च 2022 को हुई घटना को लेकर भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) को गठित किया था। जिसके बाद पूछताछ के बाद लड़ाकू दलों के सदस्य ग्रुप कैप्टन सौरभ गुप्ता, उनके अलावा स्क्वाड्रन लीडर प्रांजल सिंह और विंग कमांडर अभिनव शर्मा का नाम सामने आया था।

पोता होने की खुशी में दादा ने किन्नरों को दिया प्लॉट कीमत जान रह जाएंगे हैरान

रेवाड़ी, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में एक दादा ने पोते होने की खुशी 100 गज का प्लॉट किन्नरों को दान कर दिया है। किन्नरों को मिले इस गिफ्ट की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है।कुछ समय पहले प्रवीन को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। प्रवीन यादव की पत्नी ने पहली संतान के रूप में बेटे का जन्म दिया। इस दौरान किन्नर बधाई लेने उनके घर में नाचना, गाना शुरू किया और फिर बधाई मांगी है। बता दे दादा शमशेर सिंह 100 गज का जो प्लॉट किन्नरो को दान में दिया है उसकी किमत करीबन 12 से 15 लाख रूपये बताई जा रही है। बता दें दादा शमशेर सिंह पेशे से बड़े जमींदार हैं, उनके पास काफी पुश्तैनी जमीन है।

शमशेर सिंह के बेटे प्रवीन यादव पेशे से एडवोकेट हैं। शमशेर सिंह ने पूछा कि वह इस प्लॉट में क्या करेंगे, तो किन्नर ने कहा कि वह पशु रखेंगे। इस पर शमशेर सिंह ने कहा कि अगर भैंस भी चाहिए तो वह भी दे देंगे किन्नरों को दिया गया यह प्लॉट शहर के झज्जर रोड पर इंदिरा कॉलोनी और रामसिंहपुरा के बीच है। किन्नर सपना गुरू, हिना, कोमल शमशेर सिंह के घर पहुंचे थे।

पीएस सरहाली पर आरपीजी फायरिंग में शामिल गैंगस्टर समेत तीन को पुलिस ने पकड़ा,

चंडीगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। तरनतारन पुलिस ने नौशेरा पन्नुआं में तीन गैंगस्टरों गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी नंबरदार, मोहप्रीत सिंह उर्फ मोह और शमशेर सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से 1.102 किलोग्राम हेरोइन, तीन अवैध हथियार, चार मैगजीन, 20 गोला बारूद और एक कार बरामद की गई है।

गोपी नंबरदार आदतन अपराधी है और पीएस सरहाली पर आरपीजी फायरिंग में शामिल है।

वह गैंगस्टर लखबीर लंडा से भी जुड़ा हुआ है।

'हमें हेमंत और अरविंद केजरीवाल को नहीं भूलना चाहिए'

इंडी गठबंधन की रैली से पहले जयराम रमेश ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में कल होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का बयान आया है। जयराम ने कहा कि ये रैली चार से पांच मुद्दों पर आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि ये रैली लोकतंत्र के नजरिए से देखी जानी चाहिए न कि किसी एक पार्टी की रैली के तौर पर।

हेमंत सोरेन और केजरीवाल को हम भूलेंगे नहीं

कांग्रेस नेता ने कहा कि ये रैली भाजपा के अत्याचार के खिलाफ आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि हमें हेमंत सोरेन, अरविंद केजरीवाल और कई अन्य लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्हें भाजपा ने एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया है। जयराम ने कहा कि इंडिया गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ रैली' देश के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीजेपी देश के लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने में लगी है। उन्होंने कहा कि देश में किसान आंदोलन कर रहे, युवा परेशान हैं, क्योंकि पेपर लीक हो रहे हैं। महिलाओं ने आवाज उठाई तो उनके बलात्कारियों को संरक्षण दिया गया कांग्रेस नेता ने कहा कि जब युवाओं और महिलाओं के मुद्दों को राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के जरिए उठाया तो विपक्षी एकता को तोड़ने के लिए उनके नेताओं को गिरफ्तार किया गया। सरकार के अत्याचार से आज देश का हर वर्ग परेशान है।

'बीजेपी सरकार जनता को कर्ज में क्यों डुबो रही है?

14 लाख करोड़ का कर्ज क्यों?', प्रियंका गांधी ने पूछे सवाल

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की, 14 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार लेने के उसके प्रस्ताव को लेकर शनिवार को आलोचना की और सवाल किया कि सरकार राहत देने के बजाय लोगों को कर्ज के बोझ तले क्यों दबा रही है। जबकि उन पर पहले से ही 'बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट का बोझ' बढ़ता जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने अपने बजट भाषण में, एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्तीय वर्ष में राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए दिनांकित प्रतिभूतियां जारी करके बाजार से 14.13 लाख करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव रखा था। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "वित्त मंत्रालय का कहना है कि भारत सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में 14 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज लेने जा रही है। क्यों?" उन्होंने कहा, "आजादी के बाद से वर्ष 2014 तक, 67 सालों में देश पर कुल कर्ज 55 लाख करोड़ था। पिछले 10 वर्ष में अकेले मोदी जी ने इसे बढ़ाकर 205 लाख करोड़ पहुंचा दिया। इनकी सरकार ने लगभग 150 लाख करोड़ कर्ज लिया बीते 10 साल में। आज देश के हर नागरिक पर लगभग डेढ़ लाख रुपये का औसत कर्ज बनता है। यह पैसा राष्ट्रनिर्माण के किस काम में लगा?" उन्होंने लिखा, "क्या बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा हुईं या नौकरियां गायब हो गईं? क्या किसानों की आमदनी दोगुनी हो गई? क्या स्कूल और अस्पताल चमक उठे? पब्लिक सेक्टर (सार्वजनिक क्षेत्र) मजबूत हुआ या कमजोर कर दिया गया? क्या बड़ी-बड़ी फ़ैक्ट्रियां और उद्योग लगाये गये? अगर ऐसा नहीं हुआ, अगर अर्थव्यवस्था के कोर सेक्टर्स में बदहाली देखी जा रही है, अगर श्रम शक्ति में गिरावट आई है, अगर छोटे-मध्यम कारोबार तबाह कर दिए गए - तो आखिर यह पैसा गया कहां? किसके ऊपर खर्च हुआ? इसमें से कितना पैसा बट्टेखाते में गया? बड़े-बड़े खरबपतियों की कर्जमाफी में कितना पैसा गया?" प्रियंका ने पोस्ट में लिखा, "अब सरकार नया कर्ज लेने की तैयारी कर रही है तो सवाल उठता है कि पिछले 10 साल से आम जनता को राहत मिलने की बजाय जब बेरोजगारी, महंगाई आर्थिक तंगी का बोझ बढ़ता ही जा रहा है तो भला बीजेपी सरकार जनता को कर्ज में क्यों डुबो रही है?"

महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी गुट ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट, उद्धव ठाकरे समेत ये बड़े नाम शामिल

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दलों के नेता युद्ध स्तर पर प्रचार प्रसार अभियान में जुटे हैं। इस बीच उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने भी प्रचार अभियान को लेकर अपनी गतिविधियां तेज कर दी है। शिवसेना यूबीटी ने 'सामना' के जरिए महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में उद्धव ठाकरे समेत कई बड़े नेताओं के नाम शामिल हैं। शिवसेना यूबीटी ने 'सामना' के जरिए महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की जो लिस्ट जारी की है, उसमें पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के अलावा आदित्य ठाकरे समेत कई बड़े नेताओं को प्रचार अभियान की जिम्मेदारी दी गई है।

शिवसेना यूबीटी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार अभियान जोर पकड़ने लगा है। शिवसेना यूबीटी ने पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे के अलावा संजय राउत, सुभाष देसाई, अनंत गिते को स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया है। इसके अलावा चंद्रकांत खैरे, अरविंद सावंत, भास्कर जाधव, अनिल देसाई, विनायक राउत, अनिल परब, सांसद राजन विखारे, विधायक सुनील प्रभु शामिल हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी समेत कई और बड़े नाम

शिव सेना नेताओं के साथ विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिव सेना सचिव आदेश बांदेकर, शिव सेना और युवा सेना सचिव वरुण सरदेसाई, उपनेता रवींद्र मिरलेकर, विशाखा राउत, नितिन बानुगाडे-पाटिल, लक्ष्मण वाडले, प्रियंका चतुर्वेदी भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल हैं।

इसके अलावा सचिन अहीर, मनोज जमसुतकर, सुषमा अंधारे, संजय जाधव, किशोरी पेडणेकर, उपनेता ज्योति ठाकरे, संजना घड़ी का भी नाम है। शिवसेना यूबीटी के स्टार प्रचारकों में शीतल शेठ-देवरुखकर, जान्हवी सावंत, शरद कोली, सांसद ओमराजे निंबालकर, विधायक सुनील शिंदे, विलास पोटनीस, वैभव नाइक, नितिन देशमुख, आनंद दुबे, किरण माने, सुभाष वानखेड़े और प्रियंका जोशी का नाम भी सूची में हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटों पर पांच चरणों में वोट डाले जाएंगे। पहले चरण में 19 अप्रैल को पांच सीटों- नागपुर, रामटेक, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली - चिमूर और चंद्रपुर में चुनाव होंगे।

जम्मू कश्मीरः पुंछ में एक व्यक्ति का सिर बरामद, पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी

पुंछ, 30 मार्च (एजेंसियां)। जिले के सूरनकोट इलाके के चमरेर तथा आसपास के इलाकों की संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक व्यक्ति का सिर मिला है। इसे जवान साथ लेकर सूरनकोट थाने आए। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी है। पिछले वर्ष 21 दिसंबर को सावनी इलाके में आतंकियों ने घात लगाकर सेना की जिप्सी तथा ट्रक पर हमला किया था। इसमें चार जवान शहीद हो गए थे।

तीन अन्य घायल भी थे। कुछ जवानों के शव को क्षत-विक्षत करने की भी खबर आई थी। हमले के बाद से ही सेना और पुलिस की ओर से पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में वीरवार को सेना की 61 राष्ट्रीय राइफल्स तथा एसओजी की ओर से जंगलों को खंगाला जा रहा था तभी एक कटा हुआ सिर बरामद किया गया। हालांकि, पुलिस या सेना की ओर से इस बाबत कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

चलती ट्रेन में पति ने काटा पत्नी का गला, यात्रियों में मची अफरा तफरी

हरदा, 30 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के हरदा जिले में एक पति ने चलती ट्रेन में अपनी पत्नी का गला काट दिया। घटना शुक्रवार रात करीब 8 बजे की है। जहां कटनी से भुसावल की ओर जा रही पेसेंजर ट्रेन में एक महिला का उसके पति ने गला काट दिया। घटना में ट्रेन में अफरातफरी मच गई। जीआरपी पुलिस ने आनन फानन में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। महिला के तीस टांके लगे हैं जीआरपी पुलिस के अनुसार, जबलपुर के गवारी घाट पर रहने वाली ग्यारसीबाई पति अमित बर्मन (27) खंडवा से जबलपुर जा रही थी। हरदा रेलवे स्टेशन से ट्रेन चली तो दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया, कुछ देर बाद अमित ने अपनी पत्नी के गले पर किसी धारदार वस्तु से हमला कर घायल कर दिया।

वंचित बहुजन पार्टी के नेता प्रकाश अंबेडकर का बयान बोले- कांग्रेस और एनसी पीएसपी के बीच है मतभेद

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के गठबंधन में शामिल होने को लेकर वंचित बहुजन पार्टी के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि मैं पहले से कह रहा था कि इनका कोई गठबंधन नहीं है। इनके लिए फ्रेंडली फाइट मतलब है, जहां इनकी ताकत है वहां यह चुनाव लड़ेंगे ही, किसी को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। जहां यह बोल रहे है कि इनकी फ्रेंडली फाइट नहीं है, वहां एनसीपी, यूबीटी उनके पास उम्मीदवार नहीं है। उन्होंने कहा कि 25 सालों से वो एक ही सीट लड़ रहे है, जो सीट है, वहीं पर लड़ते हैं। 25 साल कोई रुकता नहीं है। इनकी अंडरस्टैंडिंग सिर्फ इस बात पर है कि जहां अपनी ताकत नहीं है तो ठीक है, जहां इनका होल्ड है, तो बोल रहे है फ्रेंडली फाइट करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और शिवसेना में मतभेद है। एनसीपी शरदचंद्र पवार अपना पत्ता अभी नही खोल रही है। इसलिए कांग्रेस की तरफ से फ्रेंडली फाइट की बात कर रहे हैं। मैं आज कहूंगा की यह लोग बी टीम हैं। हमने तब 7 सीट मांगी थी। आज भी हमने 5 सीट की बात की जिसमें 2 में समर्थन भी दिया। हर राजनीतिक दल स्वतंत्र है और उसे इज्जत देना पहले इन्हें सीखना चाहिए, ना कि उसपर आरोप लगाना चाहिए। मैं जितना साफ रहता हूं और कोई नेता उतना साफ नहीं है। हम पोल खोल रहे हैं तो अब कोई बचेगा नहीं। उन्होंने कहा कि मैं उनसे यह कह रहा हूं कि आरोप लगाना आसान है। किसी की छवि बिगाड़ना आसान है। दूसरे को खड़ा करना मुश्किल हैं।

गंगा किनारे हो रहे अवैध निर्माणों पर एनजीटी कोर्ट सख्त, यूपी सरकार से मांगा 6 हफ्तों में जवाब

प्रयागराज, 30 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के किनारे हो रहे अवैध निर्माणों को लेकर नाराजगी जताते हुए यूपी सरकार से जवाब तलब कर लिया है। कोर्ट ने यूपी सरकार से यह बताने को कहा है कि गंगा नदी के किनारे पर रोक के बावजूद किस तरह से अवैध निर्माण हो रहे हैं। कोर्ट ने सरकार से फ्लड प्लेन जोन को भी विस्तार से परिभाषित करने को कहा है और यह पूछा है कि आखिर उसके फ्लड प्लेन जोन का दायरा क्या है। यूपी सरकार की तरफ से एनजीटी कोर्ट में बताया गया कि सरकार गंगा में प्रदूषण को पूरी तरह खत्म करने और नदी के किनारे हो रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए फ्लड प्लेन जोन बनाया है। उत्तर प्रदेश में यह काम दो हिस्सों में किया जा रहा है। पहला हिस्सा बिजनौर से उन्नाव तक है और दूसरा उन्नाव जिले से पूर्वांचल के बलिया तक। पहले हिस्से में निगरानी और रोकथाम का काम सेंटर वॉटर कमीशन को सौंपा गया है, जबकि दूसरे हिस्से का काम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रुड़की को दिया गया है। यूपी में गंगा प्रदूषण से जुड़ी डेढ़ दर्जन जनहित याचिकाओं पर पिछले कई सालों से इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी। कई याचिकाएं तो तकरीबन अठारह साल पुरानी हो चुकी थी। पिछले साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इन डेढ़ दर्जन मुकदमों को एनजीटी यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यून ट्रिब्यूनल को ट्रांसफर कर दिए थे। एनजीटी कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सबसे पुरानी जनहित याचिका के पैरोकार वकील विजय श्रीवास्तव और सुनीता शर्मा की तरफ से कहा गया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की रोक के बावजूद बिजनौर से लेकर बलिया तक गंगा किनारे अधिकतम बाढ़ बिंदु यानी हाइएस्ट फ्लड लेवल एरिया में निर्माण हो रहे हैं। प्रयागराज शहर में हर साल बाढ़ आने की सबसे बड़ी वजह भी यही है। एनजीटी कोर्ट ने फ्लड एरिया में हो रहे निर्माण पर नाराजगी जताते हुए यूपी सरकार से 6 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। जनहित याचिकाओं से जुड़े हुए वकील विजय श्रीवास्तव और सुनीता शर्मा ने बिजनौर से बलिया तक मॉनिटरिंग और रोकथाम का काम सेंट्रल वाटर कमीशन से ही कराए जाने की भी गुजारिश कोर्ट से की। एनजीटी कोर्ट इस मामले में अब 27 मई को सुनवाई करेगी।

स्टंटबाजी पड़ी भारीः रील बना दिल्ली पुलिस के बेरिकेट को जलाया, एफआईआर दर्ज; आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकप्रिय होने की चाहत में रील्स मनाने का शौक दिनों-दिन बढ़ रहा है। कोई ट्रेन में, कोई सड़क पर तो कोई ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर धज्जियां उड़ा रहा है। ऐसा ही एक ताजा मामला दिल्ली के निहाल विहार से सामने आया। जहां एक शख्स ने रील बनाने के लिए दिल्ली पुलिस के बेरिकेट में आग ही लगा दी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें कुछ युवक रील बनाने के लिए दिल्ली पुलिस के बैरिकेड को जला रहे थे। शुक्रवार को निहाल विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई और वीडियो में दिख रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मदरसा शिक्षक की हत्या के केस में आरएसएस के 3 कार्यकर्ता बरी, 2017 का था मामला

कासरगोड, 30 मार्च (एजेंसियां)। केरल में कासरगोड की एक अदालत ने 2017 में जिले की एक मस्जिद के अंदर एक मदरसा शिक्षक की हत्या से संबंधित मामले में शनिवार को फैसला सुना दिया। अदालत ने 7 साल पुराने इस मामले में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानी कि आरएसएस के 3 कार्यकर्ताओं को बरी कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहम्मद रियास मौलवी नाम के मदरसा शिक्षक की हत्या के इन तीनों आरोपियों को बरी करने का फैसला कासरगोड प्रधान सत्र अदालत के न्यायाधीश के. के. बालाकृष्णन ने सुनाया है।

बता दें कि इस पूरे केस का विस्तृत फैसला अभी आना बाकी है। 34 साल के मदरसा शिक्षक मोहम्मद रियास मौलवी पास के चूरी में स्थित एक मदरसे में पढ़ाते थे। मौलवी की 20 मार्च, 2017 को मस्जिद में उनके कमरे में हत्या कर दी गई थी। चूरी स्थित मुहयुद्दीन जुमा मस्जिद के परिसर में घुसे एक गिरोह ने कथित तौर पर उनका गला काट दिया था। पुलिस ने मदरसा शिक्षक की हत्या के मामले में 19 साल के नितिन, 20 साल के अजेश और 25 साल के अखिलेश को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने तीनों के खिलाफ धारा 449 (घर में अतिक्रमण), 302 (हत्या), 153ए (धर्म के आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 (पूजा स्थल को अपवित्र करना), 201 (सबूत नष्ट करना) और 34 के तहत फाइनल रिपोर्ट दर्ज की थी।

अभियोजन पक्ष का कहना था कि हिंदुत्व की विचारधारा में दृढ़ विश्वास रखने वाले आरोपी मुस्लिम समुदाय के लोगों के प्रति गहरी शत्रुता रखते थे। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि इन तीनों आरोपियों ने मदरसे में मौलवी के कमरे में घुसकर उसकी हत्या कर दी थी। हालांकि अदालत ने इस मामले में तीनों आरोपियों को बरी कर दिया और अभी इस पर विस्तृत फैसला आना बाकी है।

मुलायम सिंह यादव को दिया जाए भारत रत्न, शिवपाल यादव

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने मांग रखी है कि अगर नेताजी यानी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को भारत रत्न दिया जाए तो सभी समाजवादी इससे खुश होंगे। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव भी देश के लिए एक रत्न थे। बता दें कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा करने के बाद ही आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है और भाजपा के साथ एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए थे। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जयंत चौधरी के दादा थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

सपने जिनके ऊंचे होते हैं
इम्तिहान भी उनके जबरदस्त होते हैं।

पेयजल, बिजली आपूर्ति की कमी दूर करने के लिए योजना बनाएं : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को तेलंगाना में गर्मी के मौसम के दौरान बिजली और पीने के पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को यहां सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य में पेयजल और बिजली आपूर्ति की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि शुष्क मौसम के कारण राज्य में बिजली की मांग बढ़ गई है और अधिकारियों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने चाहिए। मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध है और अधिकारियों को बिजली कटौती की शिकायतों से बचने के लिए सतर्क रहना चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने कहा, जहां भी समस्या आए, उसे तुरंत हल किया जाना चाहिए। गर्मी के कारण बिजली की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, पिछले साल की तुलना में इस साल बिजली की आपूर्ति ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। भले ही मार्च में मांग पहले की तरह काफी बढ़ गई है, डिस्कॉम ने चरम मांग के बावजूद बिना कटौती के बिजली उपलब्ध कराने में प्रभावी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने गर्मी की जरूरतों के अनुरूप बिजली आपूर्ति की कार्ययोजना बनाने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल की समस्या न हो, फसलें न सूखें और अप्रैल, मई और जून तक स्थानीय जल संसाधनों का उपयोग किया जाये। उन्होंने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने का आदेश दिया ताकि राज्य के सभी हिस्सों में लोगों को पीने के पानी की कमी न हो। बैडक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बंजारा हिल्स पीएस ने केटीआर के खिलाफ मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के खिलाफ बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस नेता बथिना श्रीनिवास राव ने हनमकोंडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि केटीआर ने सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की है। हनुमाकोंडा पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को बंजारा हिल्स पीएस में स्थानांतरित कर दिया। जीरो एफआईआर के आधार पर केटीआर के खिलाफ आईपीसी की धारा 504 और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अपनी शिकायत में, उन्होंने कहा कि केटीआर ने झूठे आरोप लगाए हैं कि सीएम रेवंत रेड्डी ने रुपये एकत्र किए हैं। ठेकेदारों और बिल्डरों से 2,500 करोड़ रुपये लेकर उन्हें दिल्ली भेजा।

उन्होंने कहा कि केटीआर ने दावा किया कि रेवंत लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में शामिल होंगे, इसके अलावा उन्होंने सीएम का स्तर गिराने की भी बात कही, जिससे लोगों में गलत संकेत जाएगा। उन्होंने पुलिस से केटीआर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

बीजेपी ने की केसीआर, केटीआर, एचएम और डीजीपी की भूमिका की जांच की मांग फोन टैपिंग मामला

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बीआरएस सरकार के शासनकाल के दौरान विपक्षी दल के नेताओं और व्यापारियों के कथित फोन टैपिंग अलग-अलग दिलचस्प मोड़ ले रही है। भाजपा ने आज पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री बेटे केटीआर, गृह मंत्री और फिर डी.जी.पी. की भूमिका की व्यापक जांच की मांग की।

यहां भाजपा के राज्य कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि इस सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए, रेवंथ रेड्डी सरकार को पहले पूर्व सीएम केसीआर, केटीआर, गृह मंत्री और डीजीपी की भूमिका की जांच करनी चाहिए। उन्होंने आश्चर्य जताया कि तत्कालीन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की जानकारी के बिना ऐसी राजनीतिक कवायद कैसे हो सकती है।

उन्होंने कहा कि लोग इस तथ्य को जानना चाहते हैं कि क्या पुलिस कर्मियों ने स्वयं या डीजीपी, बीआरएस के गृह मंत्री के निर्देश पर या पूर्व सीएम केसीआर और उनके मंत्री बेटे केटीआर, जिनके पास आईटी पोर्टफोलियो था, के निर्देश पर फोन टैपिंग की है। कांग्रेस सरकार द्वारा गठित कमेटी को पहले इस पहलू की जांच करनी चाहिए।

प्रभाकर ने कांग्रेस सरकार पर बीआरएस के पूर्व मंत्रियों से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच समितियां गठित करके अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कालेश्वरम बांध की जांच और मुफ्त भेड़-भैंसों के वितरण में देरी हो रही है। वह जानना चाहते थे कि कांग्रेस सरकार ने कालेश्वरम मामले में पूर्व सिंचाई मंत्री टी हरीश राव को नोटिस क्यों नहीं दिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दावा है कि उनकी सरकार के 100 दिनों के प्रदर्शन पर जनमत संग्रह कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई एक भी गारंटी पूरी तरह से पूरी नहीं हुई है क्योंकि अभी भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालय के छात्र निजी बसों में यात्रा कर रहे हैं और पूछा कि क्या सीएम रेवंत रेड्डी अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई दलबदल और धीमी असंतोषजनक जांच पर जनमत संग्रह के लिए तैयार हैं।

बीआरएस से कांग्रेस पार्टी में बड़े पैमाने पर दलबदल को "राजनीतिक वेश्यावृत्ति" करार देते हुए, प्रभाकर ने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम केसीआर अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अनुमति दे रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, यह उनकी बेटी, बेटे और दामाद को बचाने के अलावा और कुछ नहीं है और केसीआर अपनी पार्टी के लोगों को सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने के लिए भेज रहे हैं।

बीआरएस ने तैयार किया कडियम को अयोग्य ठहराने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक कडियम श्रीहरि भी बीआरएस छोड़कर कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह जल्द ही कांग्रेस में शामिल होने के लिए तैयार हैं। हालाँकि, बीआरएस पार्टी ने पार्टी बदलने पर कडियम श्रीहरि को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव तैयार किया है। पार्टी विधायक लक्ष्मा रेड्डी, कालेरू वेंकटेश और मुथा गोपाल श्रीहरि के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत दर्ज कराने विधानसभा पहुंचे। हालांकि विधानसभा कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि अध्यक्ष उपलब्ध नहीं हैं। बीआरएस विधायकों ने पहले ही पार्टी के बागी विधायक दानम नागेंदर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की है।

बीआरएस पार्टी के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने कहा कि उन्होंने केसीआर के निर्देशानुसार विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की है।

जिन विधायकों ने स्पीकर से शिकायत की है उनमें पाडी कौशिक रेड्डी, कालेरू वेंकटेश, मुथा गोपाल, बंडारू लक्ष्मा रेड्डी और कई अन्य नेता शामिल हैं। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से दलबदल विरोधी कानून के तहत संविधान का सम्मान करते हुए निर्णय लेने का आग्रह किया।

बीआरएस नेताओं को मेरी आलोचना करने का अधिकार नहीं : कडियम

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेशन घनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति के नेता असमंजस की स्थिति में हैं और उन्हें पार्टी बदलने पर उनकी आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस में शामिल होने का फैसला करने वाले बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि और उनकी बेटी काव्या ने शनिवार को यहां अपने समर्थकों के साथ बैठक की और भविष्य की रणनीति के बारे में चर्चा की।

श्रीहरि ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेताओं के निमंत्रण पर बीआरएस पार्टी छोड़ने का फैसला किया है और कांग्रेस में शामिल होने का कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा।

श्रीहरि की बेटी कादियाम काव्या ने कहा कि उन्हें बीआरएस पार्टी में कोई सहयोग नहीं मिला और इसके अलावा, वह हारने वाली पार्टी से चुनाव नहीं लड़ना चाहती थीं।

इस मौके पर समर्थकों ने कडियम श्रीहरि के कांग्रेस में शामिल होने के फैसले पर समर्थन जताया।

कामारेड्डी नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास मत कांग्रेस ने जीता

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी नगरपालिका अध्यक्ष निट्टू जाहन्वी के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किया गया अविश्वास प्रस्ताव सफलतापूर्वक पारित हो गया है, जिससे बीआरएस को अध्यक्ष पद से बाहर होना पड़ा। कांग्रेस पार्षद गद्दाम इंदुप्रिया को नया प्रभारी अध्यक्ष चुना गया है।बीआरएस पार्टी के पार्षदों द्वारा अपनी ही चेयरमैन जाहन्वी के खिलाफ बगावत करने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अविश्वास प्रस्ताव लाया। नौ बीआरएस पार्षदों ने कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया और 49 पार्षदों में से 27 ने अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। 16 सदस्यों के साथ, बीआरएस पार्टी को 9 बीआरएस पार्षदों के उनके खिलाफ विद्रोह करने के कारण एक बड़ा झटका लगा। अविश्वास प्रस्ताव पर भाजपा के छह पार्षद अनुपस्थित रहे। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने वाले बीआरएस प्रतिनिधि कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

केसीआर आज से सूखाग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगे

नलगोंडा, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में भूजल स्तर गिरने के साथ ही पानी की कमी के कारण फसल सुखने से संकट में आए किसानों से बीआरएस प्रमुख केसीआर मुलाकात करने जा रहे है। रविवार से वह संयुक्त नलगोंडा जिले का दौरा करेंगे। वहां किसानों से उनकी मुश्किलों के बारे में जानकारी लेंगे। आज से शुरू होने वाले दौरे के दौरान, केसीआर सूर्यापेट, नलगोंडा और जनगामा जिलों के कई मंडलों का दौरा करेंगे और फसल क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे।

अग्निशमन सेवाओं ने शुरू किए गर्मी से निपटने के लिए उपाय

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में पारा का स्तर काफी बढ़ रहा है। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवाओं के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवाओं ने विभिन्न पहल की हैं। आगामी गर्मी के मौसम से प्रभावी ढंग से और नवीन तरीके से निपटने के उपाय। नवप्रवर्तन अग्निशमन क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ आग से बचाव के कई उपाय करने में निहित है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह 14 से 20 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसके हिस्से के रूप में, बस स्टेशनों/रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, आवासीय परिसरों, मल्टीप्लेक्स और मॉल आदि जैसे विभिन्न परिसरों में आग की रोकथाम और जीवन सुरक्षा पर सप्ताह भर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ विभाग के अधिकारियों के लिए अग्नि निवारण, जीवन सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा पर उनके ज्ञान के स्तर को समृद्ध करने के लिए कौशल उन्नयन कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

आपदा मित्र योजना के तहत अग्निशमन विभाग ने स्वयंसेवकों को उन कौशलों के साथ प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है जिनकी उन्हें आपदा के बाद अपने समुदाय की तत्काल जरूरतों का जवाब देने के लिए आवश्यकता होगी। वारंगल में 95 स्वयंसेवकों के एक बैच का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। कक्षा प्रशिक्षण पूरा हो गया है, और व्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू होना है।

बीजेपी सांसद ने कांग्रेस प्रत्याशी को रोहिंग्या प्रतिनिधि बताया

जगतियाल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता और निज़ामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद ने शनिवार को कांग्रेस एमएलसी और निज़ामाबाद लोकसभा उम्मीदवार टी जीवन रेड्डी को रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों का प्रतिनिधि कहा।

यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेने आए अरविंद ने मीडिया से कहा कि अगर कोई जीवन रेड्डी के बयानों पर गौर करे तो ऐसा लगता है कि वह रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जीवन रेड्डी निज़ामाबाद लोकसभा क्षेत्र में अरविंद से भिड़ रहे हैं।

केटीआर ने सोशल मीडिया चैनलों को भेजा कानूनी नोटिस

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शनिवार को कुछ सोशल मीडिया चैनलों और टेलीविजन चैनलों को उनकी छवि खराब करने और उनके परिवार को बदनाम करने के एकमात्र इरादे से आधारहीन रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सोशल मीडिया चैनलों और टेलीविजन समाचार चैनलों से अपील की थी कि वे अपने तरीके सुधारें और झूठी और आधारहीन रिपोर्ट प्रकाशित करने से बचें। पिछले दिनों, जब कुछ सोशल मीडिया चैनलों को कानूनी नोटिस मिले, तो उन्होंने वीडियो और अन्य आधारहीन सामग्री हटा दी थी।

हालाँकि, महा न्यूज, आई‌न्यूज, सीआर वॉयस, मन तोलीवेलुगु टीवी, मनम टीवी, पॉली ट्रिक्स, रेवंत दादू, वाइल्ड वुल्फ न्यूज, रेड टीवी और यूट्यूब सहित 10 और सोशल मीडिया चैनलों और टेलीविजन समाचार चैनलों को नोटिस दिया गया था।

योजनाबद्ध तरीके से ये चैनल मुझे और मेरे परिवार को बदनाम करने के लिए झूठा प्रचार कर रहे हैं। यह सब साजिश मीडिया की आड़ में बड़े एजेंडे के तहत की जा रही है। हमारी तस्वीरें जानबूझकर उन रिपोर्टों में इस्तेमाल की जा रही हैं जिनका हमसे कोई लेना-देना नहीं है, इसके अलावा लाभ प्राप्त करने के लिए थंबनेल भी बनाए जा रहे हैं और ऐसे चैनलों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने नोटिस में कहा, एक बार फिर चैनलों को हटाने की चेतावनी दी गई। उनके और उनके परिवार से संबंधित वीडियो और अन्य सामग्री जो उनके संबंधित चैनलों पर गलत उद्देश्यों से अपलोड की गई थीं।

रामा राव ने कहा, अगर चैनल एक सप्ताह में ऐसी आधारहीन और अपमानजनक सामग्री को साफ़ नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ और अधिक कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि यूट्यूब को भी कानूनी नोटिस भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि कुछ यूट्यूब चैनलों के अलावा, कुछ मीडिया संगठन भी योजनाबद्ध और दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में शामिल थे, उन्होंने चैनलों से तथ्यात्मक समाचार रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए कहा, ऐसा न करने पर उन्हें मामलों का सामना करने के अलावा अधिक कानूनी नोटिस प्राप्त करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

खोए हुए 483 मोबाइल फोन बरामद

कोठागुडेम, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि जनवरी से अब तक सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 483 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और मालिकों को सौंप दिए गए हैं। जिले भर के सभी पुलिस स्टेशनों में पोर्टल के माध्यम से 1674 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसमें से 964 मोबाइल को ट्रेस कर लिया गया है। उन्होंने कहा, जिन व्यक्तियों ने अपने मोबाइल फोन खो दिए हैं, उन्हें सीईआईआर पोर्टल पर सभी विवरण ऑनलाइन दर्ज करना होगा, उनके मोबाइल फोन को संबंधित पुलिस स्टेशन के कर्मियों द्वारा ट्रैक और बरामद किया जाएगा। रोहित राजू ने कहा कि जिले के कोठागुडेम थ्री-टाउन और मनुगुर पुलिस स्टेशनों द्वारा सबसे अधिक संख्या में मोबाइल फोन ट्रैक किए गए और मालिकों को सौंपे गए। एसपी ने कांस्टेबल विष्णुवर्धन की सराहना की, जिन्होंने कोठागुडेम थ्री-टाउन पुलिस स्टेशन में बड़ी संख्या में मोबाइल फोन खोजने के लिए कड़ी मेहनत की। इस अवसर पर एसबी इंस्पेक्टर नागराजू, आईटी सेल प्रभारी सीआई नागराजू रेड्डी और इसके सदस्य विजय, राजेश और अन्य उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में 10वीं के छात्र की मौत

संगारेड्डी, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर रात पटानचेरु में एक सड़क दुर्घटना में 10वीं कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई। पीड़ित सीतारमपुरम कॉलोनी निवासी सुदीप पटनायक (15) था। चूँकि उसकी माँ बीमार थी, इसलिए सुदीप कुछ दवाएँ खरीदने के लिए अपनी बाइक पर एक मेडिकल दुकान पर गया। बताया जाता है कि लौटते समय वह एक मालवाहक वाहन से टकरा गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पटनायक, जो एक स्थानीय स्कूल में पढ़ रहा था, अपनी बोर्ड परीक्षा दे रहा था।

एपी में जंगली पेड़ से पानी का वीडियो वायरल

कोठागुडेम 30 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी राज्य में एक जंगली पेड़ के तने से पानी निकलने की एक वीडियो क्लिप शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। ऐसा कहा जाता है कि यह वीडियो किंटुकुरु वन क्षेत्र में पापिकोंडालु राष्ट्रीय उद्यान में लिया गया था, जहां कुछ वन अधिकारियों ने टर्मिनलिया एलिप्टिका, जिसे आमतौर पर इंडियन लॉरेल या नल्ला मैडी पेड़ के रूप में जाना जाता है, के पानी को एक कर्मचारी द्वारा उसके तने को काटते हुए देखा। अधिकारियों ने बताया कि पेड़ से लगभग 20 लीटर पानी निकला।

दक्षिणी और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल निवासी यह पेड़ भारत, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों में पाया जाता है।

वनस्पतिशास्त्रियों के अनुसार, इस पेड़ में अपने तने में पानी जमा करने की अनोखी विशेषता होती है। यह पानी पीने योग्य है और औषधीय दृष्टि से भी अच्छा है, साथ ही इसका उपचारात्मक महत्व है और यह पेट दर्द को ठीक करने में मदद करता है। इसकी छाल में आग प्रतिरोधी गुण भी प्रदर्शित होते हैं जबकि इसकी लकड़ी का उपयोग फर्नीचर और संगीत वाद्ययंत्र बनाने के लिए किया जाता है। नल्ला मैडी की पत्तियां एंथेरिया पफिया रेशमकीटों के लिए प्राथमिक भोजन स्रोत के रूप में काम करती हैं, जिससे व्यावसायिक रूप से मूल्यवान जंगली रेशम प्राप्त होता है जिसे टसर रेशम के रूप में जाना जाता है। किंतुकुरु गांव आंध्र प्रदेश के तत्कालीन पूर्वी गोदावरी जिले के रामपचोदावरम मंडल में स्थित है।

पेद्दापल्ली में कांग्रेस उम्मीदवार बदलने की मांग

जगतियाल, 30 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। हालांकि पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के लिए कांग्रेस उम्मीदवार की घोषणा कर दी गई है, लेकिन यह सीट कांग्रेस पार्टी नेतृत्व के लिए एक दुविधा बनी हुई है, क्योंकि उम्मीदवार को बदलने की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

मडिगा शक्ति के तत्वावधान में क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में एआईसीसी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन भी किया है और पार्टी आलाकमान से चेन्नूर विधायक जी विवेक के बेटे गद्दाम वामशी कृष्णा को उम्मीदवार बदलने की मांग की है। एससी (मडिगा) समुदाय के स्थानीय नेता वामशी कृष्णा की उम्मीदवारी का कड़ा विरोध कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि दो एमएलए सीटों और एक एमपी टिकट के आवंटन के समझौते के आधार पर विवेक और उनके परिवार के सदस्य विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।

नहर के पानी के लिए जगतियाल में किसानों का विरोध प्रदर्शन

जगतियाल, 30 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। नहर से पानी छोड़ने और खड़ी फसलों को आपूर्ति करने की मांग को लेकर किसानों ने शनिवार को कथलापुर मंडल के डुम्पेटा के पास बाढ़ प्रवाह नहर के पास विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने वेमुलावाड़ा-कोरुतला मार्ग पर धरना दिया और रास्ता रोको किया, जिससे कुछ देर के लिए वाहन यातायात रुक गया। आंदोलनकारी किसानों ने इलाके से गुजर रहे वेमुलावाड़ा विधायक आदि श्रीनिवास के वाहन को रोका और उनसे नहर से पानी छोड़ने और फसलों को सूखने से बचाने के लिए कदम उठाने की मांग की।

हालांकि विधायक ने नहर से पानी छोड़ने का आश्वासन दिया, लेकिन उन्होंने अपना विरोध वापस लेने से इनकार कर दिया। जब रैयतों ने अपना विरोध वापस लेने से इनकार कर दिया, तो विधायक ने सिंचाई अधिकारियों से बात की और उन्हें कृषि क्षेत्रों में पानी छोड़ने का निर्देश दिया। बाद में किसानों ने विरोध वापस ले लिया।

दिव्यांग व्यक्ति ने बुजुर्ग महिला को बचाया

करीमनगर, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को शंकरपट्टनम मंडल के कोथागट्टु में एक दिव्यांग व्यक्ति ने एक बुजुर्ग महिला की जान बचाई। ग्रामीणों के अनुसार गद्दाम मल्लम्मा (80) ने जान देने के लिए कुएं में छलांग लगा दी। अपनी पत्नी से इसकी जानकारी होने पर बंदसारी रविंदर कुएं में उतर गया और महिला को बचा लिया। रविंदर ने अपने पैरों पर सिर रखकर महिला को पानी में डूबने से रोका और रस्सी के सहारे कुएं में तब तक रुका रहा जब तक अन्य ग्रामीण मौके पर नहीं पहुंचे और दोनों को कुएं से बाहर नहीं निकाला। बाद में, महिला को 108 एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। ग्रामीणों ने महिला को बचाने के लिए रविंदर के साहस की सराहना की।

मुख्तार अंसारी सुपुर्द-ए-ख़ाक

कालीबाग कब्रिस्तान में मौजूद रहा बेटा उमर

गाजीपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)।

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत हार्ट अटैक से हो गई। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्तार की हृदय गति रुक गई, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। मुख्तार के शव को कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच गाजीपुर स्थित उसके पैतृक गांव मोहम्मदाबाद लाया गया। आज उसके शव को रीति रिवाज के साथ सुपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया। इस मौके पर मुख्तार के बेटे उमर अंसारी के अलावा परिवार के अन्य सदस्य और परिजन भी मौजूद रहे।

बता दें कि गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर विपक्षी दलों द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद शुक्रवार को मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए। अंसारी के परिवार ने आरोप लगाया है कि बांदा जेल में उन्हें 'धीमा जहर' दिया गया जिसके कारण मुख्तार की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सुरक्षा अलर्ट के बीच डॉक्टरों के एक पैनल ने बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में शव का पोस्टमार्टम किया। बांदा मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के एक समूह द्वारा पोस्टमॉर्टम किए जाने के बाद मुख्तार अंसारी के शव को गाजीपुर जिले के मोहम्दाबाद यूसुफपुर स्थित उसके पैतृक निवास लाया गया। 26 गाड़ियों के काफिले के साथ गाजीपुर लाया गया।

बेटे के सुपुर्द किया गया शव

काफिले में मौजूद मुख्तार के वकील नसीम हैदर ने बताया कि अंसारी का शव उसके छोटे बेटे उमर अंसारी, बहू निकहत अंसारी और दो चचेरे भाइयों के सुपुर्द किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस अधिकारियों की 24 गाड़ियां काफिले में थे और दो गाड़ियां अंसारी के परिवार की थीं। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी विधायक मोहम्मद सुहैब अंसारी के अनुसार, उनके चचा मुख्तार अंसारी को शनिवार सुबह 10 बजे यूसूफपुर मोहम्मदाबाद (गाज़ीपुर) के कालीबाग कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा।

जेल में बिगड़ी थी तबीयत

मुख्तार अंसारी को बृहस्पतिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद बांदा जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। मुख्तार के परिजनों ने अंसारी को जेल में धीमा जहर देने का आरोप लगाया था। गाजीपुर के सांसद और मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने मंगलवार को बताया था कि मुख्तार ने बताया था कि करीब 40 दिन पहले भी उन्हें जहर दिया गया था और हाल ही में शायद 19 या 22 मार्च को फिर ऐसा किया गया, जिसके बाद से उनकी हालत खराब हो गई।

मुख्तार की मौत की जांच

बांदा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) भगवान दास गुप्ता की ओर से जारी आदेश के मुताबिक मामले की जांच के लिए गरिमा सिंह अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सांसद-विधायक अदालत बांदा) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। आदेश के मुताबिक वरिष्ठ अधीक्षक जिला कारागार बांदा द्वारा 28 मार्च को मुख्तार अंसारी की मौत के मामले की न्यायिक जांच के लिए अधिकारी नामित करने की याचना की गयी थी। सीजेएम ने नियुक्त जांच अधिकारी से एक माह के अंदर जांच रिपोर्ट मांगी है। इसके पहले महानिदेशक (कारागार) एसएन साबत ने न्यायिक जांच कराने की बात कही थी।

बदल गया कार्यक्रम, अब दो अप्रैल को बरेली आ रहे हैं सीएम योगी

बरेली, 30 मार्च (एजेंसियां)। शहर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का कार्यक्रम एक बार फिर बदला गया। अब मुख्यमंत्री दो अप्रैल को बरेली लोकसभा में प्रबुद्ध वर्ग से संवाद करने आएंगे। उस दिन मुख्यमंत्री मंडल की दो अन्य सीटों पर भी जाएंगे। शुक्रवार को स्थानीय पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाएं देखीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो अप्रैल को सुबह 11 बजे त्रिशूल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह हेलीकॉप्टर से पीलीभीत जाएंगे। वहां से दोपहर करीब एक बजे बदायूं के लिए निकल जाएंगे। बदायूं में भी प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। दोपहर करीब सवा तीन बजे बरेली पुलिस लाइन पर हेलीकॉप्टर से उतरेंगे। यहां से कार्यक्रम स्थल बरेली इंटर कॉलेज के मैदान पर पहुंचेंगे।

सीएम के दौरे को लेकर तैयारी तेज

बरेली इंटर कॉलेज के मैदान में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। शहर के प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियां स्थानीय जनप्रतिनिधियों व नेताओं ने तेज कर दी हैं। शुक्रवार को सभी बरेली इंटर कॉलेज के मैदान पर पहुंचे। वहां व्यवस्थाओं को देखा। इसके बाद सभी ने वन मंत्री डा। अरुण कुमार के आवास पर पहुंचकर चुनाव संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी बांटी।

ये लोग रहे मौजूद

इस दौरान ब्रज क्षेत्र प्रभारी संतोष सिंह, जिला प्रभारी चौधरी देवेंद्र सिंह, सांसद संतोष गंगवार, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महापौर डा। उमेश गौतम, विधायक डा। डीसी वर्मा, संजीव अग्रवाल, डा। एमपी आर्य एमएलसी महाराज सिंह, लोकसभा संयोजक राजकुमार शर्मा, लोकसभा प्रभारी राकेश गुप्ता, सह संयोजक डा। केएम अरोड़ा, अनिल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

डंपर में घुसी स्कूली वैन, ड्राइवर और एक बच्चे की मौत, 9 घायल

गाजियाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। स्कूली बच्चों को लेकर जा रही एक कार डंपर में जा घुसी। पीछे से आ रही एक तीसरी अन्य गाड़ी भी इन दोनों गाड़ियों से टकराकर पलट गई। इस हादसे में स्कूली वैन के ड्राइवर और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि करीब 9 बच्चे घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये हादसा गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में हुआ है। कूड़े का एक डंपर लालकुआं से दिल्ली की तरफ जा रहा था, उसके पीछे ही एक वैन आ रही थी। वैन में सवार 11 स्कूली बच्चे अमरोहा से जामिया दिल्ली जा रहे थे। सुबह-सुबह क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में अचानक ये वैन डंपर से जा भिड़ी। हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई है और कई बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पप्पू यादव कब करेंगे पूर्णिया से नामांकन?

अगर कांग्रेस से सिंबल नहीं मिला तो क्या करेंगे? ये है विकल्प

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में भी लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। मौजूदा वक्त में राज्य की पूर्णिया लोकसभा सीट सुर्खियों में बनी हुई है। बिहार में 29 मार्च को महागठबंधन में सीट शेयरिंग फाइनल होने के बाद पप्पू यादव की उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है। आरजेडी की तरफ से पूर्णिया लोकसभा सीट पर बीमा भारती को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इस सीट को लेकर सियासी घमासान मच गया है। जानकारी के मुताबिक पप्पू यादव अभी भी पूर्णिया सीट छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं और वो निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भी किस्मत आजमा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक पप्पू यादव 2 अप्रैल को पूर्णिया लोकसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। बताया जा रहा है कि अगर कांग्रेस से उन्हें सिम्बल नहीं मिलता है तो वो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

पप्पू यादव लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव?

पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी का हाल ही में कांग्रेस में विलय कर दिया था। पप्पू यादव को पूरी उम्मीद थी कि कांग्रेस से उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट से उम्मीदवार जरुर बनाया जाएगा लेकिन महागठबंधन में सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत ये सीट आरजेटी के पास चली गई। आरजेडी ने यहां से बीमा भारती को टिकट दिया है। कांग्रेस में अपनी पार्टी का विलय करने के बाद पप्पू यादव पूर्णिया को अपनी प्रतिष्ठा की सीट मान चुके हैं और इसे किसी भी कीमत पर छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं। कांग्रेस का सिंबल न मिलने पर वो निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं।

पप्पू यादव के पास क्या है विकल्प?

बता दें कि बीमा भारती नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू छोड़कर आरजेडी में शामिल हुई थीं। आरजेडी में शामिल होने के बाद तुरंत ही पार्टी प्रमुख लालू यादव ने उन्हें पूर्णिया से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया, जिसके बाद पप्पू यादव की नाराजगी बढ़ गई। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए लेकिन वो पूर्णिया सीट नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि अब पप्पू यादव के बाद क्या विकल्प हैं? कहा जा रहा है कि पप्पू यादव या तो कांग्रेस से इस्तीफा देकर निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं या फिर कांग्रेस की दी हुई किसी दूसरी सीट पर चुनाव लड़ने के लिए राजी हो जाएं। पप्पू यादव पहले तीन बार पूर्णिया और दो बार मधेपुरा लोकसभा सीट पर जीत दर्ज कर चुके हैं।

यूपी पुलिस की महिला सिपाही और बहन के खिलाफ मुकदमा, ऐसे करतीं थीं ब्लैकमेल

बरेली, 30 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ की एक महिला सिपाही ने अपनी बहन को खाकी वर्दी पहनाकर फायरमैन को अपनी मोहब्बत के जाल में फंसा लिया। इसके बाद उसे ब्लैकमेल करना शुरू किया। उससे चार लाख रुपये वसूल लिए। आठ लाख की और डिमांड की गई। एडीजी के आदेश पर महिला सिपाही और उसकी बहन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिजनौर के स्योहारा थाने के गांव मूंडाखेड़ी के निपेन्द्र सिंह ने एडीजी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उसके बेटे विनीत कुमार को मेरठ की रहने वाली शीतल व उसकी बहन ममता ने धोखे से अपने जाल में फंसा लिया। शीतल ने अपनी बहन ममता को पुलिस की वर्दी में विनीत से मिलवाकर अपने जाल में फंसा लिया और दबाब बनाकर विनीत से पांच लाख पचास हजार का लोन कराया। जिसमें से शीतल ने ऑनलाइन अपने खाते में चार लाख रुपये उधार लिए और उसके बाद आठ लाख रुपये की और मांग की जिसे देने से विनीत ने मना कर दिया। महिला ने विनीत के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज करवा दिया।

देवरिया में दर्दनाक हादसा: चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटा, तीन बच्चे और मां की मौत

देवरिया, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया के बरहज तहसील इलाके के भलुअनी स्थित डुमरी गांव में शनिवार की सुबह करीब पांच बजे चाय बनाने के दौरान गैस सिलेंडर भभक गया। जिससे सिलेंडर फट गया। चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डुमरी गांव निवासी शिवशंकर गुप्त पावरोटी बेचते हैं।

सुबह वह दुकान पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे। उनकी पत्नी आरती देवी चाय बनाने लगी। इसी बीच गैस सिलेंडर भभकने लगा। सिलेंडर भभक कर फट गया। जिसकी चपेट में आने से शिवशंकर गुप्त की पत्नी आरती देवी (42), पुत्री आंचल (14), सृष्टि (11), पुत्र कुंदन (12) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर इंस्पेक्टर अर्चना सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच गईं। डीएम अखंड प्रताप सिंह, एसपी डॉ। संकल्प शर्मा, एडीशनल एसपी डॉ।भीम कुमार गौतम, एसडीएम दिशा श्रीवास्तव, सीओ आदित्य कुमार गौतम आदि ने मौके का जायजा लिया। फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। इतने बड़े हादसे की जानकारी होने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

लालू यादव की हर चाल से बीजेपी की बल्ले-बल्ले

बिहार में सियासी प्रयोग कर एनडीए की 'मदद' कर रहे आरजेडी प्रमुख?

भागलपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। महागठबंधन में सीट बंटवारे के साथ ही राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा शुरू हो गई कि कांग्रेस कही न कही बैक फुट पर है। तर्क यह दिया जा रहा है कि तय शुदा कुछ मजबूत सीटों को छीन लेना और कम प्रभाव वाले क्षेत्रों को सिर्फ नंबर गेम की संतुष्टि के लिए कांग्रेस के गले में बांध देना, हतप्रभ तो कर ही गया। ऐसे ही अव्यवहारिक निर्णय को लेकर कांग्रेस के कोटे में आई भागलपुर लोकसभा की चर्चा तेज है। जिस कांग्रेस ने अंतिम जीत का सेहरा 1984 लोकसभा के चुनाव में पहना था। इसके बाद से कांग्रेस भागलपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए इस कदर अप्रभावी हुई कि पिछले डेढ़ दशक से लोकसभा चुनाव ही नहीं लड़ी। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में सदानंद सिंह उम्मीदवार बने और चुनचुन यादव से हार गए थे।

वर्तमान स्थिति में राजद मजबूत

वर्तमान समय में भागलपुर राजद के लिए ज्यादा जिताऊ समीकरण बना सकता था। वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव में शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने भाजपा के शाहनवाज हुसैन को परास्त किया था। तब राजद उम्मीदवार को 364623 मत मिले थे। भाजपा के शाहनवाज हुसैन को 358138 मत मिले थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जदयू के अजय मंडल ने राजद के बुलो मंडल को हराया। तब अजय मंडल को 618254 मत मिले थे और बुलो मंडल को 540624 मत मिले थे। राजद के लिए यह चुनाव कांग्रेस के मुकाबले में ज्यादा आसान होता। राजद को तब वाम दल का सहयोग मिलता। भागलपुर में वाम दलों का कैडर वोट भी है। वर्ष 1999 की लोकसभा चुनाव में सीपीआई के सुबोध राय चुनाव जीत भी गए थे।

क्या है कांग्रेस का अतीत

वर्ष 1957 में भागलपुर लोकसभा सीट अस्तित्व में आया। इसके पहले यह भागलपुर सह पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र माना जाता था। जबसे भागलपुर लोकसभा क्षेत्र अस्तित्व में आया तब से कांग्रेस छह लोकसभा चुनाव में परचम लहराया। 1957 लोकसभा चुनाव में बनारसी प्रसाद झुनझुनवाला ने जीत दर्ज की। इसके बाद वर्ष 1962, 1967, 1971, 1980, 1984 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के भागवत झा आजाद ने लगातार दर्ज की। इसके बाद भागलपुर लोकसभा के परिदृष्य से गायब हो गई। वर्ष 2009 में सदानंद सिंह जरूर खड़े हुए, पर चुनचुन यादव से हार गए।

चौंकाने वाला निर्णय: अश्क

वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश अश्क का मानना है कि महागठबंधन में सीट बंटवारे का जो स्वरूप आया है, उससे साफ दिखता है कि कांग्रेस बैकफुट पर है। एक तरफ पारंपरिक सीट औरंगाबाद राजद के हिस्से में जाना और दूसरी तरफ पूर्णिया लोकसभा चुनाव लड़ने की शर्त पर अपनी जनाधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करा लेना और वह सीट भी राजद के कोटे में चला जाना आश्चर्य पैदा करता है। जिस भागलपुर लोकसभा क्षत्र में 1984 के बाद कांग्रेस जीत तो दूर मजबूत स्थिति में भी नहीं दिखी, वह सीट कांग्रेस के माथे मढ़ना कहीं न कही एनडीए को वॉक ओवर देने जैसा है। औरंगाबाद और नवादा से भी जो उम्मीदवार उतारे गए हैं, वह भी काफी कमजोर हैं। संभव हो यह लालू प्रसाद का प्रयोग हो, लेकिन यह प्रयोग अपरोक्ष रूप से एनडीए को मदद करते दिख रहा है।

पत्नी व तीन पुत्रियों की हत्या करने वाले शख्स ने की आत्महत्या

मोतिहारी, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी चंपारण जिले के पहाड़पुर थानाक्षेत्र के बावरिया गांव में गुरुवार की रात पत्नी व तीन पुत्रियों की हत्या करनेवाले ईदू अंसारी ने शुक्रवार की रात सुगौली में ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुगौली-रक्सौल रेलखंड के आउटर सिग्नल के पास से ईदू मियां का शव बरामद किया है। आशंका जताई जा रही है कि शुक्रवार की रात दस बजे के करीब इस रेलखंड से गुजरी सवारी अथवा मालगाड़ी के आगे आकर ईदू ने आत्महत्या की है। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर उसके तस्वीर से उसकी पहचान की है। उसके परिवार से जुड़े अन्य स्वजनों को पहचान के लिए बुलाया गया है। अरेराज के पुलिस उपाधीक्षक रंजन कुमार ने बताया कि पहाड़पुर पुलिस की टीम को जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि गुरुवार की रात ईदू ने अपनी पत्नी पत्नी अफरीना खातून (45), पुत्री अबरून (14), शबरून खातून (12) व शाहजादी (09) की हत्या उनके गहरे नींद में आने के बाद धारदार हथियार से गला काटकर कर दी थी। हत्या के बाद सभी के शवों को कमरे से निकालकर घर के आंगन में ही छोड़कर भाग निकला था। इस बीच शुक्रवार की देर रात सुगौली-रक्सौल रेलखंड के सुगौली आउटर सिग्नल के पास से उसका शव मिला। सुगौली राजकीय रेल थाना की पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रेल थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि अखबार में छपी फोटो से शव की पहचान की गई है। आगे की जांच की जा रही है।

बुलंदशहर में गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा

अखिलेश यादव बोले- भाजपा ने ठेके के बदले में चुनावी चंदा लिया है उसमें उस ठेकेदार ने कितना दिया

बुलंदशहर 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां पर गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया। निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक गिर गया। राहत की बात ये है कि इस हादसे में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। ऊंचागांव विकास क्षेत्र के मडैया माली गांव में गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल के दो बीम नीचे गिर गए। जबकि तीसरा बीम क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि निर्माणाधीन पुल गिरने पर समाजवादी पार्टी की मुखिया अखिलेश यादव ने निर्माण कार्य पर सवाल उठाया है। वर्ष 2021 में बुलंदशहर और अमरोहा को जोड़ने के लिए मडैया माली और बीरामपुर के बीच गंगा नदी पर 1062.65 मीटर लंबाई के पुल के निर्माण कार्य की शुरुआत हुई थी। 8318.90 लाख रुपये से पुल का निर्माण किया जा रहा है। पुल निर्माण में शुरुआत से ही घटिया सामग्री का प्रयोग करने के आरोप लगते रहे हैं। लोगों के बार-बार शिकायत करने के बाद भी अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इस हादसे को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि जनता पूछ रही है भाजपा ने ठेके के बदले में जो 'चुनावी चंदा' लिया है उसमें उस ठेकेदार ने कितना दिया जिसके द्वारा बुलंदशहर में गंगा जी पर बनाया जा रहा पुल, बनने के दौरान ही टूट कर गिर गया? काम की गुणवत्ता से खिलवाड़ करके, भाजपा लोगों के जीवन से खेल रही है।

आजम खान के सोशल मीडिया से 13 घंटे में 12 पोस्ट का दावा! 11 बार मुख्तार अंसारी का जिक्र

रामपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत को लेकर सियासत देखने को मिल रही हैं। एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी इस पर सबसे मुखर होकर बोल रही है तो वहीं दूसरी तरफ सपा नेता आजम खान के नाम से सोशल मीडिया के कुछ पोस्ट वायरल हो रहे हैं। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद से इस अकाउंट से 13 घंटे में 12 बार पोस्ट किए गए, जिनमें 11 पोस्ट में मुख्तार अंसारी का जिक्र है। आजम खान नाम के हैंडल से जो पोस्ट किए गई हैं उसमें जहां एक तरफ मुख्तार अंसारी को लेकर साहनुभूति जताई गई तो वहीं दूसरी तरफ इस घटनाक्रम को

अतीक अहमद की तरह दिखाने की कोशिश भी की गई है। यही नहीं एक दो पोस्ट में खुद जेल में बंद आजम खान की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है और नमाज में उनके लिए दुआ करने की अपील की।

आजम खान की सुरक्षा पर भी पोस्ट

इस अकाउंट से महज 13 घंटों के भीतर 12 पोस्ट की गई हैं। जिनमें से 11 पोस्ट में हैशटैग मुख्तार अंसारी किया गया है। एक पोस्ट में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी का नाम लिए बिना इस घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए थे। अखिलेश की इस पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए पूछा गया है कि क्या मजबूरी है कि मुख़्तार अंसारी पर एक ट्वीट नहीं किया? सपा नेता आजम खान इन दिनों यूपी की सीतापुर जेल में बंद हैं। उनके पास कोई फोन होने की भी संभावना नहीं है। ऐसे में ये पोस्ट उनकी ओर से किए गए या ये हैंडल आजम खान का है, इस बात की पुष्टि एबीपी न्यूज नहीं करता है। लेकिन, गुरुवार रात से जिस तरह इस अकाउंट से एक के बाद एक पोस्ट किए गए हैं, इस पर चर्चा तेज हो गई है। जेल अधीक्षक सुरेश सिंह ने भी आजम खान के पास फोन होने से इनकार किया है। हालांकि कुछ जानकारों की मानें तो यह एक फैन पेज है। गुरुवार (28 मार्च) को तबीयत बिगड़ने के बाद मुख्तार अंसारी को बांदा के मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। मुख़्तार की मौत को लेकर परिवार की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए हैं। परिवार ने जेल प्रशासन पर उन्हें धीमा जहर देने का आरोप लगाया है। वहीं कई विपक्षी नेताओं ने भी इस मौत पर शक जाहिर करते हुए यूपी सरकार पर सवाल उठाए हैं।

अंधाधुंध फायरिंग से दहला नालांदा, आपसी वर्चस्व को लेकर 50 राउंड से अधिक चली गोलियां, 1 घायल

नालांदा, 30 मार्च (एजेंसियां)। जिले के नूरसराय थाना इलाके के हेगनपुरा गांव आपसी वर्चस्व को लेकर शुक्रवार की रात दो पक्षों में अंधाधुंध फायरिंग की घटना हुई है। अचानक गोलियों की आवाज सुनने के बाद गांव में दहशत का माहौल हो गया। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल की मौके पर तैनाती हुई। पुलिस की आते ही बदमाश गांव छोड़कर भाग निकले। बताया जा रहा है कि लगभग 50 राउंड से अधिक फायरिंग हुई है। इस गोलीबारी के दौरान गांव के टुनटुन प्रसाद के पुत्री अंजली सिन्हा को गोली लगी है,

कांग्रेस को लगा एक और बड़ा झटका ! पूर्व गृह मंत्री की बहू ने थामा बीजेपी का दामन

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटील की बहू अर्चना पाटील चाकूरकर ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली। ऐसी भी चर्चा है कि अर्चना पाटिल चाकुरकर अमित देशमुख के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। अर्चना पाटील के बीजेपी में जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बेचैनी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि अशोक चव्हाण ने अर्चना पाटील की पार्टी में एंट्री के लिए मध्यस्थता की थी। अर्चना पाटील चाकूरकर के बीजेपी में

शामिल होने से पहले उनके पति बसवराज पाटील ने भी भाजपा का दामन थाम लिया था। महाराष्ट्र में लगातार कांग्रेस के नेता पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। इन लोगों से पहले भी कई कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया है।

शिवराज पाटिल से बात करके ही मैं बीजेपी में शामिल हुई हूं

बीजेपी में शामिल होने के दौरान अर्चना पाटील चाकूरकर ने कहा- मैंने अपने ससुर शिवराज पाटिल से बात कर और उनका आशीर्वाद लेकर बीजेपी में शामिल हुई हूं। मैंने अब तक सामाजिक क्षेत्र में काम किया है। पहली बार में राजनीतिक क्षेत्र में काम करुंगी। राजनीति में शिवराज पाटिल का लंबा अनुभव है। बीजेपी में शामिल होना यह मेरा निजी फैसला है। मैं शिवराज पाटिल की बेटी हूं। मैने उनसे बात की है। हमारे पिता ने हमेशा हमें पूरी छूट दी है। उन्होने हमेशा हमें अपने मन का कार्य करने का मौका दिया है। एक पिता का हमेशा बेटी को आशीर्वाद होता है। हम अपना फैसला लेते हैं। शिवराज पाटिल को विश्वास में लेकर हमने फैसला लिया है। मुझे कांग्रेस पार्टी से कोई दिक्कत नहीं थी क्योंकि मैंने कभी भी उनके साथ काम नहीं किया है। बीजेपी जो कार्य कर रही है उस वजह से मैं आज पार्टी में शामिल हुई हूं। शिवराज पाटिल ने कांग्रेस नहीं छोड़ी है। अर्चना पाटील ने बीजेपी ज्वाइन किया है इतना ही फर्क़ है। मुझे क्या जिम्मेदारी दी जाएगी मुझे पता नहीं है। मैं कार्यकर्ता हूं जो कार्य दिया जाएगा उसका मैं पालन करूंगी।

यूपी के तीन माफियाओं की फरार बीवियां बनी रहस्य ! खोजने में योगी सरकार की पुलिस भी फेल

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते एक साल के भीतर तीन माफियाओं की मौत ने जरायम की दुनिया को हिला कर रख दिया। अप्रैल 2023 में माफिय अतीक और उसके भाई गैंगस्टर अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी गई थी। वहीं मार्च 2024 में बांदा जेल में बंद माफिया और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ने के बाद मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। अतीक, अशरफ और मुख्तार पर गंभीर आरोप थे। मुख्तार को तो बीते ही दिनों एक मामले में सजा भी सुनाई गई थी। शायद ही कोई ऐसा महीना बीतता हो जब यह खबर न आए कि मुख्तार या उसके परिवार की कोई संपत्ति जब्त की गई है। ऐसा नहीं है कि इनमाफियाओं के परिवार में सिर्फ इन्हीं लोगों पर आरोप लगे, बल्कि इनकी पत्नियां, इनके बेटों और खानदान के अन्य लोगों पर भी कई मामले दर्ज हैं। चाहे अतीक का बहनोई हो या मुख्तार का बेटा।।। सब किसी न किसी मामले में आरोपी हैं। इन सबके बीच सबसे बड़ी बात यह है कि मुख्तार, अतीक और अशरफ, इन तीनों की पत्नियां- क्रमशः अफशां, शाइस्ता परवीन और जैनब फरार हैं।

कहां हैं शाइस्ता और जैनब?

साल 2023 में उमेश पाल हत्याकांड के बाद से शाइस्ता और जैनब फरार हैं। बीते दिनों प्रयागराज के कसारी मसारी में दोनों के मौजूदगी के दावे के बीच छापेमारी और तलाशी की कार्रवाई की गई थी लेकिन शाइस्ता और जैनब पुलिस को नहीं मिले। बात करें शाइस्ता और जैनब पर आरोपों की तो इन दोनों पर उमेश पाल हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। शाइस्ता और जैनब को कोर्ट ने फरार घोषित कर दिया है। इसके अलावा शाइस्ता पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है वहीं जैनब को भी इनामिया घोषित करने के लिए पुलिस की प्रक्रिया जारी है।

मुख्तार की पत्नी अफशां!

इसके अलावा मुख्तार की बीवी अफशां भी फरार है। बीते साल अफशां पर रखे गए इनाम की राशि बढ़ा दी गई थी। 2 साल से लापता अफशां का पता बताने वाले को 50 हजार रुपए इनाम में मिलेंगे। अफशां-शाइस्ता यूपी पुलिस की मोस्ट-वांटेड महिला अपराधियों की लिस्ट में टॉप-3 में हैं। अफशां अंसारी पर फर्जी तरीके से जमीन कब्जा करने, समेत कई मामले दर्ज है। शाइस्ता और जैनब की तलाश भी 1 साल में पूरी नहीं हो पाई है। कई बार खबरें आईं कि कि प्रयागराज की किसी अदालत में कथित तौर पर शाइस्ता जैसी किसी महिला को देखा गया।

अतीक और अशरफ की मौत के बाद शाइस्ता और जैनब की इद्दत पूरी होने के बाद भी कयास लगाए जा रहे थे कि दोनों या तो सरेंडर कर देंगी या पुलिस ने अपने गिरफ्त में लेगी लेकिन अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है। सालों से इन तीनों का न मिल पाना पुलिस पर भी सवाल खड़े कर रही है। यूपी सरकार जिस यूपी पुलिस की पीठ थपथपाते नहीं थकती लेकिन वही पुलिस अभी तक इन तीन फरार आरोपियों को खोजने में नाकाम है।

लोकसभा चुनाव से पहले प्रशासन की बड़ी कार्रवाई गुरुग्राम में यूपी की कार से 10 लाख कैश जब्त

गुरुग्राम, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले गुरुग्राम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान नोटों का जखीरा बरामद किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू है। चुनाव में धनबल के इस्तेमाल पर रोक लगाना प्रशासन की प्राथमिकता है। मतदाताओं को निर्भीक माहौल उपलब्ध कराने के लिए फ्लाइंग स्क्वाड का गठन किया गया है। कार से नोटों की खेप लाये जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर गांव ग्वाल पहाड़ी के नजदीक पुलिस और फ्लाइंग स्क्वाइड को मुस्तैद किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान यूपी की कार से नोटों की खेप बरामद हुई। नोटों की गिनती में 10 लाख रुपये निकले। कार चालक शैलेंद्र अग्निहोत्री से पूछताछ की गयी। शैलेंद्र अग्निहोत्री नोटों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने नोटों को जब्त कर आयकर विभाग के हवाले कर दिया है।

वायनाड से राहुल गांधी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरने वाले बीजेपी उम्मीदवार के सुरेंद्रन पर 242 केस दर्ज

कोच्चि, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ केरल की वायनाड सीट से इस बार भाजपा के राज्य प्रमुख के सुरेंद्रन चुनाव लड़ेंगे। वायनाड लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बने सुरेंद्रन पर 242 आपराधिक मामले दर्ज हैं। सुरेंद्रन ने हाल ही में खुद इस बात की जानकारी दी। के सुरेंद्रन भाजपा के 11वें प्रदेश अध्यक्ष हैं। कोझिकोड के रहने वाले सुरेंद्रन ने भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। सुरेंद्रन ने कमेस्ट्री से बीएससी कर रखी है। इसी तरह, भाजपा के एर्नाकुलम निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार के एस राधाकृष्णन के खिलाफ लगभग 211 मामले दर्ज हैं। भाजपा के राज्य महासचिव जॉर्ज कुरियन ने कहा कि ज्यादातर मामले 2018 में हुए सबरीमाला विरोध प्रदर्शन से संबंधित हैं। ज्यादातर मामले अदालत में हैं। जब पार्टी के नेता हड़ताल या विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तो पुलिस ने उस संबंध में कई मामले दर्ज किए।

राष्ट्रवादी होना कठिन है: बीएल संतोष

जॉर्ज कुरियन ने कहा कि उम्मीदवारों के खिलाफ मामलों का विवरण प्रकाशित करना अनिवार्य है। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने शुक्रवार को ट्वीट कर सुरेंद्रन, राधाकृष्णन, पार्टी की अलाप्पुझा उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन और वटकारा उम्मीदवार प्रफुल्ल कृष्ण के खिलाफ मामलों का विवरण दिया और कहा कि भारत के कुछ हिस्सों में राष्ट्रवादी होना कठिन है। संतोष ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत के कुछ हिस्सों में राष्ट्रवादी होना कठिन है। यह रोजमर्रा का संघर्ष है, लेकिन यह संघर्ष के लायक है। वहीं, भाजपा के राज्य प्रमुख के खिलाफ मामलों की संख्या का ब्यौरा देते हुए जॉर्ज कुरियन ने कहा कि 237 मामले सबरीमाला विरोध प्रदर्शन से संबंधित थे, जबकि पांच केरल में विभिन्न आंदोलनों के संबंध में दर्ज किए गए थे।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर था प्रदर्शन

बता दें कि पथानामथिट्टा जिले में पहाड़ी की चोटी पर स्थित सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के केरल सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा ने 2018 में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था।

लिव-इन में एक और मर्डर ! लड़की को शादी की जिद करना पड़ा भारी पार्टनर ने कर दी हत्या

पालघर, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 22 वर्षीय एक महिला की उसके 'लिव-इन पार्टनर' ने गला घोंटकर हत्या कर दी, क्योंकि वह उससे शादी करने की जिद कर रही थी। पुलिस ने कुछ दिन बाद आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए शुक्रवार को बताया कि 15 मार्च को पालघर जिले के दहानू शहर में किराए के एक कमरे में महिला का क्षत-विक्षत शव पाए जाने के बाद इस अपराध के बारे में जानकारी मिली। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 26 वर्षीय आरोपी मिनाजुद्दीन अब्दुल अजीज मुल्ला उर्फ रवींद्र रेड्डी को 22 मार्च को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया गया था,

'पत्नी को भूत-पिशाच कहना क्रूरता नहीं', किस मामले में पटना हाई कोर्ट ने दिया यह बड़ा फैसला

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने अपने हालिया फैसले में कहा कि पत्नी को भूत-पिशाच कहना क्रूरता नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी जोड़े के असफल वैवाहिक संबंधों के मामले में पत्नी को भूत और पिशाच कहना क्रूरता नहीं है। न्यायमूर्ति बिबेक चौधरी की एकल पीठ ने सहदेव गुप्ता और उनके बेटे नरेश कुमार गुप्ता के आपराधिक पुनरीक्षण मामले की अनुमति देते हुए नालंदा की एक मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें याचिकाकर्ताओं को वैवाहिक क्रूरता करने का दोषी ठहराया गया था। आईपीसी की धारा 498-ए और दहेज की मांग करना जो कानून में निषिद्ध है। उच्च न्यायालय ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नालंदा के फैसले को भी रद्द कर दिया। जिसने अपीलीय अदालत के रूप में मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। नरेश की शादी ज्योति से 1 मार्च 1993 को हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। अगले साल ज्योति के पिता कन्हैया लाल ने एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें नरेश और उसके पिता पर दहेज के रूप में कार की चाहत में उनकी बेटी को शारीरिक और मानसिक यातना देने का आरोप लगाया गया। उच्च न्यायालय ने पाया कि यह साबित करने के लिए न तो कोई सबूत है और न ही कोई चिकित्सा दस्तावेज है कि याचिकाकर्ता ने अपनी पत्नी को प्रताड़ित किया। जस्टिस चौधरी ने 22 मार्च को दिए अपने फैसले में शिकायतकर्ता के वकील की उस दलील को भी खारिज कर दिया कि 21वीं सदी के समाज में किसी पुरुष द्वारा पत्नी को भूत-पिशाच कहकर संबोधित करना मानसिक यातना के समान है। उच्च न्यायालय ने कहा कि असफल वैवाहिक संबंधों की स्थिति में जो इस मामले के रिकॉर्ड से स्पष्ट है, ऐसी घटनाएं होती हैं जहां पति और पत्नी दोनों गंदी भाषा का उपयोग करके एक-दूसरे के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। हालांकि, ऐसे सभी आरोप क्रूरता के दायरे में नहीं आते हैं।

सरना में दो गुटों में झड़प के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग, दो लोगों को लगी तीन गोली, तीसरे को आई चोट

पठानकोट, 30 मार्च (एजेंसियां)। पठानकोट के सरना इलाके में दो गुटों के बीच झड़प के बाद तीन लोगों पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। हमले के दौरान छह गोलियां चलाई गई। दो लोगों को तीन गोलियां लगी हैं। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल प्रशासन ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को रेफर कर दिया है। वहीं तीसरे शख्स को हल्की चोटें आई हैं।

'उबाठा ग्रुप बिलबिला गया है', संजय निरुपम ने उद्धव की शिवसेना को दी खुली चुनौती !

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद संजय निरूपम ने शनिवार को एक बार फिर शिवसेना यूबीटी और उसके प्रवक्ता संजय राउत पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि कांग्रेस नेतृत्व शिवसेना यूबीटी की 'गीदड़ भभकी' में नहीं आएगा। बता दें कि इससे पहले संजय निरुपम ने बुधवार को अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सवालों के कठघरे में खड़ा किया था। उन्होंने कांग्रेस पर महाविकास अघाड़ी सरकार के समक्ष नतमस्तक होने का आरोप लगाया था। बता दें कि शिवसेना ने मुंबई नॉर्थ वेस्ट सीट से अमोल कीर्तिकर को मैदान में उतार दिया है जबकि इस सीट से खुद संजय निरुपम चुनाव लड़ना चाहते थे।

'फ्रेंडली फाइट के नाम पर उबाठा ग्रुप बिलबिलाया'

शनिवार को कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "जब कांग्रेस नेतृत्व ने कुछ सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' का प्रस्ताव दिया तो उबाठा ग्रुप बिलबिला गया है। उबाठा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता (संजय राउत) ने कांग्रेस को धमकी दी है और कहा है कि सभी सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' करिए। इस बिलबिलाहट का कारण क्या है? क्योंकि उबाठा ग्रुप बिना कांग्रेस के सपोर्ट के एक भी सीट नहीं जीत पाएगा। यह मेरी खुली चुनौती है। वैसे भी मुंबई के मराठीभाषी समाज में उबाठा ग्रुप के खिलाफ जबरदस्त नाराजगी है। उम्मीद करता हूं इस माहौल में कांग्रेस नेतृत्व प्रवक्ता की गीदड़ भभकी में नहीं आएगा। वरना महाराष्ट्र से कांग्रेस को हद्दपार करने का पुख्ता इंतजाम कर दिया गया है।

'मैं खिचड़ी चोर को बिल्कुल सपोर्ट नहीं करूंगा'

बता दें कि इससे पहले बुधवार को शिवसेना यूबीटी की लिस्ट में मुंबई नॉर्थ वेस्ट से अमोल कीर्तिकर का नाम देखकर निरुपम आगबबूला हो गए थे। उन्होंने सूची जारी होने के तुरंत बाद कहा था , मैं ऐसे खिचड़ी चोर को बिल्कुल भी सपोर्ट नहीं करूंगा। यूबीटी द्वारा उसे कांग्रेस पर एकतरफा थोपने का प्रयास किया गया। हमें उम्मीद है कि (कांग्रेस), जो भ्रष्टाचार के प्रति 'उच्च नैतिक आधार' अपनाती है, दागी उम्मीदवार (अमोल कीर्तिकर) के खिलाफ ठाकरे के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराएगी।

नवदीप सिंह जलबेरा को किसानों की सभा से पहले हरियाणा पुलिस ने किया गिरफ्तार

अंबाला, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने फरवरी में किसानों के 'दिल्ली चलो' आंदोलन के दौरान दर्ज एक प्राथमिकी के सिलसिले में किसान कार्यकर्ता नवदीप सिंह जलबेरा को गिरफ्तार कर लिया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मुक्ति मोर्चा ने 31 मार्च को बठिंडा के 21 वर्षीय किसान शुभकरण सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए सभा आयोजित की है, जिससे पहले यह गिरफ्तारी की गई है। अंबाला पुलिस ने गुरुवार को जलबेरा को मोहाली से गिरफ्तार किया था। बाद में हरियाणा पुलिस की अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) ने जलबेरा को दो दिन की हिरासत के लिए अदालत में पेश किया। पुलिस ने कहा कि जलबेरा को 13 फरवरी को हत्या के प्रयास और पुलिसकर्मियों पर हमले समेत अन्य अपराधों के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अदालत को बताया कि आंदोलन में इस्तेमाल की गई उनकी कार और हथियारों का पता लगाने के लिए जलबेरा की रिमांड की जरूरत है। नवदीप सिंह अंबाला के पास जलबेरा नामक गांव का निवासी है। नवंबर 2020 में निरस्त किए गए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान पुलिस के पानी की बौछार करने वाले वाहन 'वॉटर कैनन' पर चढ़ने के बाद नवदीप 'वॉटर कैनन मैन' के तौर पर चर्चा में रहे हैं। जलबेरा के वकील रोहित जैन ने कहा है कि पुलिस ने मामले में उनके मुवक्किल सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एफआईआर में कई शीर्ष किसान नेताओं समेत 20 लोगों के नाम हैं। जैन ने कहा कि किसानों ने पुलिस द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। पंजाब और हरियाणा के बीच दो सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए किसानों ने हाल ही में कहा था कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

राकेश यादव को कोर्ट ने सुनाई 5 साल की सजा, अवैध राइफल कारतूस हुए थे बरामद

गोरखपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के टॉप 61 और गोरखपुर के टॉप-10 माफिया राकेश यादव को अवैध राइफल और कारतूस रखने के आरोप में सीजेएम कोर्ट ने 5 साल का कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। बाहुबली विधायक ओमप्रकाश पासवान हत्याकांड में नाम आने के बाद से राकेश यादव चर्चा में आया था। राकेश यादव प्रदेश स्तरीय गोरखपुर का पहला माफिया है, जिसे किसी मामले में सजा मिली है। माफिया राकेश के ऊपर अन्य मुकदमों में भी ट्रायल चल रहा है। वह वर्तमान में मऊ जेल में बंद है। गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र के झुंगिया बाजार के रहने वाले माफिया राकेश यादव के विरुद्ध मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट के न्यायालय में अभियोग का ट्रायल चल रहा था। प्रदेश स्तरीय माफियाओं के मामले में पुलिस और अभियोजन ने मजबूत पैरवी

की और सभी गवाह और साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट आदर्श श्रीवास्तव की कोर्ट ने अभियुक्त राकेश यादव को आयुध अधिनियम के अंतर्गत दोषी पाते हुए अवैध राइफल व कारतूस रखने के जुर्म में 5 साल के कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। गोरखपुर के गुलरिहा थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय 16 दिसंबर 2019 को झुंगिया तिराहा से फर्टिलाइजर जाने वाली रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। शाम 6:15 बजे शहर की तरफ से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी आते हुए दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक ने गाड़ी मोड़ कर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। गाड़ी में पांच लोग बैठे मिले। इनमें झुंगिया बाजार का रहने वाला राकेश यादव भी पकड़ा गया। राकेश के कब्जे से पुलिस को अवैध राइफल और पांच कारतूस मिले।

माफिया पर दर्ज है 45 मुकदमे

माफिया राकेश यादव पर कुल 45 मुकदमे दर्ज है, लेकिन अब वो ऐसा माफिया बन गया है, जो यूपी के टॉप माफिया की लिस्ट में शामिल होने के साथ सजा पाने वाला गोरखपुर का पहला अपराधी है। माफिया राकेश यादव विधायक ओमप्रकाश पासवान हत्याकांड में बरी हो गया था। पुलिस ने राकेश यादव समेत पांच आरोपियों को अवैध राइफल और कारतूस के साथ गिरफ्तार करने वाला में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। राकेश यादव के विरुद्ध साक्ष्य पाते हुए आरोप पत्र न्यायालय में विवेचक उप निरीक्षक अमीनुद्दीन अंसारी ने प्रेषित किया था। माफिया राकेश यादव पर 45 मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हुए हैं, लेकिन अधिकतर मामलों में वह बरी हो चुका है। हालांकि कई मुकदमों में अभी ट्रायल चल रहा है। गोरखपुर के चिलुआताल थाने में वर्ष 2019 में दर्ज हत्या के प्रयास और साजिश रचने के एक मुकदमे में राकेश की जमानत तिवारीपुर के घुनघुन कोठा के रहने वाले रामलाल यादव ने ली थी, जिसके बाद राकेश ने जमानत तुड़वाकर 3 जून 2023 को कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। तभी से वह जेल में है।

अवैध शराब का हो रहा था परिवहन, चेक पोस्ट पर स्कूटी सवार युवक पकड़ाया, 15 हजार की शराब बरामद

शहडोल, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को देखते हुए जिले की सीमा पर चेक पोस्ट बनाए गए हैं। इन्द्रानगर चेस्ट पोस्ट पर पुलिस ने स्कूटी में अवैध शराब का परिवहन करते एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से तीन पेटी शराब जब्त की गई है। अंतर-जिला चेक पोस्ट पर एसएसटी की टीम ने शराब का अवैध परिवहन करते एक युवक को पकड़ा है। युवक के कब्जे से करीब 15 हजार रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त की गई है। वेद प्रकाश जायसवाल अनूपपुर से शहडोल स्कूटी से तीन पेटी देसी शराब लेकर आ रहा था। इसी दौरान अंतर-जिला चेकपोस्ट इन्द्रानगर पर तैनात एसएसटी की टीम ने पकड़ लिया। युवक से शराब परिवहन करने संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा, लेकिन युवक कागजात उपलब्ध नहीं करा सका।

क्या भाजपा से नाराज हैं अठावले? फडणवीस से मुलाकात कर रखी ये 'शर्तें'

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और आगामी लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे की बातचीत में उनकी पार्टी को नजरअंदाज किए जाने की शिकायत की। आठवले ने को बताया कि उनकी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) को राज्य में एक भी लोकसभा सीट आवंटित नहीं की गई है। रामदास अठावले ने कहा मैंने उपमुख्यमंत्री को बता दिया है कि मैं शिरडी से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहता हूं। आठवले ने कहा, 'लेकिन फडणवीस ने उन्हें बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे चाहते हैं कि शिरडी सीट उन्हें मिले, क्योंकि मौजूदा सांसद सदाशिव लोखंडे उनकी पार्टी शिवसेना से हैं।' आठवले ने साल 2009 में इस सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। आठवले ने कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी सरकार में कैबिनेट में जगह मांगी थी और जब 2026 में उनका राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा तो फिर से उन्हें राज्यसभा के लिए नामांकित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में आरपीआई (ए) को सात से आठ सीटें, राज्य सरकार में एक मंत्री पद, विधानपरिषद में प्रतिनिधित्व और साथ ही राज्य स्वामित्व वाले दो निगमों में पद दिए जाने चाहिए। केंद्रीय मंत्री आठवले ने दावा किया कि फडणवीस ने कहा है कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व के साथ हमारी इन मांगों पर चर्चा करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी यह मांगें पूरी हो सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा नेता प्रवीण दारेकर को गठबंधन में आरपीआई (ए) से संबंधित मुद्दों के बारे में बातचीत करने के लिए नियुक्त किया गया है।

बहनों और भाइयों आपका दोस्त : अमीन सयानी

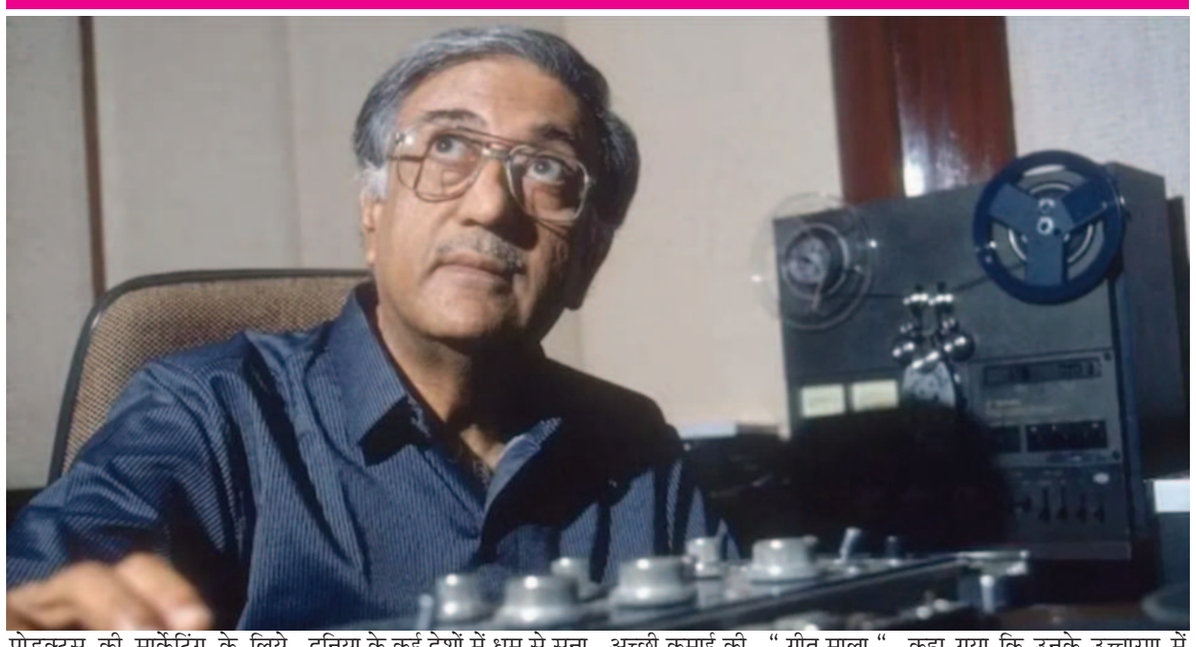

अतुल कुमार

रेडियो का अपना दौर और समय रहा जो जन संचार का सबसे प्रभावी माध्यम था . श्रोता उसके कार्यक्रमों को बडे चाव से सुनते . टी वी के प्रसार के पूर्व रेडियो की लोकप्रियता चरम पर रही इनमें समाचार वाचन में देवकी नंदन पांडे ,खेलों में जसदेव सिंह और मनोरंजन में अमीन सयानी की शोहरत घर घर में व्याप्त थी . मनोरंजन से जुडे अमीन सयानी की ख्याति अधिक थी क्यों कि उद्घोषक के रूप में उन्होंने नये व्याकरण को प्रस्तुत किया जो हिंदी और ऊर्दू मिश्रित होता इसे सुन लिसनर्स मोहित होते .रेडियो ब्राडकास्टिंग के सबसे बडे स्टार थे . बीती 20 फरवरी को जीवन की अंतिम सांस ली और दुनिया को अलविदा कहा . जो आवाज़ कानों में रच बस गयी उसका बिछुडना खालीपन को खडा कर गया . कोई सात आठ जेनेरेशंस के सबसे प्रिय उद्घोषक थे जिनका स्वर जब भी गूंजता तो लोगों में खुशी की लहर दौड पडती और उसे ध्यान से सुनते .क्यों कि अपनी मोहक आवाज़ से सबको दोस्त बना लेते जिसमें कोई बनावटी भाव नहीं होता .ज़मीन और मिट्टी की खुशबू आती लगता कोई अपना पुकार रहा हो . वास्तव में वह दिल की आवाज़ थी . क्या खूब लिखा किसी शायर ने " पलट के देख लेना जब दिल की आवाज़ सुनाई दे / तेरे दिल के अहसास में शायद मेरा चेहरा दिखाई दे // अमीन सयानी की याद में वही बसा है .

रेडियो से श्रोताओं को जोडने में अहम भूमिका निभायी .किसी भी विषय पर उनकी स्टाइल आफ प्रेसेंटेशन इतनी असरदार होती कि लिसनर्स स्वतः सुनने खिंचे आते ,और उनके प्रोग्रामस का इंतज़ार करते उनके पास समाज ,अदाकारी ,कला और संगीत के अद्भुत किस्सों का खज़ाना था .किस प्रसंग को किस तरह और कहां प्रेसेंट करना है इसमें उनका कोई सानी नहीं था . सबजेक्ट ,भाषा , उच्चारण और नये अलफाज़ों का इस्तेमाल कर प्रोग्रामस को इतना जीवंत बनाते कि उन कार्यक्रमों को सुनने श्रोता बेताब होते .

छः दशक के लंबे कैरीयर में बेपनाह शोहरत हासिल कर रेडियो को उंचाई का नया मुकाम दिया . खनकती आवाज़ लंबे समय तक रेडियो का परिचय बनी . आवाज़ के कारण कई फिल्मों में छोटे मोटे रोल किये. 54 हज़ार रेडियो प्रोग्रामस और 19 हज़ार से अधिक वायस ओवर किये . रेडियो के दौर में बडे बडे प्रोडक्ट्स के विज्ञापन दाता उनकी आवाज़ में अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग के लिये लाइन लगाते ,क्यों कि खरीददार उनका स्वर सुन उस उत्पाद को खरीदते जिससे विज्ञापन जगत में उनकी क्रेडिबिलिटी रेसल्ट ओरीयेंटेड मार्केटीयर की बनी नयी फिल्मों की मार्केटिंग के सिरमौर थे . उनका स्वर पा कई फिल्मों को चलने का टेका मिला .

रेडियो सिलोन और फिर विविध भारती पर प्रसारित उनका कार्यक्रम " बिनाका गीतमाला " 40 बरसों से अधिक समय तक देश ही नहीं दुनिया के कई देशों में धूम से सुना गया . उनकी आवाज़ की कशिश ही थी कि प्रति बुधवार को प्रसारित होने वाले इस प्रोग्राम को सुनने के लिये श्रोता बेचैन रहते और सडकों पर सन्नाटा पसर जाता घरों ,गलियों और मोहल्लों में लोग रेडियो से कान लगाये बैठे रहते . आवाज़ के इस शहंशाह ने अपने नाम और काम की धूम मचायी .आधी प्याली चाय या कटिंग चाय के उस युग में कई होटलों ने उनके रेडियो कार्यक्रमों को प्रसारित कर अच्छी कमाई की . " गीत माला " श्रोताओं का बेहद पसंदीदा प्रोग्राम था ,जिसे सिर्फ और सिर्फ अमीन सयानी ही पेश कर सकते थे . दोनों एक दूसरे के पर्याय थे .

उस दौर के लोगों के पास डायरी होती कि किस हफ्ते कौन से गाने किस नंबर पर आये .खुशनुमा जुनून था जो बहुत दुर्लभ होता है .कम लोग जानते हैं कि मूल रूप से अंग्रेज़ी के अनाउंसर थे जब वे आकाशवाणी के हिंदी प्रभाग के लिये आडिशन देने गये तो उनसे कहा गया कि उनके उच्चारण में अंग्रेज़ी और गुजराती का आभास आता है लेकिन उन लोगों में नहीं थे ,जो निराश हो जाते और एक वक्त ऐसा भी आया जब वह देश के हर – दिल – अज़ीज़ रेडियो प्रस्तोता बने जिनसे मिलने के लिये बडे से बडे सितारे उत्सुक रहते . 13 साल की उम्र में अंग्रेज़ी के धारा प्रवाह अनाउंसर बने और बच्चों के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे . कम उम्र में अपनी मां की पाक्षिक पत्रिका " रहबर " में छोटे छोटे लेख लिखे जो हिंदी , गुजराती , और उर्दू में छपे .

बहनों और भाइयों हाज़िर है आपका दोस्त अमीन सयानी तो आइये सुनते हैं गाना फिल्म " जाने मन " से जिसमें लता मंगेशकर कह रही हैं " आयेगी आयेगी आयेगी किसी को हमारी याद आयेगी .. " गाने के शब्दों को किस खूबसूरती से पिरोना उनकी विशेषता थी . सामान्य ज्ञान के महत्व को समझ " कैडबरी बोर्नवीटा " क्विज़ को ऐसे प्रस्तुत किया कि वह विद्यार्थियों का पसंदीदा प्रोग्राम बना . सदाबहार अभिनेता राज कपूर को जब भी कोई फंक्शन करना होता तो उसके संचालन का ज़िम्मा उन्हीं को सौंपते . शुरु में फिल्मफेयर अवार्ड फंक्शंस की कई बार एंकरिंग की और प्रसिद्धी पायी .

कई ऐसे प्रोग्राम संचालक हैं जिन्होंने अमीन सयानी के प्रस्तुतिकरण से ऐंकरिंग सीखी . कम लोग जानते हैं कि शुरु में अमिताभ बच्चन भी संचालक बनना चाहते जिसके लिये तीन बार सयानी के पास गये लेकिन मिलने का अवसर नहीं मिला क्यों कि उन दिनों सप्ताह में वह 20 प्रोग्रामस किया करते . फिल्म " आनंद " के प्रीमीयर पर अमिताभ के अभिनय से इंप्रेस हो उनको बधाई दी और कहा " मुझे उनकी बेमिसाल आवाज़ का एहसास हुआ" . उस दौर के तमाम गायकों ,गीतकारों ,संगीतकारों के रेडियो पर इंटरव्यू ले उनको श्रोताओं में उचित स्थान व सम्मान दिलवाते. वास्तव में भारतीय गीत संगीत के राजदूत थे .कई शब्दों को कार्यक्रम के माध्यम से चलाया जैसे " पायदान " " सरताज गीत " " उडान " और " छलांग " आदि . आमतौर पर जन संबोधनों में " भाइयों और बहनों " कहने का चलन है , इसे बदल " बहनों और भाइयों " को लोकप्रिय बनाया " लेडीस फर्स्ट " की भावना को स्थापित किया . वह चिट्ठियों का दौर था गीतमाला में श्रोताओं की चिट्ठियां बोरों में भर भर कर आतीं . इनमें से कुछ को छांट दिलचस्प अंदाज़ में पढ उनसे लोक शिक्षण का रोल अदा किया .

21 दिसंबर 1932 को उस समय के बंबई में जन्मे . उनकी गीतमाला को करोडों लोग रेडियो से कान लगाये ध्यान से सुनते .गीतमाला की प्रचंड लोकप्रियता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रति सप्ताह 21 करोड श्रोता उनको तल्लीन भाव से सुनते .

बीस हज़ार से अधिक जिंगल्स बनाये . लोक प्रतिष्ठित पद्मश्री की उपाधि से सम्मानित हुए . इस भव्य सफलता के पीछे उनकी कार्यक्रम अदायगी की शालीनता ,विनम्रता ,और सहजता थी . महान शख्सियत होते हुए भी सदा निराभिमानी रहे . सबसे मेल जोल रखा यही कारण है कि कमर्शियल ब्राड्कास्टिंग के शिखर व्यक्तित्व कहलाए जिन्होंने अपनी आवाज़ से दिलों पर राज किया .

काव्य कुंज

तुझे सुनाई दे रहा है क्या ?

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

तुझे याद हो न हो , मुझे याद है
वो अलफ़ शरद सुबह
जब तूने किया था क़त्ल
जिस्म का नहीं, पवित्र रिश्तों का
मेरे ही आँगन में मेरी आत्मा का
उस आधी कायनात का
जो आदिम काल से होती रही है शिकार
तेरे वहम और शक का
ज़हर में डूबा तेरा एक-एक लफ़्ज़
लफ़्ज़ लफ़्ज़ में भरा
ज़हर से भी ज़हरीला तेरा वहम
बेरहमी से रौंद रहा था पवित्र रिश्तों को
ख़ून से लथपथ रिश्तों की
बेबस मूक सदा
तूने सुनी हो या न सुनी हो
तेरे कानों से टकराती जरूर होगी
मेरे दिले आँगन में
बिखरा ख़ून का हर कतरा
तेरी नंगी सोच और वहम की गवाही दे रहा था
मेरा चुप रहना मेरी कमजोरी नहीं थी
मेरी मजबूरी पवित्र रिश्तों को सरेआम
रुसवा होने से बचाने की थी
वर्ना, मौत को सामने देख
कोई हथियार डाल देता है क्या
तेरा हर शब्द छलनी कर रहा था
रिश्तों के विश्वास को, विश्वास की आबरू को
मेरी हर लाचार सिसकी गवाह थी तेरी हैवानियत की
तुझे याद हो न हो , मुझे याद है
तूने बिना सोचे समझे सीधे प्रहार किया था

धूप है बहुत चलने का वादा तो करो

धूप है बहुत चलने का वादा तो करो।
भीड़ है निकल आने का इरादा तो करो।।
सो जाऊगा गहरी नींद पल दो पल।
सपनो में आने का,दावा तो करो।।
जमाना ऐसा ही है,ऐसा ही रहेगा।
थोड़ा मुस्कुराने में इजाफा तो करो।।
मजबूर नहीं करते,साथ चलने को।
पायल छनकाने का वादा तो करो।।
बेरंग,बेनूर जिंदगी क्यों जिए हम।
प्यार के रंगों का इजाफा तो करो।
'संजीव' हवाओं पर लिखते है,नाम।
न भूल पानें का झूठा इरादा तो करो।।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

उत्सव

जब- जब भी मन हो उल्लसित,
और जब भी हो आत्मा पुलकित,
जब प्रेमासक्त प्रकृति आँचल,
ऊर्जा को करे और द्विगुणित,
मन - मयूर होकर प्रफुल्लित, न
पुर की ध्वनि से अभिप्रेरित, हर क्षण,
हर पलछिन और प्रतिदिन,
एक 'उत्सव' होता आच्छादित,
तन- मन को करता वो मुखरित,
हो प्रभुमय भक्ति स्नेहसिक्त !
जीवन की आपाधापी से,
उलझन और उदासी से,
आघातों और प्रतिघातों से,
जब हृदय छलनी होता है,
संसार के झंझावातों से,
तब 'उत्सव' की संक्रांति करती
हृदय तार को फिर झंकृत,
कर जीवन को ऊष्मापूरित,
आत्मा को कर आल्हादित,
एक मधुर भाव पुनः पुष्पित,
'उत्सव' की महिमा है अपरिमित,
जीवन को करती अभिमंत्रित!!

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

राधिका रानी

पावों में नूपुर छनक रही है,
कमरबन्द की शोभा अद्भुत,
खनक रही है हाथ में चुरा,
बाजूबन्द की शोभा अद्भुत,
मांग की टीका दम-दम दमके,
उनके बिंदिया की शोभा अद्भुत,
ऐसे सजी है मेरी राधिका रानी,
जैसे बलबेली फ़ागुन की शोभा अद्भुत,
बाल में महके चमेली गजरा,
उनके चरण-रज धूल भी अद्भुत,
मुस्कान उनकी कोमल कली है,
अंखियन में काजल की घटा भी अद्भुत,
रंग-रँगा है उनकी धानी चुनरियां,
वो कृष्ण रंग रँगाई अद्भुत,
उनके हाथ कनक पिचकारी,
नयन ढूंढे है कृष्ण को अद्भुत,
रास बिहारी कहाँ छुपे है,
दर दर ढूंढे गोपियां भी अद्भुत।

लवली आनंद,
बिहार

शंखनाद

दर्शन सिंह
हैदराबाद

लोकतंत्र पर्व का बज उठा है शंखनाद
संविधान को देनी पड़ेगी कोटिशः दाद
घड़ियाली आंसू
बहाते आयेंगे मगरमच्छ
छोड़ो वाद विवाद, जागो,सुनो अंतर्नाद
एक पवित्र शस्त्र दिया गया है तुम्हे
उचित,योग्य उम्मीदवार को चुनना है तुम्हे
समय है, अच्छा चिंतन मनन कर लो तुम
बिना सोचे समझे जंग में कूद पड़े,
हाथ मलना पड़ेगा तुम्हे
लिपटेंगे तुझसे,बड़े बड़े वादे किए जाएंगे
उल जलूल प्रलोभन भी दिए जाएंगे
अतीत का कड़वा अनुभव तो रहा होगा
नींद में गुम रहे,तो आगे कुआं पीछे खाई
झींके से लटकते रह जाएंगे
पांच वर्षो में एक बार आता है यह त्योहार
अच्छे नुमाइंदे आयेंगे तो उत्कृष्ट होगा भिनसार
सर्वे भवन्तु सुखिनः मंत्र अंततः होगा साकार
नेकी और पूछ पूछ,
आइए बनाए अपने वतन को
स्वर्ग से सुंदर बरखुरदार।।

संदेश

हेमंत सुराना

पर्वत कहता, ऊंचे बन जाओ
सागर कहता, गहराई लाओ
धरती कहती, धैर्य ना छोड़ो
चाँद कहता, शीतलता लाओ
समय कहता, चलते रहना
वीणा कहती, मधुरता लाओ
पर्वतमाला संबंध दर्शाते
मिल के पत्थर दिशा दिखाते
सूखे पत्ते जीवन समझाते
दिल में उमंग, बसंत ऋतु के संग
बजते पाजेब रौनक दर्शाते
घना अंधेरा मायूसी कह जाता
बदलते पृष्ठ भी संदेश दे जाते
कितनी करुणा, कितने संदेश
वक्त रहते मिजाज समझो ,
प्रकृति कहे या जिंदगी,
पैगाम, संदेश दिशा दर्शाते,
पैगाम, संदेश दिशा दर्शाते ।

सरकार

टी तारासिंह
हैदराबाद

तुम पहले आये कुछ नहीं कर सके
तुम्हारे आने के बाद भारत बदल गया
सरकार ने नये नये योजनायें बनाई
जहाँ रास्ते थे वहाँ चौराहे हो गये
जहाँ पेड थे वहाँ बगीचे ,पार्क बन गये
खाली जगहों पर आलिशान मंजिलें ,होटले बने
दुकानें बदलकर सुपर बाजार, माले बने
नदियों ,नालो पर पूले बृिजे बनाये
दवाखानो ने अपना नया रूप हास्पिटल में बदला
कारखाने बनाकर बेरोजगारी कम किये
चोरी डकैती को रोकने के लिए कड़े कानून बनाये
चोर पोलिस की लड़ाई के लिए अदालते बने
जहाँ न्यायालय सबको सही सही मिल सके
संविधान पर ,न्यायालय पर है सबको पूरा विश्वास
भारत देश बदल रहा है बदल गया है ।।

अनुभव

डॉ टी महादेव राव

बचपन में
प्रश्न मेरा पीछा करता कि रातें क्यों?
पता लगते ही कि रातें धीमे धीमे
मृत्यु की आदत डालने के लिए है
रात से मैं प्रेम करने लगा
दिन भर किसी तरह
वियोग के दर्द को सहकर
रात होते ही मृत्यु को गले लगाता
आतुर शरीर बनकर हर रात कुछ घंटे ही सही
मृत्यु के साथ रमके अपने घोंसले में लौट आता हूँ
न स्वाप्निक दशा न जागृतावस्था
एक निश्चिंत प्रातः में सामने टकराता सपना
किन्हीं प्राचीन मृत्यु रहस्यों को खुलकर बताता है
एक बार जीने के रहस्य को पाने के बाद
मृत्यु नहीं लगती उतनी निर्दयी रूठकर घर से जा चुके
बच्चे को ढूंढकर लाना उसे सीने में छिपाते हुये
बिलखकर रोने जैसा अनुभव ही तो मृत्यु है ।।

झोंका

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

जिंदगी यूं ही चल रही है
कभी गलत कभी सही है,
भाग दौड़ की जिंदगी में
सुबह से शाम की बंदगी में,
जीवन यूं ही कट रहा है
पल पल जीवन घट रहा है,
कभी चांद की, कभी काली रातें
यूं ही हर वर्ष बीती रातें,
अचानक मन में एक झोंका लहराया
नया कुछ करने को मन कर आया,
जैसे कैक्टस में भी फूल खिलते हैं
चलो दुश्मन से आज मिलते हैं,
जो रंग अब तक पसंद नहीं था
जो संग अब तक सही नहीं था,
रंग वो पसंदीदा बनाएं संग वो संजीदा बनाएं,
मन का झोंका रंग लाया दुश्मन ने भी गले लगाया
बरसने लगे प्रेम के झोंके मित्र सभी देख के चौंके,
कुछ पल का वो झोंका आया
फिर वही दिन रात का साया।

वाह री मुश्किल...

वाह री मुश्किल....
तू फिर आ गयी मेरी दहलीज पर..?
अभी अभी तो तुझसे निजात पायी थी।
सुख चैन सब लुटा था तुमने,
आँखों से नींदे भी चुराई थी...।
तेरा वार ऐसा था कि...
बड़ी दिक्कतों से अब सम्भले है।
भूखे पेट सोना सीखा गयी हो...
कंगाली में आटा गिला सीखा गयी हो।
और कितना सताओगी....?
वाह री मुश्किल...
तू फिर आ गयी मेरी दहलिज पर
अभी अभी तो तुझसे छुटकारा पाया था।
आंसूओं से रिश्ता बनाये रखती हो..
हमेशा दर्द से लदी रहती हो...
बक्श दे कुछ पल...जी लेने दे।
पुराने जख्मों से उभर जाने दे...।
अभी सूखे नहीं है मरहम इनके..
तुम फिर से कुरेदने आ गयी हो...।
तू फिर आ गयी मेरी दहलिज पर ?
तूने ऐसा सिकंजा कसा है.. कि,
आसानी का गला घोंट दी हो।
आशाएँ दम तोड़ रही है...,
ख्वाहिशें बिलख रही है...।
बस अब...बहुत हुआ।
थम जा जरा.. कर अहसान।
खुल के साँस तो लेने दे।
आसान रास्तों पर थोड़ा चलने दे।

डॉ डी डी देसाई

नवरात्रि

रेणुका अग्रवाल

आया चैत का महीना
मां गौरी आई है ना।
फिर नवदुर्गा आएगी।
हर घर में पूजी जायेगी।
चैत महीना माता का है ना।
हलवा पूरी खूब बनेगी।
कंजक कन्या जीम जीम,
चुनरी आलता से सजेगी।
माता का पूजन कर लो।
मन चाहा वर ले लो। सुहाग मांगो भाग मांगो।
माता से धन धान्य मांगो।
मैय्या का पूजन। करे नव सृजन।
ये वनस्पतियां।बजाए वन स्पंदन।
माता के बावन पीठ।करो दर्शन बन ढीठ।
भीड़ इतनी है भारी,हिम्मत से आयेगी बारी।
मां तो माँ होती है।बच्चों को सुख देती है।
गणेश कार्तिक की मैय्या,जगदम्बा होती है।
जो भ्रूण कन्या की हत्या करते।
उन्हें माता पूजने का हक़ नहीं।
सभी जानते कन्या बिना,
न वंश आगे बढ़े न जग कहीं।
सास को सताने वाली बहु।
किस मां की पूजा करती है।
जीते जी रोटी को तरसाई।
आज सुहागिनों का पेट भरती है।
मां की शक्ति पहचानो तुम।
भक्ति माँ की जानों तुम।
मत समझो मां कमजोर है।
शाप दे देगी सच मानो तुम।
हरेक नारी में जगदम्बा है।
तुम जिंदा हो साथ मे अम्बा है।
मत सताओ माँ को अपनी।
भरनी पड़ेगी ख़ुद की करनी।

खामियों पर खत्म होती खूबियां

अन्नू प्रिया,
कटिहार, बिहार

कुछ दर्द दे दरक जाते हैं दिल से
कुछ शिकायतें मंसूब होते हैं मन से
रिश्तों में आये थे कि आसान होगा अब सफर
यहां तो दूर तक सूकून का कोना न दिखा।
छोड़ चुके हैं उम्मीदें अब मोहब्बत की
यहां मेरे दर्द ए बयां को कोई शब्द न मिला।
लो सिल चुके हैं दिल के सन्नाटों को
अब शोर है न शब्द बचें है मेरी बातों में
तुम मुस्कुराते बहुत हों मेरी खामोशियों पर
देखो अब आंसू भी नहीं निकलते है
तुम्हारे चले जाने की बातों पर
कितना आसान कर चुके हों तुम खुद लिए
हाशिए पर सवाल खड़े कर तुम
निकल लिए हो अब नये सफर पर,
बेसिफर बोझिल होगा अब सफर पर
तुम्हारा मेरे लिए वापस आ जाना।
अब मुकर्रर अपना मुकाम करों
चाहे मोहब्बत की बात हो या
जीवन के मुक्कमल सफर लिए
किसी को इतना भी मजबूर और आम न करों
कि खूबियों से शुरू हुए इस सफर को
खामियां गिना, अब खामोशियों से खत्म करों।।

मां का दर्द

पूजा महेश
हैदराबाद

अबकी होली फीकी सी रही थी
बेटे के आने की आस जो नहीं थी
रंग न गुलाल न अबीर घर में आया
न गुझियों का किसी ने शोर ही मचाया
फाल्गुन में सावन की झड़ी सी लगी थी
बेटे के *******।
संगी न साथी न दोस्त घर में आया
होली मुबारक का बस संदेशा ही आया
दर पर फिर भी क्यूं मेरी आंखें लगीं थीं
बेटे के आने********।

बिना रुके जो काम करे

बिना रुके जो काम करे वो तो नारी ही होती है ।
दो परिवारों का सामंजस्य भी नारी ही ढोती है ।
अवसर मिले तो हर क्षेत्र में सफलता से बढ़ाए कदम,
सहनशीलता से पोषित होती, स्वभाव से रहे नरम,
घर और बाहर दोनों कामों का बीड़ा भी उठाती है
एक ही समय में कई रिश्तों के निभाए जाती है धरम,
आपातकाल में दृढ़ निश्चय से आपा कभी न खोती है ।
बिना रुके जो काम करे वो तो एक नारी ही होती है ।
दो परिवारों का सामंजस्य भी नारी ही ढोती है ।
शिक्षित नारी, शिक्षित परिवार, नारी को शिक्षित करो,
हर क्षेत्र में अव्वल नारी, हर क्षेत्र में नारी भरो,
राजनीति में नारी आए, अहिल्या सी बात कर लो तुम
प्रेम त्याग की मूरत नारी, नारी पर अत्याचार न करो,
हर सफल पुरुष के पीछे एक नारी ही होती है ।
बिना रुके जो काम करे वो तो नारी ही होती है
दो परिवारों का सामंजस्य भी नारी ही ढोती है ।

कृष्ण प्रकाश अग्रवाल , हैदराबाद

आंचल के फूल...

ओमकार सर्डिवाल,
हैदराबाद

जो बच्चे माता-पिता के होते हुए
बिखर जाते हैं।
कहीं ना कहीं उन में परिसर का
अंश दिखाई देता है।
जो बच्चे अपने माता-पिता के बाद
बिखर जाते हैं।
कहीं ना कहीं उनमें
स्वार्थ भाव नजर आता है।
बचपन में शैतानी होती थी।
लड़ाई झगड़ा किया करते थे।
अब न जाने क्यों दूरियां बढ़ गई है।
जानते हो तुम
इसके पीछे का रहस्य क्या है।
क्योंकि..?
अब माता-पिता साथ नहीं है।
नादान हम तब भी कहलाते हैं।
क्यों की मां जीने का रहस्य सिखाती थी।
न जाने हम क्यों श्याने हो गए।
अपनों को पराया,
परायों को अपना मान बैठे।
समझदारी रग-रग में बहती है।
एक परिवार से बिखर कर
दूसरा परिवार बनाना।
क्या इसी का परिवार नाम कहते हैं?
माना कि यह दुनिया का दस्तूर है।
नई गांठ और नए माले का गठन करना है।
मोती की कीमत तब तक है,
जब तक वह माले का हिस्सा है।
क्षणिक रती भर मूल्य रह जाएगा,
बिखर कर अपनी तेजी दिखाएगा।
अपनों को अपना माना करो।
दुख-दर्द में साथ दिया करो।
अपनों के संग समय बिताया करो।
एक चूले पर बना खाना खाया करो।
तेरा मेरा न किया करो।
एक आंचल के फूल,
एक माले में ही अपनी कीमत रखते हैं।
संदेश तुम्हे हम यही देते है।
एक रहे कर रहा करो,
एक रहे कर रहा करो...

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

मुख्तार के बाद कौन चलाएगा आईएस -191 गैंग

विधायक बेटा जेल में, पत्नी फरार, 15 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी किसकी होगी?

'अतीक अहमद तो गया, अब मुख्तार अंसारी निपट जाए तो पूर्वांचल से माफियागिरी भी निपट जाएगी।' अच्युतानंद ने ये बात 15 अप्रैल 2023 को माफिया अतीक अहमद के मर्डर के बाद कही थी। ठीक 11 महीने 13 दिन बाद मुख्तार अंसारी की भी मौत हो गई। 28 मार्च को जेल में मुख्तार को कॉर्डियक अरेस्ट आया और हॉस्पिटल लाते-लाते उसकी सांसें टूट गईं। मुख्तार की मौत की दुआ करने वाले अच्युतानंद, सच्चिदानंद राय के भाई हैं, जिनका 17 जुलाई 1986 को मर्डर कर दिया गया था। मुख्तार अंसारी का पहला सबसे बड़ा केस यही माना जाता है। अब सवाल है कि क्या मुख्तार की मौत से पूर्वांचल से माफियागिरी भी निपट जाएगी। पूर्वांचल की माफियागिरी भले चलती रहे, लेकिन मऊ-गाजीपुर से अंसारी परिवार का रुतबा जरूर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। एक वक्त था, जब मुख्तार के सामने डीएम व एसपी नतमस्तक खड़े रहते थे। अब माहौल बदल गया है। बीते करीब 4 साल में उसकी 576 करोड़ की प्रॉपर्टी पर यूपी सरकार बुलडोजर चला चुकी है। आईएस-191 गैंग चलाने वाले मुख्तार समेत अंसारी परिवार पर कुल 97 केस दर्ज हैं। बड़ा बेटा अब्बास जेल में हैं। पत्नी फरार है और छोटा बेटा उमर जमानत पर है। पुलिस और ईडी के सूत्र बताते हैं कि अंसारी परिवार के पास करीब 15 हजार करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति है। परिवार में अब मुख्तार के बेटों के अलावा भाई सिबगतुल्लाह और अफजाल हैं।

मऊ के सीओ सिटी रहे धनंजय मिश्रा ने मुख्तार गैंग पर शिकंजा कसने में अहम रोल निभाया था। उन्होंने मुख्तार के गुर्गे और कृष्णानंद राय की हत्या में शामिल फिरदौस का मुंबई जाकर एनकाउंटर किया था। धनंजय मिश्रा बताते हैं, '80 के दशक में मुख्तार अंसारी का नाम पूर्वांचल में अपराध की दुनिया में स्थापित हो रहा था। हर क्रिमिनल को सर्वाइवल के लिए पैसे की जरूरत होती है। मुख्तार को कमाई के एक सिस्टम की जरूरत पड़ी, तो उसका सामना बृजेश सिंह-त्रिभुवन सिंह से हुआ। इन दोनों गैंग्स की कोई लड़ाई नहीं थी, पूरा झगड़ा कमाई पर कब्जे का था।' मुख्तार ने पहली बार मऊ से चुनाव लड़ा तो पोस्टर पर लिखा था 'शेर-ए-मऊ'। सीट मुस्लिम बहुल थी, तो उसे जीतने में दिक्कत नहीं हुई। लोग उसे पसंद करते थे, वो बड़े-बड़े अधिकारियों से हनक से बात करता था, लोगों के काम भी करवाता था। उसने लोगों का काम करवाने के लिए तमंचा कल्चर अपनाया। वो गुजरता था, तो डीएम भी सिर झुकाते थे। 90 के दशक की शुरुआत में मऊ और गाजीपुर में बिजली बड़ी समस्या थी। मुख्तार ताकतवर हुआ, तो दोनों जिलों की हैसियत राजधानी जैसी हो गई। लखनऊ में जितने घंटे लाइट आती, यहां भी उतने ही घंटे आती थी। मुख्तार की इमेज रॉबिन हुड वाली बनती गई और इलाके के नौजवान उसे आदर्श मानने लगे। ये लोग मुख्तार के लिए जान देने के लिए तैयार थे। इनमें दोनों धर्मों के लोग थे। इसी से उसका गैंग बढ़ता गया। राजनीति में आने के बाद मुख्तार ने सीधे अपराध में शामिल होना बंद कर दिया। वो गांव की लोकल लड़ाई से निकले अपराधियों को शरण देता था। इन अपराधियों से ही बड़ी वारदात कराता था। 1986 में सच्चिदानंद राय की हत्या के बाद से मुख्तार का नाम अपराध की दुनिया में बढ़ने लगा था। गैंग मजबूत हुआ, तो वो सरकारी ठेकों पर कब्जा करने लगा। मुख्तार को 1991 में पुलिस ने पकड़ा भी, लेकिन वो 2 सिपाहियों को गोली मारकर फरार हो गया था। इससे इलाके में उसकी दहशत और बढ़ गई।'

'इसी दौरान बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह की गैंग भी कोयले के कारोबार में उतर गई। मुख्तार को ये पसंद नहीं आया और त्रिभुवन के भाई कॉन्स्टेबल राजेंद्र सिंह का मर्डर हो गया। मुख्तार पर आरोप लगा और दोनों गैंग में दुश्मनी शुरू हो गई। गैंगवार चलती रही। 1996 में मुख्तार को बसपा ने मऊ से टिकट दे दिया। मुख्तार विधायक बना तो उसकी हिम्मत भी बढ़ गई। 1997 में उसने कोयला कारोबारी नंद किशोर रूंगटा को किडनैप करवा लिया। रूंगटा का शव तक नहीं मिला। बृजेश गैंग कभी-कभी चुनौती देता रहा, लेकिन मुख्तार का गैंग काफी बड़ा हो चुका था। बदलाव ये आया कि अब मुख्तार के आदमी ठेके लेने लगे। इससे व्यापारियों के साथ मुनाफा बांटने का झंझट भी खत्म हो गया।'

मुख्तार का गैंग पहले भी जमीन कब्जाने का काम करता था, राजनीति में आने के बाद उसकी नजर सरकारी और नजूल की जमीन पर पड़ी। सरकारी और विवादित जमीनों पर मुख्तार के गुर्गे कब्जा करते थे। फिर किसी को बेच देते। इसके बाद अगली जमीन निशाने पर रहती। पूर्वांचल में किसी जमीन पर अगर मुख्तार की नजर पड़ जाती, तो वो चाहे 5 लाख की हो या फिर 5 करोड़ की। उसे देने से मुख्तार को कोई मना नहीं कर पाता था। वह जो दे देता, वही जमीन मालिक को रखना पड़ता। एक बीघा जमीन कागज पर खरीदता, आस-पास की 12 बीघा जमीन कब्जा कर लेता। अभी हाल में ही कई जमीनों से प्रशासन ने मुख्तार गैंग का कब्जा हटवाया है। सिर्फ मऊ में ही उसकी और उसके करीबियों की 200 करोड़ की संपत्ति जब्त हुई है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि गुंडा टैक्स और जमीन कब्जाने से मिले पैसे को विकास कंस्ट्रक्शन नाम की कंपनी के खाते में जमा किया जा रहा था। इस पैसे से लीगल तरीके से संपत्ति खरीदी जाती थी। अकाउंट से काफी पैसा मुख्तार के ससुर जमशेद राना की कंपनी आगाज प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग के अकाउंट में ट्रांसफर किया गया। इस रकम से मऊ, गाजीपुर, जालौन, दिल्ली, लखनऊ में 23 संपत्तियां खरीदी गईं। ये प्रॉपर्टीज भी बाजार भाव से आधी कीमत में खरीदी गई थीं। मुख्तार के सहयोगी गणेश दत्त मिश्रा ने गाजीपुर में दो प्रॉपर्टी खरीदी थीं। उसके पास पैसा तक नहीं था।

दोनों प्रॉपर्टी का सौदा 1.29 करोड़ में हुआ, लेकिन उसने सिर्फ कब्जा किया, पैसे कभी नहीं दिए। ये मुख्तार की बेनामी संपत्तियां थीं, जिसे गणेश दत्त मिश्रा के नाम से खरीदा गया था। मुख्तार राजनीतिक विरोधियों को नुकसान नहीं पहुंचाता था। अगर किसी ने पैसे का नुकसान किया, तो उसे खत्म करके ही मानता था। मऊ के ए-क्लास के ठेकेदार मन्ना सिंह पीडब्ल्यूडी के ठेके लेते थे। मन्ना सिंह और उनके पार्टनर राजेश राय की 29 अगस्त 2009 को नगर कोतवाली इलाके में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मन्ना सिंह के भाई हरेंद्र सिंह ने मुख्तार अंसारी, हनुमान पांडे समेत 11 लोगों पर आरोप लगाया था। मुख्तार ने मन्ना सिंह से हर ठेके पर 10% गुंडा टैक्स मांगा था। उन्होंने इनकार कर दिया। मन्ना सिंह की हत्या कर दी गई। पहले मन्ना सिंह से मुख्तार के रिश्ते ठीक थे, लेकिन पैसे का नुकसान वो नहीं उठा सकता था। इस मामले में निचली अदालत ने मुख्तार को बरी कर दिया था। मन्ना सिंह की हत्या के वक्त मुख्तार जेल में था।

2017 में योगी सरकार बनने के बाद से मुख्तार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हुई। मुख्तार पंजाब की रोपड़ जेल में शिफ्ट हुआ, तो उसे वापस यूपी लाने के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट तक गई। पंजाब से मुख्तार व्हीलचेयर पर लौटा था। उसे 2021 में बांदा जेल शिफ्ट किया गया। साल 2020 में गाजीपुर में मुख्तार का गजल होटल ढहा दिया गया। ये गाजीपुर में मुख्तार के ऑफिस की तरह था। इसके बाद मऊ के गाजीपुर तिराहे पर मुख्तार की आलीशान बिल्डिंग भी ध्वस्त कर दी गई। अब वहां खंडहर बचा है। भीटी चौराहे पर मुख्तार के करीबी उमेश सिंह की तीन मंजिला बिल्डिंग पर भी बुलडोजर चला। 2022 में मऊ सदर से जीते मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी का घर भी ढहा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 3 साल में मुख्तार की 576 करोड़ की प्रॉपर्टी पर सरकार कार्रवाई कर चुकी है। इसमें 291 करोड़ 19 लाख की संपत्ति जब्त की गई। 284 करोड़ 77 लाख की संपत्ति पर बुलडोजर चल चुका है। सिर्फ मऊ में ही 200 करोड़ की संपत्ति पर बुलडोजर चला है। पुलिस और ईडी अब भी गाजीपुर-मऊ, वाराणसी, लखनऊ के अलावा पूर्वांचल के जिलों में मुख्तार की संपत्तियां तलाश रही हैं। मुख्तार को जानने वाले कहते हैं कि मुख्तार की बेनामी संपत्ति बेहिसाब है। पुलिस और ईडी के सूत्र इसकी कीमत 15 हजार करोड़ बताते हैं। सवाल ये है कि इसे कौन संभालेगा? मुख्तार का पूरा परिवार जेल में है। पत्नी फरार है और अब सिर्फ बहू निखत अंसारी और छोटा बेटा उमर जमानत पर बाहर हैं। अब अंसारी परिवार का जेल से निकलना मुश्किल है। पहले वो मुकदमों से बच जाता था, अब उसे सजा हो रही है। उसका आर्थिक तंत्र खत्म हो रहा है। शायद वो दिन जल्द आए कि उसकी बेनामी संपत्ति संभालने वाला कोई न रहे। उसके साथी ही सब आपस में बांट लें। बहरहाल, अभी यह कहना गलत है कि उसकी बेनामी संपत्ति संभालने वाला कोई नहीं है। पूर्वांचल में मुख्तार की दहशत कम नहीं हुई है। अंसारी परिवार अब भी बुरा समय गुजर जाने का इंतजार कर रहा है। 'मुख्तार का पैसा सिर्फ पूर्वांचल में ही नहीं, देश और विदेशों में भी लगा है। कहा जाता है कि मुख्तार के तेल के जहाज चलते हैं। मुंबई जैसे शहरों में होटल और जमीनें हैं। करीबियों का दावा है कि अंसारी परिवार 40 हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति का मालिक है।'

एक सवाल ये भी है कि मुख्तार जेल में रहकर कैसे गैंग चलाता रहा। उसके ऊपर 65 केस दर्ज थे। इसके बावजूद 2022 से उसे सजा मिलनी शुरू हुई। मुख्तार जिस जेल में बंद होता था, गुर्गे भी जमानत तुड़वाकर वहीं चले जाते थे। जेल के आसपास भी उसके गुर्गे रहने लगते थे। उन्हीं के जरिए वो जेल में बंद छोटे अपराधियों को साथ मिलाकर पूरी बैरक पर दबदबा बना लेता था। मुख्तार जेल में अधिकारियों को रिश्वत देता था। इसलिए उसे मोबाइल यूज करने और ऐशोआराम में कोई दिक्कत नहीं आती थी। जेल अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनवाकर पेशी से बच जाता था। या फिर जिस मामले में आरोप तय होने होते हैं, वहां छोड़कर उसी दिन किसी और मामले में दूसरे कोर्ट में पेश हो जाता था।

जहां बड़ा केस है, वहां उसके वकीलों की फौज पेशी पर जाती थी। इस तरह दूसरे पक्ष पर दबाव बनाया जाता थी। कानूनी खामियों का फायदा उठाकर वो कानूनी फंदों से बच निकलता था। ऐसे भी काम न बने तो गवाहों को डरा-धमकाकर अपने पक्ष में बयान दिलवाता था। उसके मैसेज जेल से बाहर ले जाने का काम उसके गुर्गे करते हैं। बाहर उसके बेटे और पत्नी गैंग का बाकी काम संभालते थे।

2012 और 2017 का विधानसभा चुनाव वो जेल से ही लड़ा था। उसने 2022 में बड़े बेटे अब्बास अंसारी को चुनाव में उतारा। अब्बास जीत भी गया, लेकिन हेट स्पीच में पहले फरार हुआ, फिर सरेंडर कर जेल जाना पड़ा। अभी वो कासगंज जेल में है। मुख्तार की गैंग में तीन दर्जन से ज्यादा शूटर थे। इस वक्त सिर्फ तीन फरार हैं। इसमें उसके दो रिश्तेदार हैं और एक अनुज कनौजिया है। बाकी या तो एनकाउंटर में मारे जा चुके हैं या फिर जेल में हैं। फिलहाल मुख्तार गैंग को संभालने वाला कोई नहीं है। सरकार जिस तरह कार्रवाई कर रही है, उससे लगता भी नहीं है कि कोई गैंग चलाने वाला बचेगा। अंसारी परिवार पर भले ही आर्थिक चोट की जा रही हो, लेकिन उसके लिए करोड़ों की फंडिंग करने वाले अब भी बाहर हैं।

तालिबान से परेशान अफगानिस्तान के हालात बदतर

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के लगभग तीन साल होने को आए हैं, लेकिन हालात वहां बद से बदतर हो गए हैं। जब उन्होंने दूसरी बार सत्ता पर कब्जा किया, तो ऐसा लगा था कि वह वैसी सत्ता नहीं चाहते, जैसी पहले रह चुकी है। उन्होंने दुनिया को बताया था कि वह महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे, लेकिन ऐसा किया नहीं। इससे तालिबान सकार पूरी दुनिया के साथ-साथ अपनी जनता में भी भरोसा पैदा नहीं कर पाई है। यही वजह है कि अब तक उसे किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है। तालिबान ने हाल ही में स्टेडियम में एक शख्स को सार्वजनिक रूप से फांसी दी थी। इसका कोई कारण नहीं बताया गया। बाद में इतना जरूर कहा गया कि सरकार ने अपने सर्वोच्च नेता हिब्तुल्ला अखुंदजादा से मंजूरी लेने के बाद ही फांसी दी थी। पिछले तीन साल में सार्वजनिक फांसी की यह चौथी घटना थी। इससे अफगान नागरिकों का तालिबान से विश्वास उठ गया है। उनका मानना है कि तालिबान अपने दुश्मनों का इसी तरह से सफाया कर रहा है।

तालिबान ने महिला पत्रकारों को लेकर नया फरमान जारी किया है कि वे बड़े पैमाने पर मीडिया प्लेटफॉर्म पर तब तक न जाएं, जब तक उन्होंने शरीयत के हिसाब से पूरी पोशाक न पहनी हो। उनकी सिर्फ आंखें ही दिखाई दें और बाकी चेहरे का हिस्सा ढका हुआ होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उन्हें सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि अफगान महिलाएं पहले से ही नौकरी करने को लेकर बड़े पैमाने पर पाबंदी झेल रही हैं। महिलाओं की शिक्षा पर तो पाबंदी है ही, उन्हें ब्यूटी पार्लर में भी काम करने की भी इजाजत नहीं है।

तालिबान ने बिना पारिवारिक मर्द के महिलाओं की हवाई यात्रा पर भी पाबंदी लगा रखी है। हालांकि तालिबान सरकार ने अपनी जरूरत के मद्देनजर महिलाओं को मेडिकल में दाखिला लेने की इजाजत दे दी है। तालिबान सरकार पत्रकारों को भी स्वतंत्रता से काम करने नहीं दे रही। ऐसे 168 मामले सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारों को पीटा गया अथवा गिरफ्तार किया गया है। पत्रकार संगठनों की आलोचना और मांग के बाद तालिबान सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जिन पत्रकारों को जेल में डाला गया है, उन्हें जल्दी रिहा कर दिया जाएगा।

हाल ही में कांधार में एक आतंकवादी हमले में कई लोग मारे गए और कई जख्मी भी हुए। उस घटना की जिम्मेदारी आईएस ने ली। अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी कम से कम दो से ढाई हजार की संख्या में हैं। गौरतलब है कि अफगान तालिबान और आईएस एक-दूसरे के कट्टर विरोधी हैं। इसके अलावा, हजारों की संख्या में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाके अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं, जो समय-समय पर पाकिस्तान में घुसकर आतंकी घटनाओं को अंजाम देते हैं। हाल ही में टीटीपी ने पाकिस्तान में एक सैनिक चौकी पर हमला किया, जिसमें कई सैन्य अफसर व सैनिक मारे गए। इसके दो दिन बाद ही जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में टीटीपी के गुप्त ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें कई बेकसूर महिलाओं व बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने दोनों देशों को संयम बरतने की सलाह दी है।

जहां तक भारत की बात है, तो हाल ही में भारत का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल काबुल में तालिबान के नेताओं से मिला था और बैठक में दोनों देशों के रिश्तों और आर्थिक संबंधों पर बातचीत हुई थी। तय हुआ था कि दोनों देश ईरान के सहयोग से चारबहार बंदरगाह के जरिये व्यापार करेंगे। इस बंदरगाह को पाकिस्तान की ग्वादर बंदरगाह के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि भारत ने अफगानिस्तान को अभी तक मान्यता नहीं दी है। वहां अल्पसंख्यक हिंदू व सिख गिनती के ही रह गए हैं, जो वहां से निकलने की फिराक में हैं।

सीएए के अनुसार, वहां 20 लाख से ज्यादा हिंदू और सिख थे, जिनमें से अधिकतर भारत आ चुके हैं और उन्हें नागरिकता दी जा रही है। बहुत से खिलाड़ी, संगीतज्ञ व रंगमंच कलाकार तालिबान के अत्याचारों से तंग आकर देश से पलायन कर गए हैं। तालिबान पर किसी भी सूरत में भरोसा नहीं किया जा सकता। वे अपने वादों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिससे अफगान नागरिकों का जीना मुश्किल हो गया है।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को जानें

1937 में पहली बार विधायक बने, किसानों के मसीहा कहलाए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को देश पांच महान विभूतियों को भारत रत्न से सम्मानित किया है। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह का नाम भी शामिल है। चरण सिंह की पहचान किसान नेता के तौर पर रही है। राष्ट्रपति मुर्मू ने चरण सिंह का भारत रत्न (मरणोपरांत) उनके पोते जयंत सिंह को सौंपा। तो जानते हैं चरण सिंह के बारे में। चरण सिंह का जन्म 1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में एक मध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक की एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। कानून में प्रशिक्षित चरण ने गाजियाबाद से अपने पेशे की शुरुआत की। वे 1929 में मेरठ आ गये और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए।

चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। बाद में 1952 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था।

सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में वे गृह एवं कृषि मंत्री (1960) थे। सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। 1971 के लोकसभा चुनाव में चौधरी चरण सिंह मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से चुनाव हार गए थे। उस चुनाव में उन्हें सीपीआई के विजयपाल सिंह ने 50,279 वोट से हराया था। इसके बाद आपातकाल लगा, चुनाव टले। 1977 में जब चुनाव हुए तो चौधरी चरण सिंह मुजफ्फरनगर की जगह बागपत सीट से चुनाव में उतरे। इस चुनाव में उन्होंने 1,21,538 से बड़ी जीत दर्ज की। बाद में देश के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर भी बैठे। एक और बात 1971 में चौधरी चरण सिंह को हराने वाले विजय पाल सिंह 1977 में अपनी जमानत तक नहीं बचा सके। उन्हें महज 8,146 वोट से संतोष करना पड़ा था। तब मुजफ्फरनगर सीट से लोकदल के सईद मुर्तजा जीतने में सफल रहे थे। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी जो प्रशासन में अक्षमता एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपने वाक्पटुता और दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते थे।

उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन और उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके।

देश में कुछ ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला।

चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखी जिसमें 'जमींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑ डिवीन ऑ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रेड' आदि प्रमुख हैं।

कृषि के जनक को मिला भारत रत्न

आईपीएस छोड़कर खेती में बनाया था करियर

राष्ट्रपति भवन में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानिक किया है। बता दें कि पिछले साल 28 सितंबर को एमएस स्वामीनाथन का चेन्नई में निधन हो गया था, जिस वजह से उनकी बेटी नित्या राव भारत रत्न लेने पहुंचीं। कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने देश में खाने की कमी न होने के उद्देश्य से कृषि की पढ़ाई की थी। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1943 में बंगाल में भीषण अकाल पड़ा था, जिसने उन्हें झकझोर कर रख दिया। इसे देखते हुए उन्होंने 1944 में मद्रास एग्रीकल्चरल कॉलेज से कृषि विज्ञान में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। 1947 में वह आनुवंशिकी और पादप प्रजनन की पढ़ाई करने के लिए दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) आ गए। उन्होंने 1949 में साइटोजेनेटिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपना शोध आलू पर किया था। एमएस स्वामीनाथन पर परिवारवालों की तरफ से सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी करने का भी दवाब बनाया गया था। स्वामीनाथन सिविल सेवा की परीक्षा में भी शामिल हुए और भारतीय पुलिस सेवा में उनका चयन भी हुआ। उसी दौरान नीदरलैंड में आनुवंशिकी में यूनेस्को फेलोशिप के रूप में कृषि क्षेत्र में एक मौका मिला। स्वामीनाथन ने पुलिस सेवा को छोड़कर नीदरलैंड जाना सही समझा। 1954 में वह भारत आ गए और यहीं कृषि के लिए काम करना शुरू कर दिया। एमएस स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का अगुआ माना जाता है। वह पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने सबसे पहले गेहूं की एक बेहतरीन किस्म की पहचान की। इसके कारण भारत में गेहूं उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का जन्म मद्रास प्रेसिडेंसी में साल 1925 में हुआ था। स्वामीनाथन 11 साल के ही थे जब उनके पिता की मौत हो गई। उनके बड़े भाई ने उन्हें पढ़ा-लिखाकर बड़ा किया। उनके परिजन उन्हें मेडिकल की पढ़ाई कराना चाहते थे लेकिन उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरुआत प्राणि विज्ञान से की। देश को अकाल से उबारने और किसानों को मजबूत बनाने वाली नीति बनाने में उन्होंने अहम योगदान निभाया था। उनकी अध्यक्षता में आयोग भी बनाया गया था जिसने किसानों की जिंदगी को सुधारने के लिए कई अहम सिफारिशें की थीं। स्वामीनाथन को उनके काम के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें पद्मश्री (1967), पद्मभूषण (1972), पद्मविभूषण (1989), मैग्सेसे पुरस्कार (1971) और विश्व खाद्य पुरस्कार (1987) महत्वपूर्ण हैं।

सूर्य देव की पूजा करने से मिलते हैं चार बड़े लाभ

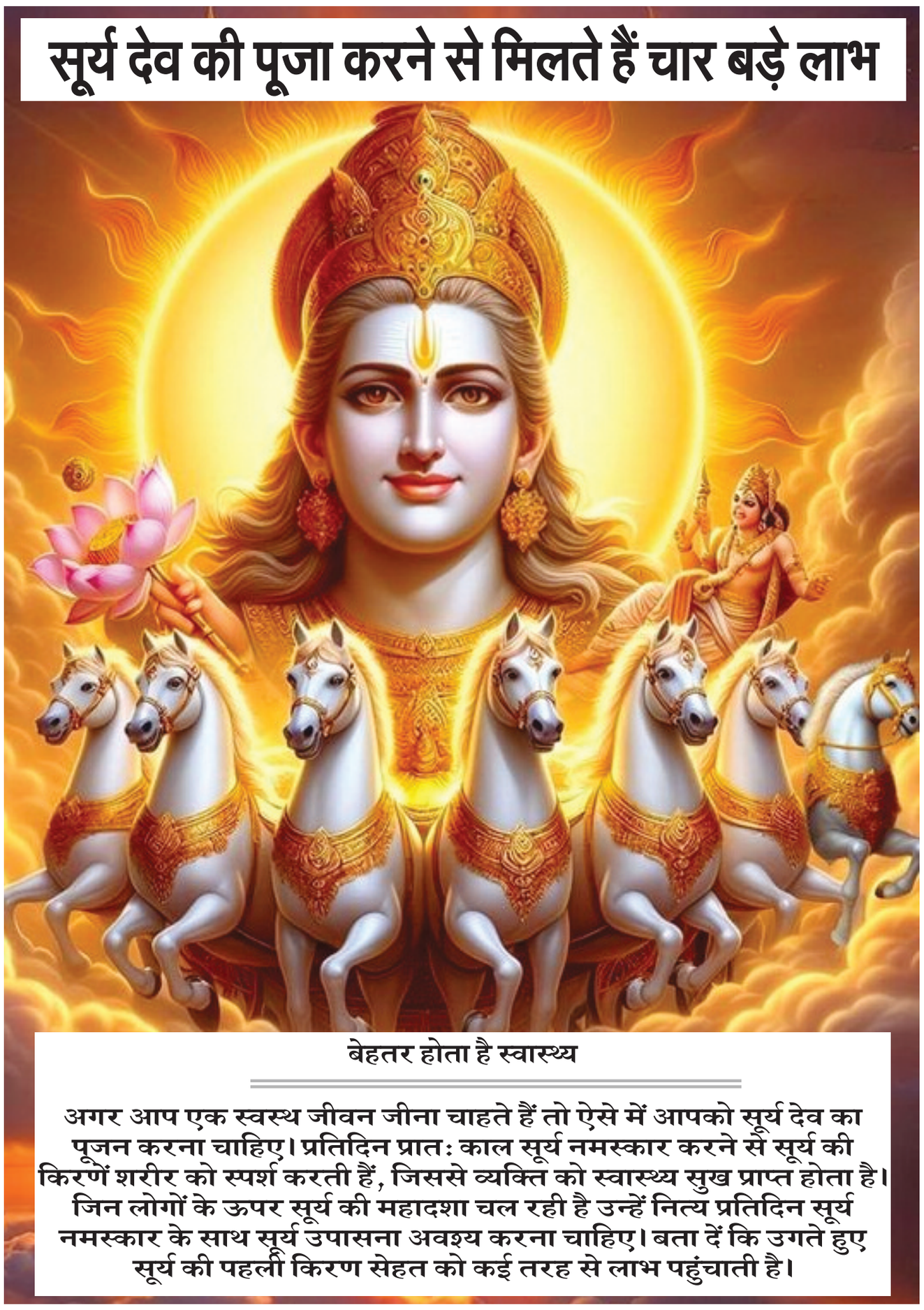

बेहतर होता है स्वास्थ्य

अगर आप एक स्वस्थ जीवन जीना चाहते हैं तो ऐसे में आपको सूर्य देव का पूजन करना चाहिए। प्रतिदिन प्रातः काल सूर्य नमस्कार करने से सूर्य की किरणें शरीर को स्पर्श करती हैं, जिससे व्यक्ति को स्वास्थ्य सुख प्राप्त होता है। जिन लोगों के ऊपर सूर्य की महादशा चल रही है उन्हें नित्य प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के साथ सूर्य उपासना अवश्य करना चाहिए। बता दें कि उगते हुए सूर्य की पहली किरण सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाती है।

नवग्रहों में सूर्य देव को विशेष स्थान प्राप्त है। यहां तक कि वेदों में भी सूर्य को जगत की आत्मा बताया गया है। सूर्य के प्रकाश के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। यूं तो लोग इसे एक ग्रह के रूप में देखते हैं। लेकिन हिन्दू धर्म में सूर्य को एक देव के रूप में पूजा जाता है।

बता दें कि नौ ग्रहों में सूर्य ग्रहों का राजा है और उन्हें एक पिता का दर्जा प्राप्त है। इसलिए, यह मान्यता है कि अगर सूर्य देव का पूजन किया जाता है तो इससे ना केवल व्यक्ति को बल व बुद्धि प्राप्त होती है, बल्कि उसके जीवन में कई सकारात्मक परिवर्तन भी होते हैं। हिन्दू शास्त्र में कहा गया है कि सूर्य देव की पूजा करने से व्यक्ति का तेज बढ़ता है और उसके यश में वृद्धि होती है। रविवार के दिन सूर्य देव की उपासना का विशेष महत्व माना गया है। लेकिन इसके अलावा, आप अन्य दिन भी सूर्य देव का पूजन करके विशेष कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

सूर्य देव का पूजन करने से व्यक्ति को क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं-

बढ़ता है आत्मविश्वास

जब व्यक्ति सूर्य देव का पूजन करता है तो इससे उसकी पर्सनैलिटी में काफी परिवर्तन आता है। विशेष तौर पर, आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए सूर्य की पूजा करना अति आवश्यक माना गया है। दरअसल, सूर्य आत्मा का कारक है और इसलिए सूर्य बलवान होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पैतृक संपति में मिलता है लाभ

चूंकि नौ ग्रहों में सूर्य को पिता का दर्जा प्राप्त है अतः सूर्य की उपासना विधि पूर्वक करने से पिता का सुख एवं पैतृक संपत्ति से लाभ प्राप्त होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपको पैतृक संपत्ति से लाभ प्राप्त हो, तो ऐसे में आपको हर रविवार नियम से आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

सरकारी नौकरी में मिलती है सफलता

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जो सरकारी नौकरी में सलेक्ट होना चाहते हैं। लेकिन उनके हाथ निराशा ही लगती है। लेकिन अगर आप सरकारी नौकरी में सफलता पाना चाहते हैं तो आपको सूर्य देव का पूजन अवश्य करना चाहिए। दरअसल, सरकारी नौकरी में सफलता प्राप्ति के लिए सूर्य का बलवान होना अति आवश्यक है। प्रतियोगी परीक्षा वाले छात्र की जन्म कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत करने के लिए सूर्यरत्न माणिक्य जन्मकुंडली की गणना अनुसार रविवार के दिन अवश्य धारण करें।

अप्रैल में होगा 4 बड़े ग्रहों का गोचर, 5 राशि के जातकों को हो सकता है बंपर लाभ

अप्रैल 2024 का प्रारंभ होने वाला है। इस माह में 4 बड़े ग्रहों बुध, मंगल, सूर्य और शुक्र का राशि परिवर्तन होगा। इन चार बड़े ग्रहों के गोचर से 5 राशि के लोगों को बंपर लाभ होने के संकेत हैं। उनको नई प्रॉपर्टी, धन मिलने का योग है, कुछ का भाग्योदय भी हो सकता है। बुध, मंगल, सूर्य और शुक्र का गोचर कब होने वाला है और इनका राशियों पर क्या सकारात्मक प्रभाव होगा।

सबसे पहले 9 अप्रैल को बुध का गोचर मीन राशि में रात 09 बजकर 22 मिनट पर होगा। उसके बाद 13 अप्रैल को सूर्य देव रात 09 बजकर 15 मिनट पर मेष राशि में गोचर करेंगे।

वहीं भूमि पुत्र मंगल का गोचर मीन राशि में 23 अप्रैल को सुबह 08 बजकर 52 मिनट पर होना है। उसके बाद सभी भौतिक सुखों के दाता शुक्र ग्रह का गोचर मेष राशि में 25 अप्रैल को 12:07 एएम पर होगा।

वृषभ राशि: इस 4 बड़े ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से आपकी राशि के लोगों को अचानक धन लाभ हो सकता है। इस दौरान आपके सुख और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी का संकेत है। नौकरी और बिजनेस की दृष्टि से भी आपको तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसके अलावा समाज में आपके यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी होगी। इस दौरान आपको कोई नई प्रॉपर्टी भी मिल सकती है।

मिथुन राशि: अप्रैल में बुध, मंगल, सूर्य और शुक्र के गोचर के कारण मिथुन राशिवालों को बिजनेस में मुनाफा कमाने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे आपकी आर्थिक उन्नति होगी। आपके आय के स्रोत बनेंगे और धन की कमी दूर होगी। नौकरी करने वालों के वेतन में वृद्धि की संभावना है। इस दौरान निवेश से भी आपको लाभ मिलने के आसर नजर आ रहे हैं।

धनु राशि: 4 ग्रहों के गोचर से आपकी राशि के जातकों की किस्मत चमक सकत है। आपके अधूरे कार्य पूरे होंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। सरकारी नौकरी या फिर कोई सरकारी काम मिलने की उम्मीद बन रही है। इन ग्रहों के शुभ प्रभाव से आप कोई नई गाड़ी, मकान या दुकान खरीद सकते हैं। प्रॉपर्टी से धन लाभ का योग है। पूजा पाठ में मन लगेगा। आपका भाग्योदय हो सकता है।

मकर राशि: यह समय आपके दांपत्य जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। वहीं धन और आर्थिक पक्ष भी मजबूत होगा। अटका हुआ धन वापस मिलने से खुशी होगी। इस दौरान आपके जीवन में सुख और सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहेगी। मां का ख्याल रखें, उनके आशीर्वाद से आपकी उन्नति होगी।

मीन राशि: बिजनेस करने वाले लोगों को बुध, मंगल, सूर्य और शुक्र के राशि परिवर्तन से बड़े लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं। आपको कोई बड़ी डील मिल सकती है या फिर आपके बिजनेस में कोई बड़ा निवेश मिल सकता है, जिससे आपके बिजनेस का विस्तार होगा। आपकी राशि के लोगों का प्रभाव बढ़ेगा। आपके मान और सम्मान में वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्र से आपको धन लाभ हो सकता है।

राधारमण मंदिर में 500 सालों से नहीं जलाई गई माचिस?

भारत एक अद्भुत देश है, जहां अनेक धर्म, मान्यताएं, भाषाएं और संस्कृति है। प्राकृतिक रूप से संपन्न हमारे देश में आपको ऐसे कई कस्सिे और कहानियां सुनने को मलि जाएंगी, जिन पर विश्वास ही नहीं होता। आज हम आपको भारत के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पिछले 500 सालों में कभी माचिस नहीं जलाई गई। ये बात इसलिए हैरान करती है, क्योंकि इस मंदिर में हर रोज भगवान की पूजा भी होती है, उनके आगे दीपक भी जोड़ा जाता है, धूपबत्ती भी जलाई जाती है। इस मंदिर में समय-समय पर हवन भी होता है और रसोईघर में भगवान के लिए हर दिन भोग भी बनाया जाता है। लेकिन इनमें से किसी भी चीज के लिए आज तक मंदिर में माचिस नहीं जलाई गई है। सुनकर हैरान रह गए न आप भी। आइए आपको बाताते हैं, आखिर कौनसा मंदिर है ये और यहां से प्रथा इतने सालों से आखिर क्यों चली आ रही है।

500 सालों से हो रही है श्री राधारमण की सेवा

हम बात कर रहे हैं, मथुरा के पास वृंदावन के श्री राधा रमण मंदिर की, जहां हर दिन हजारों की संख्या में भक्त भगवान श्रीकृष्ण के राधारमण स्वरूप के दर्शन करने आते हैं। ये मंदिर लगभग 500 साल पुराना है और इस मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले पुंडरिक गोस्वामी महाराज इस मंदिर के इतिहास पर बात करते हुए एक पोडकास्ट में बताते हैं कि राधारमण लाल जू लगभग 500 साल पहले शालिग्राम शिला से यहां प्रकट हुए थे। तभी से इस मंदिर में राधारमण स्वरूप में कृष्ण जी की पूजा की जाती है।

क्यों नहीं जलाई गई आजतक माचिस

पुंडरिक गोस्वामी महाराज ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु के अनन्य शिष्य और कृष्ण भगवान के अनन्य भक्त गोपाल भट्ट गोस्वामी की भक्ति से लगभग 482 साल पहले जब राधारमण लालजू प्रकट हुए तो उनकी पूजा के लिए अग्नि की जरूरत थी। सुबह-सुबह का समय था, तो गोपाल भट्ट जी ने ऋग्वेद में अग्नि ऋचाएं होती हैं, उन्हीं का पाठ कर हवन की लकड़ियों को घिस कर अग्नि प्रज्जवलित की थी। उसी प्रज्जवलति हुई अग्नि को इस मंदिर में आजतक रखा गया है। इस अग्नि को ईंधन की मदद से जाए रखा जाता है और आजतक इसी अग्नि से मंदिर की रसोई में भोजन बन रहा है।

राधा रानी की होती है गादी सेवा

यानी 500 सालों से प्रज्जवलति इस अग्नि को आज तक बुझने नहीं दिया गया है। स्वामी गोपालभट्ट द्वारा शुरू की गई इस प्रथा को आज भी उनके अनुयायी इस मंदिर में चला रहे हैं। मंदिर में बनने वाले भोग से लेकर पूजा में प्रयोग की जाने वाली दीपक तक, सब इसी अग्नि से प्रज्जवलित किए जाते हैं।

गोपालभट्ट स्वामी जी चैतन्य महाप्रभू के शिष्य थे और वृंदावन का ये श्री राधारमण मंदिर चैतन्य महाप्रभू के संप्रदाय को ही आगे बढ़ाता है। ऐसी मान्यमता है कि राधारमण में जैसी श्रीकृष्ण जी की वग्रिह (मूर्ती) है, हजारों साल पहले जन्में श्री कृष्ण असल में ऐसे ही नजर आते थे। इस मंदिर में श्रीकृष्ण के साथ राधा रानी की गादी सेवा की जाती है। यानी उनकी विग्रह वहां नहीं है, लेकिन श्रीकृष्ण के पास उनका स्थान बनाकर उस स्थान की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि राधा रानी अब भी लीला कर रही हैं और जब उनकी लीला पूरी हो जाएगी, वह राधारमण लालजू के पास विराजमान हो जाएंगी।

देश का अनूठा मंदिर, ब्रह्मचारी पिता के साथ पुत्र की मूर्ति, लंका और रावण से जुड़ी है कहानी

मंदिर और वो भी बजरंग बली के तो आपने कई देखे होंगे। भरत में बजरंग बली का एक अनूठा और बिरला मंदिर है। यहां हनुमान के साथ उनके पुत्र भी विराजे हैं। ये पुत्र कौन हैं और कैसे पैदा हुए इसकी रोचक कहानी है।

भरतपुर में एक से बढ़कर एक सुंदर और भव्य मंदिर हैं, जिनकी अलग-अलग विशेषताएं हैं। लेकिन एक मंदिर ऐसा है जो दुर्लभ है। भरतपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर वेर क्षेत्र में यह मंदिर स्थित है। यह मंदिर रामायण के सबसे शक्तिशाली योद्धा बजरंगबली हनुमान के पुत्र और परमवीर योद्धा मकरध्वज के नाम से जाना जाता है।

इस प्रकार जन्मे थे हनुमान पुत्र

महावीर श्री हनुमान को प्रभु राम ने लंका जाकर माता सीता का पता लगाने और उन्हें अपना संदेश देने भेजा था। लंका में हनुमान का मेघनाद से युद्ध हुआ और मेघनाद ने उन्हें कपटपूर्वक ब्रह्मास्त्र की सहायता से बंदी बना लिया। उसके बाद रावण ने हनुमान की पूछ में आग लगाने का दंड दिया। महावीर हनुमान ने अपनी जलती पूंछ से पूरी लंका जला दी। जब उन्हें पूंछ जलने के कारण तीव्र वेदना हो रही थी तो उन्होंने समुद्र के जल से पूंछ की अग्नि शांत की। उस समय उनके पसीने की एक बूंद समुद्र में टपक गई जिसे एक मछली ने पी लिया और वह गर्भवती हो गई। उससे उस मछली को एक पुत्र उत्पन्न हुआ जिसका नाम था मकरध्वज।

पिता पुत्र का दुर्लभ मंदिर

देश के गिने-चुने मन्दिरों में से एक यह अनूठा मन्दिर भरतपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 कोस 45 किलोमीटर की दूरी पर है। भरतपुर रियासत के संस्थापक महाराजा सूरजमल के भाई प्रताप सिंह ने वैरिगढ़ नाम के इस कस्बे को बसाया था। इसका अधिकांश भाग प्राकृतिक और कुछ हिस्सा मानव निर्मित है। मिट्टी के इस परकोटे के अन्दर प्रताप दुर्ग एवं राजपरिवार के लिये सफेद महल है।

गढ़ से निकलीं मूर्ति

मिट्टी के बने इसी परकोटे को "गढ़" कहा जाता है। इसी गढ़ में महावीर हनुमान और उनके परमवीर पुत्र मकरध्वज का यह मन्दिर है। इसे गढ़ वाले हनुमान मन्दिर के नाम से पहचाना जाता है। मान्यता है पिता-पुत्र दोनों की प्रतिमाएं इसी गढ़ में से प्रकट हुई हैं।

जर्जर हो रहा है मंदिर

मौजूदा समय में देखरेख के अभाव में मन्दिर का भवन जर्जर हो चुका है। मन्दिर में मंगलवार और शनिवार को श्रद्धालुओं का तांता लगता है। हनुमान के साथ उनके पुत्र मकरध्वज की प्रतिमा के दर्शन कर श्रद्धालु अपने आपको धन्य मानते हैं।

चैत्र नवरात्रि पर इस बार कई अद्भुत संयोग

इस साल चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू हो रही है। 17 अप्रैल को रामनवमी के साथ इसका समापन होगा।इस साल चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू हो रही है। 17 अप्रैल को रामनवमी के साथ इसका समापन होगा।

चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू हो रही है। सनातन धर्म में नवरात्रि का बहुत महत्व है। ये माता रानी की पूजा और आराधना का समय है। आराधना का विशेष विधान है। ज्योतिष गणना के मुताबिक इस बार नवरात्रि में दुर्लभ संयोग बन रहा है। सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। साल में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इसमें दो गुप्त नवरात्रि और एक चैत्र नवरात्रि और दूसरी शारदीय नवरात्रि। धार्मिक मान्यता के मुताबिक नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा आराधना करने का विधान है। चैत्र नवरात्रि हिंदुओं का प्रमुख त्यौहार में से एक माना जाता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक इस साल 2024 की चैत्र नवरात्रि

पर कई अद्भुत संयोग बन रहे हैं।

अभिजीत मुहूर्त में सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 9 अप्रैल से हो रही है। इसका समापन 17 अप्रैल को होगा। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन अभिजीत मुहूर्त के साथ सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग का शुभ संयोग बन रहा है। इस योग में पूजा आराधना करने से मनचाहा वरदान प्राप्त होगा। सभी समस्याओं का निदान होगा।

मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए करें ये उपाय

चैत्र नवरात्रि के दौरान मान्यता है मां जगत जननी जगदंबा धरती पर निवास करती हैं। इसलिए 9 दिन तक माता रानी की पूजा आराधना विधि विधान से करनी चाहिए। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना करनी चाहिए। घट स्थापना मां दुर्गा का और उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। नवरात्रि के आठवें दिन कन्या पूजा करनी चाहिए। उनको अपने समर्थ अनुसार दक्षिण देनी चाहिए। कहा जाता है नवरात्रि में कन्या मां दुर्गा के समान होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन रामनवमी मनाई जाती है। इस दिन प्रभु राम की पूजा आराधना करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है जो भक्ति भाव के साथ पूजा के सभी नियम का पालन करता है। उन्हें प्रभु राम के साथ माता भगवती की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

रवीना ने अपनी राय एग्रेसिव कहे जाने पर की बात बोलीं- मैं समानता में विश्वास करती हूं

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन इन दिनों अपनी फिल्म पटना शुक्ला को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दर्शक इस फिल्म को बेहद उत्साहित हैं। आज शुक्रवार, 29 मार्च को ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है। ये एक कोर्टरूम ड्रामा है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। एक वकील के किरदार में रवीना दमदार अभिनय करती हुई दिखाई दी हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने निर्णयों का सामना करने और वास्तविक जीवन में अपने स्वभाव को लेकर खुलकर बात की है।

रवीना टंडन ने हाल ही में कहा, 'चीजों के बारे में मेरी एक राय है। मैं समानता में विश्वास करती हूं। मैंने कई बार देखा है कि महिलाएं जब दृढ़ता से अपनी राय व्यक्त करती हैं। तो उन्हें एग्रेसिव कहा जाता है। ओह आप एग्रेसिव हैं, इसका क्या मतलब है। सिर्फ इसीलिए कि मैं कुछ कहना चाहती हूं और मैं इसे दृढ़ता से कह रही हूं। आप मुझे एग्रेसिव बोल देते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने शायद वास्तविक जीवन में भी सुना है।

बीते दिन रवीना ने इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए कहा था कि हमारी इंडस्ट्री प्रतिस्पर्धी है, लेकिन कौन सी इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। राजनीति और कॉरपोरेट की दुनिया में भी ऐसा ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिल्म इंडस्ट्री के बारे में इसलिए लिखा जाता है क्योंकि लोग प्रसिद्ध लोगों के बारे में गॉसिपिंग करना चाहते हैं। लोग यहां राजनीति सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं।

'पटना शुक्ला' एक क्राइम ड्रामा है जो भारत में प्रचलित शिक्षा घोटालों की पड़ताल करती है। रवीना टंडन वकील तन्वी शुक्ला के किरदार में दिखाई दी हैं। वह इन इन गलत गतिविधियों का खुलासा करती हैं। फिल्म तन्वी की एक साधारण महिला के सफर को दर्शाती है जो कि रोल नंबर घोटाले में फंसे एक छात्र के लिए न्याय मांगने के लिए साहसपूर्वक सिस्टम का सामना करती है।

फिल्म में इन गंभीर अपराधों पर प्रकाश डाला गया है। 'पटना शुक्ला' हर साल देशभर में कई छात्रों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों को दिखाती है। अरबाज खान द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का प्रीमियर आज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ है।

पहले 'सैक्सी' पुकारा जाना मुझे अच्छा नहीं लगता था : शमा सिकंदर

तो क्या शादी के बाद कुछ बदलाव आया है, पर वह कहती है, जब आप दूसरे व्यक्ति पर विश्वास करना सीख जाते हैं, तो इस बात को लेकर डरना बंद कर देते हैं कि वह आगे जाकर कैसा निकलेगा। आपकी चिंता केवल यह होगी कि मैं अपने रिश्ते को कितना दे रही हूं और इसे लेकर कितनी सच्ची हूं। अगर मैं खुद का सम्मान और प्यार करती हूं तथा 100 प्रतिशत ईमानदार रहती हूं तो मेरा साथी भी ऐसा ही होगा। शादी के बाद जेम्स और मेरा रिश्ता और मजबूत व बेहतर हुआ है।

यह बताते हुए कि उसके पेशे में रिजेक्शन मिलना एक आम बात है लेकिन सहारे के लिए किसी का साथ होना बहुत महत्वपूर्ण था, उसने कहा, पत्ति को आपके संदेह दूर करने में सक्षम होना चाहिए। जेम्स एक प्यारे परिवार से आते हैं। मेरे माता-पिता अलग हो चुके हैं। एक समय मैं शादी को लेकर बहुत उलझन में थी लेकिन यह सुंदर है। अगर आप लिव-इन में रह सकते हैं तो शादी करने में क्या दिक्कत है?

आप मुझे जल्द देखेंगे

मन (1999), 'धूम धड़ाका' (2008) और 'बाईपास रोड (2019) जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी शमा अपने करियर को लेकर बताती है कि उसके कुछ काम कोविड सहित अन्य कारणों से शुरू नहीं हो पाए। उसने बताया, मैं एक अच्छी स्क्रिप्ट के लिए तरस रही हूं। यहां तक कि ओ.टी.टी. में भी शैलियों का विलय हो गया है। अब कोई टी.वी. कलाकार या फिल्म कलाकार नहीं है, वे बस कलाकार है, इसलिए आप जल्द ही मुझे पर्दे पर देखेंगे।

मैं ने अपने दुखों पर काम कि या औ र ठी क हो गई शमा ने धारावाहिक 'बाल वीर' (2012) में एक दुष्ट परी की भूमिका निभाई थी। इस बारे उसने हंसते हुए कहा, बच्चों के शो के लिए एकमात्र कठिनाई थी कि मुझे अपना दिमाग काबू में रखना पड़ता था। उस समय, मैं अवसाद से बाहर आई थी और मैंने अपने कठिन पक्ष के साथ दोस्ती करना सीख लिया था। लेकिन अब वह उन चीजों को जानती है, जिनसे अपने बच्चों को दूर रखना चाहिए। उसने कहा, कूर या तलाकशुदा माता-पिता मत बनो। मैंने अपने दुखों पर काम किया और ठीक हो गई।

शमा सिकंदर का जीवन कइयों के लिए प्रेरणा रहा है। बिना किसी गॉडफादर के बी-टाऊन में अपनी जगह बनाने तक, एक लोकप्रिय अभिनेत्री होने के अलावा शमा एक निर्माता और मानसिक स्वास्थ्य की वकालत करने वालों में भी आगे रहती है। सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स वाली शमा अपनी पोस्ट्स से खुशी और सकारात्मक मा हौ ल फै ला ने की को शि श करती है। हाल ही में उसने 8 वें बॉ ली वु ड फि ल म ज नं लि स्ट अवाईस में 'पॉजिटिव सोशल मीडिया इम्पैक्ट' के लिए एक विशेष सम्मान जीता। शमा ने हाल ही में जयपुर में अपने पहले लाइव शो में प्रस्तुति दी। उसे यह अनुभव आनंददायक लगा।

मैंने कत्थक सौखा है। मैंने जयपुर में' बाजीराव मस्तानी' (2015) के 'मोहे रंग दो लाल' पर प्रदर्शन किया।₹ 42 वर्षीय शमा सोशल मीडिया पर डांस जैसे अपने व्यक्तिगत शौक और रुचियों के बारे में शायद ही कभी पोस्ट करती है, उसका मानना है कि कई सितारे प्रचार के लिए ऐसा करते हैं। वह कहती है, कई बार लोग आध्यात्मिकता ध्यान या नृत्य जैसी चीजों के बारे में सच्चे नहीं होते। जो लोग वास्तव में इन कार्यों से जुड़े हैं या इनका अभ्यास कर रहे हैं, उन्हें इसके बारे में बात करने या सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती। जैसे जैसे मैं समझदार हुई और अपने साथ समय बिताया, उतना ही में सोशल मीडिया पर दिखावा करने से दूर रहने लगी। कत्थक मैंने अपने लिए सीखा था।

हालांकि, उसका कहना है कि अगर कोई सैलिब्रिटी अपने फैन्स को प्रेरित करने के तरीके के रूप में कला के प्रति अपने जुनून के बारे में पोस्ट करता है तो बहुत अच्छी बात है।

प्रतिभा साबित करने में समय लगा समय के साथ 'सैक्सी' टैग हासिल करने वाली शमा ने गुजरे वक्त पर नजर डालते हुए खुलासा किया कि उसे अपने सैक्सी पक्ष को स्वीकार करने में काफी समय लगा। ऐसा उसके आत्म प्रेम' को अपनाने के बाद ही हु आ । उ स ने क हा , ह म अंदर से कई व्यक्तित्व वाले होते हैं। आप जो कुछ भी हैं, उस पर जोर दे सकते हैं लेकिन मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करने में ववत लगा।

शमा सिकंदर ने खुलासा किया कि उस समय ' सैक्सी' पुकारा जाना उसके लिए एक आपत्तिजनक शब्द था, ₹क्योंकि मैंने बहुत जल्दी शुरुआत की थी, मैं अपनी कामुकता या अपने आप के बारे में निश्चित नहीं थी। जब मैं बड़ी हुई तब भी मेरे पिता मेरा फोन उठाते थे। मैं बस पैसा कमाना और अपने परिवार का ख्याल रखना चाहती थी। अपने पिता की छाया से बाहर आने के बाद ही मुझे पत्ता चला कि मैं सैक्सी हूं। इससे पहले, अगर कोई मुझे सैक्सी कहता था, तो मुझे

होने वाले बच्चे को 'संस्कृति' के करीब रखना चाहती हूं : यामी

गत वर्ष तीन फिल्मों 'लॉस्ट', 'चोर निकल के भागा', 'ओ.एम.जी. 2' में नजर आने वाली यामी गौतम अपनी हालिया फिल्म' आर्टिकल 370' में दमदार अभिनय के लिए मिली प्रशंसा से तो खुश है ही, वह जल्द ही मां बनने को लेकर भी खूब उत्साहित नजर आती है। वह और उसके पति आदित्य धर जल्द ही पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में यामी ने कहा कि अपने बच्चे को वह उस संस्कृति और परम्पराओं के करीब रखना चाहती है, जिसमें वह खुद पली-बढ़ी है।

यामी अक्सर भारतीय परम्पराओं और त्यौहारों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती नजर आती है। अब यामी ने कहा कि वह चाहती है कि उसका बच्चा भी उसी तरह भारतीय त्यौहारों की भावनाओं और परम्पराओं को समझे और सीखे, जिस तरह से वह और उसके पति आदित्य धर करते हैं।

यामी ने कहा, मुझे लगता है कि एक माता-पिता के रूप में आप हमेशा चाहते हैं कि आपका बच्चा आपकी परम्पराओं और रीति रिवाजों में बड़ा हो। यामी ने यह भी कहा कि उसे और उसके पति को उम्मीद है कि वे अपनी परम्परा को आगे बढ़ाएंगे। यामी ने हाल में गुजरे होली के त्यौहार को लेकर कहा, ₹होली खेलने से पहले हम भगवान को रंग चढ़ाते हैं। इसके बाद सभी बड़ों से शुभकामनाएं और आशीर्वाद लेते हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारा बच्चा भी इसी भावना के साथ त्यौहारों को मनाएगा।

अवॉर्ड सैरेमनी में नहीं जाती

यामी ने गत दिनों हॉलीवुड फिल्म 'ओपेनहाइमर' के एक्टर सिलियन मर्फी की खूब तारीफ की और ऑस्कर जीतने पर बधाई देते हुए अवार्ड सैरेमनी में नहीं जाने पर भी बात की।

उसने कहा, ₹पिछले कुछ सालों से मौजूदा 'नकली फिल्मी' अवॉर्ड में कोई विश्वास नहीं होने के कारण, मैंने उनमें भाग लेना बंद कर दिया है, लेकिन आज मैं एक एक्टर के लिए वास्तव में खुश महसूस कर रही हूं, जो धैर्य, लचीलेपन और कई अन्य भावनाओं के लिए खड़ा है। सबसे बड़े वैश्विक मंच पर उन्हें सम्मानित होते देखना हमें बताता है कि आखिरकार यह आपकी प्रतिभा ही है, जो किसी भी चीज से ऊपर है। बधाई हो।

कभी नहीं छोड़ सकती 'अभिनय' को : जैकलीन

"खाली समय में मैं कुछ न कुछ पढ़ती रहती हूं और मुझे लिखना भी पसंद है, इसलिए मैं थोड़ा-बहुत लिखती हूं। मैं घर पर जैज़ या शास्त्रीय संगीत सुनती हूं, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे अपनी बिल्लियों के करीब रहना पसंद है। काम की वजह से मुझे उनके साथ इतना समय बिताने को नहीं मिलता है लेकिन घर पर, मैं और मेरी बिल्लियां ही हैं।

जै क ली न फर्नांडीज के लिए पिछला साल काफी बुरा गुजरा, जब वह ठग सु के श चंद्रशेखर को लेकर गलत वजहों से चर्चा में बनी रही लेकिन साल 2024 उसके करियर के लिए अहम साबित हो सकता है क्योंकि इस साल वह कई फिल्मों में नजर आने वाली है। इ न में फतेह', 'वैल्कम टू द जंगल', हॉलीवुड स्टार जीन क्लाऊड वैन डेम के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म से लेकर एक अघोषित फिल्म शामिल है।

इनमें सबसे पहले वह सोनू सूद के साथ फिल्म 'फतेह' में नजर आएगी। यह एक एक्शन फिल्म है। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसमें काफी सारा एक्शन नजर आ रहा है। टीजर में दिखता है कि सोनू पर 50 मर्डर का इल्जाम है। बंदूकों से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए वह दुश्मनों का सफाया करता है, जबकि जैकलीन की झलक भी इसमें देखने को मिली, जो डरी और सहमी हुई-सी लग रही है। म्यूजिक वीडियो में आई नजर जैकलीन हाल ही में एक म्यूजिव वीडियो' यम्मी यम्मी' में नजर आई। अपने अभिनय के साथ ही डांस से फैन्स का मनोरंजन करने वाली जैकलीन ने इस गाने में भी धमाकेदार परफॉर्मेंस दी है। जैकलीन के इस गाने को पियूष और शाजिया ने डायरैक्ट किया है, जिसमें वह अलग-अलग अवतार में नजर आ रही है और उसकी लुक्स काफी ग्लैमरस हैं।

भविष्य की योजनाएं जैकलीन ने बॉलीवुड में काफी नाम कमाया है। एक इंटरव्यू में उससे पूछा गया कि क्या वह खुद को हमेशा के लिए शो बिजनैस का हिस्सा मानती है या उसकी भविष्य के लिए अन्य योजनाएं हैं, तो उसका कहना था, मुझे नहीं लगता कि मैं इसे कभी छोड़ पाऊंगी। एक बार आप एक कलाकार बन जाते हैं, तो हमेशा मनोरंजन, शो बिजनैस या किसी भी प्रकार की कला में खुद को अभिव्यक्त करने के तरीके खोज ही लेते हैं और मुझे नहीं लगता कि आप इसको कभी भी छोड़ सकते हैं। यह हमेशा मेरा हिस्सा रहेगा और मुझे ऐसे अवसर पसंद हैं, जो खुद को चुनौती देने में मदद करते हैं। बेशक मैं नए काम आजमा सकती हूं लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं कभी अभिनय या शोबिज को पूरी तरह से छोड़ सकूंगी।

जिन दिनों आपको अपने शरीर को आराम देने की जरूरत होती है तो ऐसा करने में कोई बुराई नहीं, वहीं जब आप जानते और समझते हैं कि आपने कई दिनों से फिटनैस पर काम नहीं किया है, तो खुद से कहते हैं कि अब आराम का समय समाप्त हो गया है और अधिक जिम्मेदार, अधिक अनुशासित बनना शुरू करना होगा। हम ये बातें जानते हैं और मुझे लगता है कि यह केवल अपने शरीर को समझने के बारे में है। एक चीज जिसने मेरी मदद की है, वह है लक्ष्य निर्धारित करना।

मैं तय करती हूं कि किसी महीने मुझे अपने शरीर के किस हिस्से पर अधिक मेहनत करनी है और उसके अगले किसी और हिस्से पर। मैं लक्ष्य निर्धारित करती हूं और उन पर टिकी रहती हूं। यह प्रक्रिया मुझे अपना शैड्यूल बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है, ताकि मैं इससे न डिगूं। खाली समय में जब वह शूटिंग में बिजी नहीं होती, तो वह क्या करना पसंद करती है, पर उसका कहना था, ₹मैं कुछ न कुछ पढ़ती रहती हूं और मुझे लिखना भी पसंद है, इसलिए मैं थोड़ा-बहुत लिखती हूं। मैं घर पर जैज या शास्त्रीय संगीत सुनती हूं, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे अपनी बिल्लियों के करीब रहना पसंद है। काम की वजह से मुझे उनके साथ इतना समय बिताने को नहीं मिलता लेकिन घर पर, मैं और मेरी बिल्लियां ही हैं, इसलिए वे हमेशा मेरा मनोरंजन करती हैं।

मुझे पता है कि यह अजीब लग सकता है, लेकिन जब मैं घर पहुंचती हूं तो चीजों को ठीक से रखना, अलमारी आदि को साफ करना या उन चीजों को हटाना पसंद करती हूं, जिनके बारे में मुझे लगता है कि मुझे अब उनकी जरूरत नहीं है और मेरा अधिकांश खाली समय इसमें ही जाता है।

जैकलीन को समाजसेवी कामों में भी दिलचस्पी है और इसके लिए उसने एक फाऊंडेशन भी बना रखी है। वह बताती है, मुझे अपने चैरिटी फाऊंडेशन, 'योलो' के साथ काम करना भी पसंद है और निश्चित रूप से, मुझे सैलून या स्पा जाने के लिए भी समय निकालना पड़ता है, ताकि मैं अपनी देखभाल पर ध्यान दे सकूं जो आपके जीवन को संतुलित करने का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

कुछ लोगों का 'अप्रैल फूल' जल्दी आ गया : प्रियंका चाहर चौधरी

'प्रियांकित' यानी प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता छोटे पर्दे की वह जोड़ी है, जो रील लाइफ से रियल लाइफ तक साथ है। दोनों ने साथ में' उडारियां' सीरियल में काम किया और वहीं से इनकी दोस्ती शुरू हुई।

इसके बाद दोनों ने 'बिग बॉस 16' में हिस्सा लिया, जहां इनका प्यार साफ देखने को मिला। कथित तौर पर दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और हाल ही में अटकलें लगी हैं कि इस साल के अंत तक दोनों शादी कर लेंगे।

प्रियंका और अंकित के फैन्स उन्हें हमेशा साथ देखना चाहते हैं और शादी की खबर से वे बेहद खुश हो गए लेकिन तभी प्रियंका ने सबकी खुशियों पर पानी फेर दिया। उसने सोशल मीडिया पर लिखा, यह मार्च है, लेकिन लगता है कि कुछ लोगों का अप्रैल फूल जल्दी आ गया है।

इससे अब यह तो साफ हो गया है कि अंकित और प्रियंका इस साल के अंत में शादी नहीं कर रहे लेकिन दोनों एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों इंस्टाग्राम पर एक साथ कई रील्स शेयर करते हैं, जिन पर उनके फैंस ढेर सारा प्यार लुटाते हैं। प्रियंका ने हमेशा अंकित के लिए अपनी फीलिंग्स का खुल्लम-खुल्ला इजहार किया है।

जयपुर में जन्मी प्रियंका चाहर चौधरी का बचपन में नाम परी चौधरी था। 2019 में उसने धारावाहिक 'गठबंधन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। धारावाहिकों के अलावा वह 'पेंडिंग लव', 'लतीफ टू लादेन', 'कैंडी ट्विस्ट' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी है।

खुशी कपूर की लगी 'लॉटरी'

श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बेटी और जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर ने फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और अब उसकी झोली में दो बड़ी फिल्में आ गिरी हैं, जो किसी लॉटरी से कम नहीं है। जहां अपनी डेब्यू फिल्म में खुशी कई सारे स्टार किड्स के साथ नजर आई थी, वहीं साल 2024 उसके लिए डबल खुशियां लेकर आया है। उसके हाथ एक ही साथ दो बड़ी फिल्में तो लगी ही हैं, सोने पर सुहागा यह, कि दोनों ही फिल्मों में खुशी लीड एक्ट्रैस है। इनमें वह बॉलीवुड के दो बड़े सितारों के बेटों के साथ दिखाई देगी।

खुशी ने धर्मा प्रोडक्शन की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साइन की है, जिसका नाम 'नादानियां' है। धर्मा प्रोडक्शन अपनी इस फिल्म के जरिए एक नए स्टार किड की लॉन्चिंग करने वाला है। इस फिल्म में खुशी के साथ सैफ करीना का बेटा इब्राहिम अली खान लीड रोल में दिखाई देगा। इब्राहिम इस फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाला है जबकि खुशी कपूर की यह दूसरी फिल्म होगी।

सिर्फ' नादानियां' ही नहीं, खुशी तमिल फिल्म' लव टुडे' के रीमेक में भी दिखेगी। 'लव टुडे' पिछले साल बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। फिल्म के हिंदी रीमेक में खुशी के साथ जुनैद खान नजर आएगा। जुनैद बॉलीवुड के मिस्टर पर्फेक्शनिस्ट आमिर खान का बड़ा बेटा है।

शुरू की 'नादानियां' की शूटिंग

हाल ही में सोशल मीडिया पर खुशी की अगली फिल्म 'नादानियां' की शूटिंग की एक तस्वीर लीक हुई, जो तुरंत ही वायरल हो गई। फिल्म की शूटिंग पुणे में चल रही है। एक सोशल मी डि या यूजर ने सोशल मी डि या पर तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि खुशी कपूर और इब्राहिम

अली खान

फिल्म की शूटिंग के लिए पुणे के एक निजी विश्वविद्यालय में मौजूद थे। सामने आई तस्वीर में खुशी कपूर गुलाबी रंग की ड्रेस पहने नजर आई, जिसके साथ उसने डैनिम जैकेट पहनी थी। इस लुक में वह बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही थी।

बताया जा रहा है कि शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर करण जौहर भी काफी उत्साहित है।

उसने अपने सोशल मीडिया हैंडल से इस फिल्म के मुहूर्त शॉट की फोटोज भी शेयर की थीं। शाउना इससे पहले 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी सहायक निर्देशक का काम कर चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, खुशी औ र इब्राहिम की इस फि ल म को सीधे ओ.टी.टी. पर रिलीज किया जाएगा। वहीं फिल्म में सुनील शैट्टी के भी शामिल होने की खबरें हैं।

औ र ओ री

मोबाइल यूजर्स के लिए सरकार की एडवाइजरी

टेलीकॉम विभाग ने कहा-फोन नंबर बंद करने की धमकी देने वाले कॉल 'फ्रॉड', इसकी शिकायत करें

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्यूनिकेशन (डीओटी) ने सभी मोबाइल यूजर्स के लिए मोबाइल नंबर बंद करने की धमकी देने वाले कॉल को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने कहा कि वह (डीओटी) किसी भी व्यक्ति को ऐसे कॉल करने के लिए अधिकृत नहीं करती है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट की ओर से जारी इस एडवाइजरी में सरकार ने बताया है कि कई लोगों को डीओटी के नाम से आ रहे कॉल पर लोगों को यह बताकर धमकाया जा रहा है कि आपका नंबर से इलीगल एक्टिविटी हुई है। आपका मोबाइल नंबर बंद कर दिया जाएगा।

वाट्सएप कॉल के लिए भी एडवाइजरी

मोबाइल नंबर बंद होने से रोकने के लिए कॉलर लोगों से पर्सनल जानकारी मांगता है। इसे देते ही लोग फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा सरकार ने विदेशी नंबर (जैसे-+92) से आने वाले वाट्सएप कॉल के लिए भी एडवाइजरी जारी की है। अगर आप ऐसे किसी फ्रॉड के शिकार हो गए हैं तो सरकार की हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercryme.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। अगर आपको कोई पैसे भेज रहा है, तो इसके लिए आपके नंबर पर कोई पिन नहीं आता है, अगर आए तो उसे शेयर ना करें। यह फ्रॉड है। कोई भी ऐप इंस्टॉल होने के बाद आपसे कुछ परमिशन मांगता है। जैसे कि लोकेशन, कैमरा, फोटो और वीडियो। लोग जल्दबाजी में बिना देखे ही ओके करते जाते हैं। ऐसा करने से बचें। किसी भी ऐप की गाइडलाइंस को ध्यान से पढ़ें।

सरकार के चक्षु पोर्टल पर कर सकते हैं शिकायत

सरकार ने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए चक्षु पोर्टल भी लॉन्च किया है। सरकार चक्षु के लिए एक ऐप बनाने पर भी काम कर रही है। अगर आपके पास धोखाधड़ी के इरादे से कोई कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप मैसेज आता है तो पोर्टल पर उसकी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। शिकायत में कॉल या एसएमएस आने का समय, तारीख और इससे जुड़ी सभी जानकारियां देनी होती हैं। रिकॉर्ड के तौर पर ऐसे कॉल या मैसेज का स्क्रीनशॉट भी होता है।

कारोबारियों को एक अप्रैल से हर हफ्ते देनी होगी गेहूं भंडार की सूचना, केंद्र सरकार का निर्देश

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र ने गेहूं की जमाखोरी व कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कारोबारियों को इसके भंडार की जानकारी हर सप्ताह सरकारी पोर्टल पर देने का आदेश दिया है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कारोबारी, थोक कारोबारी, खुदरा विक्रेता, बड़ी शृंखला वाले खुदरा विक्रेता व प्रोसेसर्स को एक अप्रैल से भंडार की घोषणा करनी होगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, भंडार की जानकारी हर शुक्रवार को सरकारी पोर्टल https://eveg-oils.nic.in/wheat/login पर अगले आदेश तक देनी होगी। सभी संबंधित वैधानिक संस्थाएं सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर भंडार की नियमित व उचित रूप से जानकारी प्रदान की जाए। केंद्र ने पिछले साल गेहूं के दाम नियंत्रित करने के लिए इसकी भंडारण सीमा तय की थी।

एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचेगा निर्यात

नए बाजारों में पहुंच से 2030 तक बढ़ेगी भारतीय उत्पादों की मांग

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से निर्यात तेजी से नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। द्विपक्षीय करार, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अफ्रीका, लैटिन अमेरिका व मध्य एशिया जैसे नए बाजारों तक पहुंच से भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक बढ़कर एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नई पहलों के साथ भारत से कीमती धातुओं, खनिजों, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक रसायन, कपड़ा, मसालों और रक्षा उपकरणों के निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है। इससे भारत से निर्यात फरवरी, 2024 में सालाना आधार पर 11.9 फीसदी बढ़कर 41.4 अरब डॉलर पहुंच गया। यह मार्च, 2023 के बाद सर्वाधिक निर्यात है। इसके अलावा, भारत ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य एशिया जैसे नए बाजारों में अप्रैल-दिसंबर, 2023 अवधि के दौरान 23.4 करोड़ डॉलर की कारों, दोपहिया-तिपहिया वाहनों व कीमती धातुओं समेत अन्य उत्पादों का निर्यात किया। एजेंसी

बेहतर संभावनाओं के बीच लक्ष्य पाना संभव

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, मध्य से लंबी अवधि में भारतीय निर्यात को लेकर संभावनाएं काफी उत्साहजनक हैं। हम 2030 तक एक-एक लाख करोड़ डॉलर की वस्तुओं व सेवाओं दोनों के निर्यात लक्ष्य तक पहुंचने की दिशा में अग्रसर हैं। हालांकि, 2024-25 की पहली तिमाही में उच्च महंगाई व विभिन्न देशों के बीच तनाव से निर्यात के मोर्चे पर भारत को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहाय ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी फेड रिजर्व अपनी अगली समीक्षा में दरों में कटौती करना शुरू कर देगा। इससे अन्य देश के केंद्रीय बैंक भी दरें घटाने को प्रेरित होंगे, जिससे मांग को बढ़ावा मिलेगा।

लाल सागर संकट को भारत ने बनाया अवसर

फियो महानिदेशक ने कहा, हम बहुत ही कम अवधि में संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि देख रहे हैं। इन देशों में निर्यात में बहुत तेज वृद्धि हो रही है। मौजूदा लाल सागर संकट पर उन्होंने कहा, यह वैश्विक व्यापार के लिए एक नई चुनौती है। लेकिन, भारत ने चतुराई से इस विपरीत स्थिति को अवसर में बदल दिया है। केप ऑफ गुड होप के जरिये लंबे मार्गों को अपनाने से अफ्रीका-अमेरिका में नए बाजार खुल रहे हैं।

सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवे सप्ताह शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। 22 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.631 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है।

आरबीआई रिपोर्ट की खास बातें

पांचवे सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा कोष में 140 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वोच्च स्तर 2021 में देखा गया था। उस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। आरबीआई का कहना है कि 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 347 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ा है। इस बढ़त के बाद भारत को गोल्ड रिजर्व 51.487 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई को कहना है कि इस दौरान एसडीआर यानी विशेष आहरण अधिकार घटा है। भारत का एसडीआर 57 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 18.219 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर कम होकर 4.662 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौन विदेशी मुद्रा संपत्ति 123 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 568.264 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है।

नई बीमा पॉलिसी एक अप्रैल से सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में होंगी जारी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप 1 अप्रैल 2024 के बाद बीमा खरीदने वाले हैं, तो अब यह आपको सिर्फ डिजटल फॉर्मेट में ही मिलेगा। क्योंकि अब बीमा कंपनी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के पॉलिसीधारकों के हितों के संरक्षण नियमों के अनुसार पॉलिसी सिर्फ डिजिटल रूप में जारी करेगी। नए नियमों के मुताबिक, बीमा कंपनियों के लिए डीमैट फॉर्म में पॉलिसी जारी करना अनिवार्य है और अब इसे चार बीमा रिपोजिटरी - सीएएमएस रिपोजिटरी, कार्वी, एनएसडीएल डेटाबेस मैनेजमेंट (एनडीएमएल) और सेंट्रल इंश्योरेंस रिपोजिटरी ऑफ इंडिया द्वारा सुगम बनाया जाएगा।

जी ने टीआईसी के 50% एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। जी एंटरटेनमेंट ने बेंगलुरु स्थित अपने टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन सेंटर (टीआईसी) के 50% एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाल दिया है।

कंपनी ने यह छंटनी कॉस्ट कटिंग यानी लागत में कटौती और अपने ऑपरेटिंग मार्जिन को बढ़ाने के लिए किया है। जी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि जी एंटरटेनमेंट के बोर्ड से मिली गाइडेंस के बाद टीआईसी को रिस्ट्रक्चर किया गया है।

जी बोर्ड ने हाल ही में मैनेजमेंट टीम से वित्त वर्ष 2025 के लिए टीआईसी के खर्च को 600 करोड़ से 50% कम करने को कहा था। जी के एमडी और सीईओ पुनीत गोयनका ने कहा- हम एक्सेप्शनल कंटेंट बनाने पर फोकस्ड हैं। इसे अचीव करने के लिए हमें एक क्रिएटिव एप्रोच, डिटेल्ड कंज्यूमर इनसाइड और फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के मिक्सअप की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये कदम कंपनी के लिए कंटिन्यू ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए रिसोर्सेज को अनुकूलित करने और कॉस्ट इफैक्टिव स्ट्रक्चर तक पहुंचने के अप्रोच के अनुरूप हैं।

टीआईसी की सुव्यवस्थित टीम अब केवल कंटेंट क्रिएशन, डिस्ट्रीब्यूशन और मोनेटाइजेशन की प्रोसेस में हमें सक्षम और सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। जी एंटरटेनमेंट 20% ऑपरेटिंग मार्जिन तक पहुंचना चाहता है।

फर्जी जीएसटी दस्तावेज बनाने वालों पर कसी नकेल

20,000 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी, सबसे ज्यादा मामले इस राज्य में

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। जीएसटी में फर्जीवाड़े के कई मामले सामने आए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी अधिकारियों ने जारी वित्त वर्ष में 19,260 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावों को पकड़ा है. इस तरह के कुल 1999 मामले सामने आए हैं. हर साल इस तरह के कई मामले सामने आते हैं. पिछले साल भी फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के 1,940 मामले सामने आये थे जिसमें 13,175 करोड़ रुपये का रिफंड मांगा गया था.

इसमें से अधिकारियों ने 1,597 करोड़ रुपये बरामद किए और 68 गिरफ्तारियां की गईं. इस साल रुपयों के लिहाज से फर्जीवाडे.में 49% की वृद्धि देखी गई है. ऐसे फर्जी मामलों में आईटीसी के दावे शामिल होते हैं, जहां वस्तुओं या सेवाओं की कोई रियल सप्लाई नहीं की गई होती है. लेकिन इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिए पैसा क्लेम किया जाता है. इन मामलों से निपटने की औसत दर 12.71% बताई गई है.

कहां आए सबसे ज्यादा मामले?

फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट के सबसे ज्यादा मामले इस बार गुजरात में आए हैं. इसके बाद पश्चिम बंगाल और हरियाणा का नंबर आता है. गुजरात में ऐसे 241 मामले, पश्चिम बंगाल में 227, हरियाणा में 186, असम में 168, राजस्थान में 143, महाराष्ट्र में 130, कर्नाटक में 122 और दिल्ली में 105 मामले सामने आए हैं. हालांकि, रकम के लिहाज से देखा जाए तो हरियाणा और दिल्ली में फर्जी आईटीसी के सबसे बड़े मामले सामने आए हैं. जीएसटी इनपुट-टैक्स-क्रेडिट के फर्जी आईटीसी दावों पर नकेल कसना विभाग के लिए शुरू से ही सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है और विभाग लगातार इस पर फोकस कर रहा है.

क्या होता है इनपुट टैक्स क्रेडिट?

एक मैन्युफक्चरर जब कोई सामान खरीदता है तो उस पर टैक्स देता है. वह जब कोई सामान बेचता है तो उस पर टैक्स कलेक्ट करता है. इन दोनों टैक्स के अंतर को इनपुट टैक्स क्रेडिट में एडजस्ट करके जीएसटी विभाग से पैसा वापस लिया जाता है. दूसरे शब्दों में कहें तो जीएसटी की देनदारी को घटाया जाता है. उदाहरण से समझें- निर्माता ने सामान बेचा और उस पर 450 रुपये का टैक्स दिया. मान लेते हैं कि इस सामान को बनाने के लिए जो प्रोडक्ट खरीदा था उस पर 300 रुपये का टैक्स दिया गया था।

40,000 फ्रेशर्स को नौकरी दे सकती है टीसीएस

2024 में पासआउट होने वाले छात्रों को मौका मिलेगा, 11 लाख रुपये तक सालाना पैकेज का ऑफर

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारत की टेक कंपनी टीसीएस यानी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज फ्रेशर्स को नौकरी देगी। कंपनी ने 2024 के बी-टेक, बीई, एमसीए, एमएससी और एमएस के छात्रों से एप्लिकेशन मांगी हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि फ्रेशर्स के लिए कितनी सीटें उपलब्ध हैं। पिछले साल, यह बताया गया था कि 40,000 तक वैकेंसीज उपलब्ध थीं।

टीसीएस ये हायरिंग तीन कैटेगरी-नींजा, डिजिटल और प्राइम में करेगी। निंजा कैटेगरी को 3.36 लाख रुपये, डिजिटल को 7 लाख और प्राइम को 9 लाख से 11 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा।

10 अप्रैल तक अप्लाई कर सकेंगे, 26 को टेस्ट होगा

इन कैटेगरी में जॉब के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 10 अप्रैल है और टेस्ट 26 अप्रैल को होगा। टीसीएस के मैनेजमेंट ने जनवरी में कहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 से लिए फ्रेशर्स की रिक्रूटमेंट प्रोसेस शुरू हो चुकी है। कंपनी अभी कॉलेजों में विजिट कर रही है।

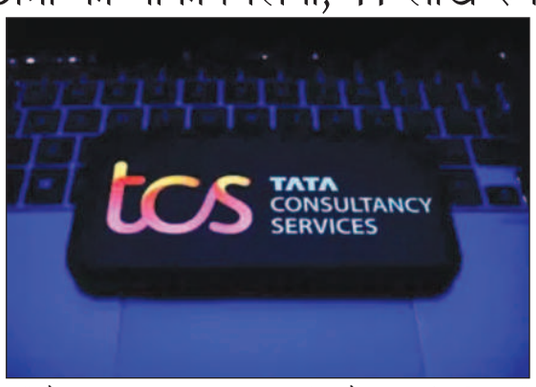

बिजनेस प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट के लिए भी निकाली वैकेंसी

कंपनी ने आर्ट, कॉमर्स और साइंस ग्रैजुएट्स के लिए भी हायरिंग शुरू की है। इन्हें बिजनेस प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट (बीपीएस) के तौर पर हायर किया जा रहा है। टीसीएस वेबसाइट के करियर पेज के अनुसार, सभी आवेदकों को 14 अप्रैल से पहले रजिस्टर होना होगा।

तीसरी तिमाही के अंत में टीसीएस में 6.03 लाख कर्मचारी थे

टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या तीसरी तिमाही के अंत में 10,669 घटकर 603,305 रह गई थी। टीसीएस 12 अप्रैल को वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों की रिपोर्ट जारी करेगी। इसमें एट्रीशन की जानकारी भी शामिल होगी।

चीफ एचआर बोले-नए लोगों को कंपनी से जुड़ने का उत्साह

टीसीएस के चीफ एचआर मिलिंद लक्कड़ ने दिसंबर में कहा था, हमने अगले साल के लिए अपनी कैंपस हायरिंग प्रोसेस शुरू कर दी है और नए लोगों के बीच टीसीएस जुड़ने के लिए जबरदस्त उत्साह देखा है। तब उन्होंने हायरिंग की संख्या नहीं बताई थी। उन्होंने कहा था संख्या बड़ी होगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन ..	05-21 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	मेष--	06-57 बजे
मंगल	कुंभ में	वृष--	08-44 बजे
बुध-	मेष पें	मिथुन..	10-44 बजे
गुरु-	मेष में	कर्क...	12-56 बजे
शुक्र-	कुंभ में	सिंह...	15-07 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-14 बजे
राहु-	मीन में	तुला....	19-20 बजे
केतु-	कन्या में	वृश्चिक..	21-09 बजे
		धनु.....	23-44 बजे
		मकर...	00-49 बजे
		कुंभ....	03-40 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत -**1945**, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-14 सूर्यास्त. -18-25
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् -**5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - **21:31** - तक उपरान्त सप्तमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , रविवार **31 March**
नक्षत्र - ज्येष्ठा- **22 - 56** - तक उपरान्त मूल
योग - व्यतिपात - **21 - 52** - तक उप वरियान
करण- गर - **09 - 27** - तक उप- वणिज
विशेष:- एकनाथ षष्ठी
व्रत -त्योहार - मीन मे शुक्र-**16 -46** से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:56 से 18:28 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:14 - 07:44 अशुभ	शुभ	18:25 - 19:56 शुभ
चंचल	07:44 - 09:16 शुभ	अमृत	19:56 - 21:24 शुभ
लाभ	09:16 - 10:48 शुभ	चंचल	21:24 - 22:52 शुभ
अमृत	10:48 - 12:20 शुभ	रोग	22:52 - 24:20 अशुभ
काल.	12:20 - 13:52 अशुभ	काल	24:20 - 01:48 अशुभ
शुभ.	13:52 - 15:24 शुभ	लाभ	01:48 - 03:16 शुभ
रोग	15:24 - 16:56 अशुभ	उत्पात	03:16 - 04:44 अशुभ
उत्पात	16:56 - 18:25 अशुभ	शुभ.	04:44 - 06:14 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपकी किस्मत आपके साथ है आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें आज कोई दोस्त मिल सकता है दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कोडरमा से विनोद सिंह होंगे भाकपा-माले के उम्मीदवार

बीजेपी की अन्नपूर्णा देवी से मुकाबला कहा- संसद पहुंचा तो झारखंड के मुद्दे गूंजेंगे

कोडरमा, 30 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा लोकसभा सीट पर भाकपा-माले ने अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। बगोदर के विधायक विनोद कुमार सिंह भाकपा माले की तरफ से आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन के उम्मीदवार हैं। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अन्नपुर्णा देवी चुनावी मैदान में हैं। गिरिडीह जिले की बगोदर विधानसभा सीट से विनोद सिंह भाकपा माले के टिकट पर 3 बार विधायक चुने जा चुके हैं। वर्तमान में भी वह विधायक हैं। नाम के ऐलान के तुरंत बाद फोन पर हुई बातचीत में विनोद कुमार सिंह ने कहा कि मैं अभी पार्टी को धन्यवाद देना चाहता हूं। पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है। बगोदर विधायक बोले अगर जनता बदलाव करती है, तो हम जनता के लिए काम करेंगे। हम उन लोगों में से हैं जो बड़े-बड़े दावे नहीं करते लेकिन अगर जीत कर आए तो जनता जरूर बदलाव और हमारा काम देखेगी। भाजपा झारखंड को निशाना बना रही है। इस पार्टी के

सबसे ज्यादा सांसद हैं लेकिन झारखंड की आवाज सदन में सुनाई नहीं देती। झारखंड के सवाल सदन में नहीं है। हम पहुंचे तो झारखंड के मुद्दे सदन में गूजेंगे। हम सिर्फ सदन में नहीं सड़क पर भी जनता के साथ खड़े रहते हैं। बगोदर की जनता यह अच्छी तरह जानती है कि हम उनकी आवाज रहे हैं, जनता के हर मुद्दे में हम उनके साथ खड़े रहे हैं। भ्रष्टाचार का मामला हो या जनता की कोई भी समस्या हो हम सदन से लेकर सड़क तक जनता के साथ खड़े रहे हैं। जनता भी यह देख चुकी है भाजपा को इतनी बार मौका देने के बाद भी उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ है। अब भी इस क्षेत्र में काफी समस्या है। 2019 लोकसभा चुनाव में कोडरमा सीट से बीजेपी की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी यादव जीती थी। जेवीएम(पी) के बाबूलाल मरांडी 2,97,416 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे। सीपीआई(एमएल)एल के राज कुमार यादव 68,207 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर थे। एआईटीसी की कंचन कुमारी 14,119 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रही थी. कोडरमा लोकसभा सीट पर 65.88 फीसदी वोटिंग हुई थी। कोडरमा लोकसभा सीट में तीन जिलों के कुल 6 विधानसभा सीट आती है, जिसमें कोडरमा से कोडरमा विधानसभा, हजारीबाग से बरकट्ठा विधानसभा सीट और गिरिडीह से जमुआ, धनवार, बगोदर और गांडेय विधानसभा सीट शामिल है। बगोदर से विनोद कुमार सिंह की स्थिति मजबूत रही है यही वजह है कि यह सीट इनके हिस्से गई है।

झामुमो छोड़ भाजपा में आईं सीता सोरेन की मांग- पति की मौत मामले की जांच हो

ननद ने 'समय' पर उठाए सवाल

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड की राजनीति लगातार सुर्खियों में है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद सत्ताधारी दल- झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में कथित तौर पर बिखराव हो रहा है। सियासत का आलम यह है कि कुछ ही दिन पहले झामुमो छोड़ भाजपा में आईं सीता सोरेन ने पति दुर्गा सोरेन की मौत के मामले में जांच की मांग की है।

इसी बीच ओडिशा की राजनीति का चर्चित चेहरा बन चुकीं सीता की ननद अंजनी सोरेन ने जांच की मांग करने की 'टाइमिंग' पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सवाल किया है कि देश की चुनावी सरगर्मियों के बीच सीता जांच की मांग क्यों कर रही हैं। अंजनी ने सीता के झामुमो में रहने के दौरान सीता के मौन रहने पर भी सवाल खड़े किए।

हेमंत सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर सकती है ईडी

आज पूरे हो रहे गिरफ्तारी के 60 दिन, जमीन घोटाला मामले में हुए थे अरेस्ट

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। रांची के बड़गाईं अंचल के 8.46 एकड़ के जमीन घोटाले में झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय 30 मार्च यानी आज स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर सकती है। इस मामले में एजेंसी ने जांच लगभग पूरी कर ली है। हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उनकी न्यायिक हिरासत के 60 दिन आज 30 मार्च को पूरे हो रही है। नियम है कि किसी अभियुक्त की गिरफ्तारी के 60 दिन के भीतर चार्जशीट फाइल करना अनिवार्य होता है। ईडी ने इन 60 दिनों में पूर्व सीएम को 13 दिनों की रिमांड में लेकर लंबी पूछताछ भी की हैं। अब चार्जशीट दाखिल करना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि चार्जशीट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ईडी ने जिस मामले में

हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है, उसका जिक्र पहले ही पीएमएलए कोर्ट में किया जा चुका है।

कोर्ट में दिए आवेदन में ईडी ने बताया था कि पूर्व में जमीन घोटाले में गिरफ्तार बड़गाईं के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के ठिकाने से बरामद दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य से यह साबित हुआ था कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 8.46 एकड़ विवादित जमीन को हड़पने के लिए उस पर बाउंड्री करवा दी थी। अब कागज में हेराफेरी होनी थी कि ईडी का छापा पड़ गया और पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। जिस जमीन घोटाला मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया है। वह 8.46 एकड़ है। यह जमीन बरियातू डीएवी के पीछे है। पूरी जमीन 12 प्लॉट में बंटी हुई है। ईडी के मुताबिक इसी जमीन को हेमंत सोरेन ने अपने नाम से लिया था।

जमीन खरीदने में कागजात की हेराफेरी की गई थी। तत्कालीन आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर ईडी के जांच शुरू की। जमीन घोटाला मामले में 14 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें 1 फरवरी को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में पेश किया गया। ईडी ने उनसे कुल 13 दिन पूछताछ की है। दो बार 5-5 दिन फिर 3 दिन की रिमांड ईडी को दी गई थी। पहले पांच दिनों की रिमांड 3 फरवरी से शुरू हुई जो सात फरवरी तक चली। दूसरी रिमांड अवधि 12 फरवरी को समाप्त हुई। 12 फरवरी को 5 दिनों की रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद तीन दिन की रिमांड दी गई जो 15 फरवरी को समाप्त हुई।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से रिमांड के दौरान जांच एजेंसी ने बड़गई अंचल की बरियातू स्थित जमीन के मामले में पूछताछ की। लेकिन ईडी को कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी है। ईडी के सवालों का पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कोई स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं दी। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि वह जमीन उनके कब्जे में है। 13 दिनों की रिमांड में ईडी ने उनसे बड़गाई अंचल स्थित 8.46 एकड़ जमीन के अलावा उनकी अचल और चल संपत्तियों के बारे में भी पूछताछ की गई।

बीजेपी नेता और बिल्डर के ठिकाने पर आईटी का छापा

दुर्ग, 30 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के बड़े बिल्डर और बीजेपी नेता चतुर्भुज राठी के घर पर शनिवार को आईटी की छापेमारी की है। रायपुर आईटी टीम ने पुलगांव रोड पर महेश कॉलोनी स्थित उनके दफ्तर पर दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस के जवान मौजूद है। जिस कार्यालय में आईटी के अधिकारियों ने दबिश दी है, वहां भाजपा नेता चतुर्भुज राठी की अमर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एआईएल-डीआरए और टीएआर कारपेट प्राइवेट लिमिटेड का कार्यालय संचालित हो रहा है।

बताया जा रहा है कि इन 3 अलग-अलग कंपनियों के जरिए राठी ने इनकम टैक्स की चोरी की है। लेकिन अभी तक आंकड़ा सामने नहीं आया है। वर्तमान में आईटी के अधिकारी पूरे कार्यालय को सील कर कार्रवाई कर रहे हैं। शाम तक कुछ स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। चतुर्भुज राठी दुर्ग जिले के बड़े व्यापारी हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले भाजपा में प्रवेश किया था। उन्होंने दुर्ग शहर से विधानसभा की जोरों से दावेदारी की थी। इन्होंने अपने धन बल के जरिए पूरे शहर में अपनी दावेदारी के बैनर पोस्टर लगाए थे। भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों में इस दावेदारी को लेकर कुछ विरोध भी शुरू हो गया था। बाद में चतुर्भुज राठी को विधानसभा का टिकट न देकर गजेंद्र यादव को दिया गया था।

शराब माफिया पर एक्शन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 30 मार्च (एजेंसियां)। अवैध तरीके से कच्ची शराब बनाने वाले व्यक्तियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग ने दो प्रकरणों में 56 लीटर कच्ची महुआ शराब और 585 किलोग्राम महुआ वाहन जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पेंड्रा से सटे बंधी गांव में लगातार कच्ची अवैध महुआ शराब बनाने और उसके बिक्री करने की शिकायत लगातार आबकारी विभाग के उप निरीक्षक दीपक सिंह ठाकुर को मिल रही थी। जिसके बाद आबकारी विभाग भी मौके की तलाश में था, तभी आबकारी विभाग को मुखबिरों से सूचना मिली कि पेंड्रा के बंधी गांव में रहने वाले रमेश साहू और सुजीत साहू बड़ी मात्रा में अवैध तरीके से देशी महुआ शराब बना रहे हैं। जिसके बाद आबकारी विभाग की टीम उप निरीक्षक दीपक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पेंड्रा थानाक्षेत्र के बंधी गांव में दबिश देते हुए रमेश साहू और सुजीत साहू के ठिकाने पर दबिश दी और वहां से भारी मात्रा में देशी कच्ची महुआ शराब और महुआ के वाहन को जब्त किया है।

रांची से अयोध्या जा रही बस को ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत नौ घायल

रोहतास, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास में खड़ी हुई एक टूरिस्ट बस को तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। घटना रोहतास पुलिस मुख्यालय डिहरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-2 की है। यह हादसा शनिवार सुबह डेहरी नगर थानाक्षेत्र के एनएच-2 पर जवाहर सेतु के पास हुआ। दरअसल, श्रद्धालुओं की बस झारखंड के रांची से उत्तर प्रदेश के अयोध्या दर्शन करने जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, रांची से श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या जा रही बस डिहरी के पास अचानक खराब हो गई थी, जिसकी मरम्मत करवाने के बाद श्रद्धालु जैसे ही बस में चढ़ रहे थे। तभी तेज रफ्तार से आ रहे कोयला लदे ट्रक ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी।

इस दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची डेहरी नगर थाना पुलिस ने घायलों को अनुमंडल अस्पताल डेहरी पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया। वहीं, बाकी सभी घायलों का इलाज अनुमंडल अस्पताल डिहरी में ही चल रहा है। इधर, घायलों का इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल में कुल दस लोग आए थे। उनमें से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं, घायलों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही थी, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाकी सभी का इलाज जारी है। वहीं, मौके पर पहुंचे ट्रैफिक डीएसपी आदिल बेलाल ने कहा कि रांची से अयोध्या जा रही बस में कोयला लदे ट्रक ने टक्कर मार दी है। इस दुर्घटना में एक की मौत हो गई है। बाकी सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है और यातायात सुचारु रूप से चालू कर दिया गया है।

रजिस्ट्री का तय लक्ष्य नहीं हो पाया पूरा

रजिस्ट्री के नए सिस्टम और आचार संहिता ने कम की जमीन की खरीदी-बिक्री, इस साल 3 महीने में 197 करोड़ ही मिले

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पहले रजिस्ट्री के नए सिस्टम और फिर आचार संहिता की वजह से इस साल जमीन की खरीदी-बिक्री कम हो रही है। पिछले साल केवल मार्च में 125 करोड़ से ज्यादा की रजिस्ट्री हुई थी। लेकिन इस साल 1 जनवरी से 27 मार्च 2024 तक 197 करोड़ की रजिस्ट्री हो पाई है। इस साल जनवरी में करीब 58 करोड़ और फरवरी में 56 करोड़ की रजिस्ट्री हुई है। लेकिन पिछले साल इन दो महीनों में 150 करोड़ से ज्यादा की रजिस्ट्री दर्ज की गई थी। कम रजिस्ट्री होने की वजह से इस साल अभी तक रजिस्ट्री का तय लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पाया है।

दरअसल आचार संहिता लगने की वजह से यह तय हो गया है कि अभी 1 अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन यानी जमीन की सरकारी कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। कलेक्टर गाइडलाइन बढ़ेगी या नहीं इसका फैसला 4 जून के बाद ही होगा। इस वजह से भी लोग अभी इस बार फरवरी और मार्च में रजिस्ट्री नहीं करवा रहे हैं। क्योंकि अप्रैल से जून तक कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। हर वित्तीय साल यानी 1 अप्रैल से 31 मार्च तक सबसे ज्यादा रजिस्ट्री आखिरी महीने मार्च में ही होती है। मार्च में औसतन हर साल 10 हजार से ज्यादा लोग रजिस्ट्री करवाते हैं। लेकिन इस साल अभी तक 5438 लोगों ने ही जमीन का पंजीयन करवाया है। छुट्टी के दिनों में भी रजिस्ट्री होने के बावजूद अभी तक यह आंकड़ा नहीं बढ़ रहा है। पिछली सरकार ने कलेक्टर गाइडलाइन में 30 फीसदी की छूट दी थी। राज्य सरकार की ओर से यह आदेश 31 मार्च 2024 तक के लिए जारी किया गया था। ऐसे में नई सरकार ने अब तक इस मामले में कोई आदेश जारी नहीं किया है। इधर दूसरी ओर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि कलेक्टर गाइडलाइन की कीमत में जो 30 फीसदी की कमी की गई थी वो 31 मार्च को खत्म हो जाएगी। यानी 1 अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन यानी जमीन की सरकारी कीमत में 30 फीसदी की छूट खत्म हो जाएगी। इससे बाजार और सरकारी कीमत लगभग बराबर हो जाएगी।

कांग्रेस बोली- मंत्री नेताम ने होली मिलन में लोगों को कराया भोज और पिलाई भांग

चुनाव आयोग में की शिकायत

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस में जमकर शिकवा-शिकायत देखने को मिल रही है। दोनों एक दूसरे की शिकायत और खींचतान में लगी हुई हैं। एक दूसरे के लोकसभा प्रत्याशियों और नेताओं की शिकायत करने से पीछे नहीं हट रही हैं। प्रत्याशी पर दबाव बनाने और अयोग्य घोषित कराने के फिराक में लगातार मौके की तलाश में हैं। ताजा मामला छत्तीसगढ़ के मंत्री रामविचार नेताम का है। कांग्रेस ने नेताम की ओर से उनके गृहग्राम में होली मिलन कार्यक्रम में लोगों को भोजन कराने और भांग पिलाने के मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है। इसके अलावा रायपुर मेडिकल कॉलेज हाल में बीजेपी के सम्मेलन को लेकर भी चुनाव आयोग में शिकायत की है। दोनों मामले में दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस ने ज्ञापन में लिखा है कि वर्तमान में पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू है, ऐसे में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने गृहग्राम में आयोजित होली

मिलन कार्यक्रम में लोगों को भोजन कराया और भांग पिलाई। यह आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। कांग्रेस कमेटी विधि विभाग का कहना है कि छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री ने आदर्श आचार संहिता का मजाक उड़ाया है। बिना किसी डर और भय के आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन किया है।

दूसरे शिकायत में कहा कि भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने 31 मार्च 2024 को पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम रायपुर में बीजेपी का सम्मेलन कराया। शासकीय भवन के ऑडिटोरियम पार्टी का कार्यक्रम कराना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। सम्मेलन कीअनुमति दिया जाना भी आदर्श आचार संहिता का मजाक उड़ाना है। ज्ञापन सौंपने वालों में कांग्रेस विधि विभाग प्रदेश अध्यक्ष देवा देवांगन, नंदकुमार पटेल, मनोज कुमार सोनकर, सादिक अली, अंकित कुमार मिश्रा, ज्ञानेश्वर यदु, रवि शर्मा आदि मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में युवक पर हमला

हंसिये से पीठ, गले, गर्दन पर किया जानलेवा वार लहूलुहान हालत में घायल को पहुंचाया गया अस्पताल

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो बदमाशों ने दिनदहाड़े एक युवक पर हमला कर दिया। ये हमला युवकों ने हंसिया और चाकू जैसे हथियारों से किए, जिसके बाद घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में आजाद चौक पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है।

प्रकाश यादव ने थाने में एफआईआर दर्ज करवाई कि वह सेल्स टैक्स ऑफिस में चपरासी है। गुरुवार की सुबह वह ऑफिस जाने के लिए रामसागरपारा इलाके के घोड़ा मिल के पास खड़ा था, तभी वहां पर दो बदमाश मुकेश निषाद और शकीब आ गए। उन्होंने आपसी पुरानी रंजिश और मारपीट को लेकर प्रकाश से बहस शुरू कर दी।

दोनों आरोपी प्रकाश से गालीगलौज करने लगे। जब प्रकाश ने ऐसा करने से मना किया, तो उन्होंने हाथापाई शुरू कर दी। तभी मुकेश निषाद ने अपने हाथ में रखे हंसिया से प्रकाश के पीठ, गले और गर्दन पर वार कर दिया।

बताया जा रहा है कि प्रकाश ने हंसिया छीनकर फेंक दिया, तो आरोपियों ने उस पर चाकू से भी वार कर दिया। इसके बाद लहूलुहान हालत में प्रकाश को आसपास मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

इस मामले की सूचना मिलते ही आजाद चौक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ शुरू की। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। दोनों आरोपियों की तलाश जारी है।

किराए के मकान में रहकर करते थे साइबर धोखाधड़ी

छापेमारी के दौरान 10 अपराधी गिरफ्तार

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में कम से कम 10 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किया गया है। चियांकी क्षेत्र में शुक्रवार को छापेमारी के दौरान पुलिस ने साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। मेदिनीनगर (ग्रामीण) थाना प्रभारी उत्तम कुमार ने कहा, ये सभी साइबर अपराधी एक किराए के घर में रह रहे थे। अलग-अलग जगहों से अपराधी ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्लिकेशन के जरिए अपने शिकार को फंसाकर साइबर धोखाधड़ी करते थे। उन्होंने आगे बताया कि छापेमारी के दौरान उनके पास से 23 मोबाइल फोन, आठ कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

पांच लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

सबजोनल कमांडर है नेशनल भुईयां 11 आपराधिक मामलों में है नामजद

लातेहार, 30 मार्च (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने भाकपा माओवादी के पांच लाख के इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली नागेश्वर भोक्ता उर्फ नागेश्वर गंझू उर्फ नेशनल भुईयां उर्फ जीनियस झीरमत कोमा, बरियातू लातेहार का रहने वाला है और गारू थाना क्षेत्र के लोहरगढ़ा और मिरचईया जंगल से गिरफ्तार किया गया है।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के लिए नेशनल भुईयां अपने दस्ते के साथ लोहरगढ़ा व मिरचईया जंगल में एक्टिव था। इसकी सूचना मिलने के बाद बरवाडीह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेंकटेश कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी टीम जैसे ही जंगल में पहुंची। पुलिस को देखकर दस्ता में शामिल सभी नक्सली भागने लगे। पुलिस ने जंगल को घेराबंदी किया और एक

नक्सली को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली से पूछताछ की गई तो उसने अपने आप को भाकपा माओवादी के सब जोनल कमांडर बताया। उन्होंने बताया कि मेरा नाम नेशनल भुईयां है। एसपी ने बताया कि नेशनल भुईयां पर 17 सीएलए, यूएपीए, आर्म्स एक्ट के तहत विभिन्न थानों में कुल 11 मामले दर्ज है। जिसमें बारेसाढ थाना में पांच, महुआडांड में तीन, गारू में दो व नेतरहाट थाना में एक आपराधिक मामले दर्ज है।

छापेमारी अभियान में बरवाडीह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेंकटेश कुमार, गारू थाना प्रभारी सोनू कुमार, बारेसाढ थाना प्रभारी अजीत कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक देवेंद्र कुमार, पुलिस केंद्र लातेहार के सैट-1, गारू थाना के सैट- 6 और बारेसाढ थाना के सैट-2 के जवान शामिल थे।

एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि सब जोनल कमांडर नेशनल भुईयां की गिरफ्तारी से भाकपा माओवादी को बड़ा झटका लगा है। रीजनल कमेटी सदस्य छोटू खरवार का खास सदस्य है।

दूसरे दिन भी रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे ईओडब्ल्यू-एसीबी अफसर

कोयला-शराब स्कैम, महादेव ऐप के आरोपियों से पूछताछ समीर विश्नोई और सूर्यकांत तिवारी से सवाल-जवाब

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। एसीबी की टीम कोयला-शराब घोटाले और महादेव सट्टा ऐप के आरोपियों से रायपुर सेंट्रल जेल के अंदर पूछताछ कर रही है। पूछताछ का आज दूसरा दिन है। जेल सूत्रों के मुताबिक ईओडब्ल्यू की टीम आज निलंबित आईएएस समीर विश्नोई और सूर्यकांत तिवारी से सवाल जवाब कर रही है। दरअसल, शुक्रवार को ईओडब्ल्यू की टीम अरोपियों से पूछताछ करने गई थी। करीब 10 घंटे की पूछताछ के बाद रात 8 बजे टीम बाहर निकली। रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ के लिए 29 मार्च से 2 अप्रैल के बीच पूछताछ की अनुमति दी है।

ईडी की स्पेशल कोर्ट में एसीबी की ओर से तीन आवेदन पेश किए गए थे। आवेदन में कहा गया था कि घोटाली की आगे की जांच के लिए जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ करना जरूरी है। कोर्ट ने आवेदन को स्वीकार करते हुए जेल में ही पूछताछ की अनुमति दी है। शराब घोटाला केस में सेंट्रल जेल में बंद अरविंद सिंह, महादेव सट्टेबाजी ऐप के आरोपी असीम दास, भीम यादव और सतीश चंद्राकर से पूछताछ होगी। इसके अलावा कोयला घोटाला मामले में निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, शिवशंकर नाग और नायर से भी सवाल-जवाब होंगे। एसीबी ने कोयला, शराब घोटाला और महादेव सट्टा ऐप केस में पिछले दिनों एफआईआर दर्ज की थी। इन सभी मामलों में ईडी की ओर से एसीबी को रिपोर्ट दी गई थी। कहा गया कि - ईडी ने पीएमएलए के तहत इन मामलों में कार्रवाई की है।

जादूगर की तोते में तो बीजेपी की जान ईवीएम में

कांग्रेस ने कहा- इनकम टैक्स का नोटिस केंद्र सरकार की तानाशाही

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के ईवीएम को लेकर दिए बयान के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। मामले में पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर हमलावर हैं। आरोप-प्रत्यारोप लगाकर निशाना साध रहे हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी नेताओं की ओर से ईवीएम के पक्ष में की जा रही बयानबाजी यह साबित करती है कि उसकी जान ईवीएम में बसती है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जैसे जादूगर की जान तोते में होती है, वैसे ही बीजेपी की जान ईवीएम में बसती है। जब भी ईवीएम के खिलाफ कोई तार्किक तथ्य, कोई बयान आता है, तो भाजपाई तिलमिला जाते हैं। ईवीएम के खिलाफ बोलने वाले को राष्ट्रद्रोही साबित करने में लग जाते हैं। आखिर बीजेपी बैलेट पेपर से चुनाव कराने से क्यों डरती है?

शुक्ला ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता और विश्वसनीयता दोनों ही सर्वोपरि होनी चाहिये। आज देश के नागरिकों, मतदाताओं और

प्रबुद्धजनों का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो लगातार ईवीएम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है। इन सवालों का समाधान होना चाहिये न कि इन सवालों को बहुमत के अतिवाद में दबाया जाना चाहिये। देश के सभी प्रमुख विपक्षी दल ईवीएम के साथ पचास फीसदी वीवीपैट पर्चियों का मिलान करवाना चाहता है तो इसका भाजपा क्यों विरोध कर रही है? भाजपा बताएं निष्पक्ष चुनाव होने देने में उसको डर क्यों लग रहा है?

'जब विपक्ष में थी बीजेपी,तो ईवीएम का करती थी विरोध'

उन्होंने कहा कि बीजेपी जब विपक्ष में थी तब ईवीएम का विरोध करती थी। केन्द्र में मोदी सरकार बनने के बाद से ही अचानक भाजपा ईवीएम की समर्थक बन गयी। भाजपा की केन्द्र सरकार बनने के बाद लगातार ईवीएम की निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। कांग्रेस सहित देश के 17 राजनैतिक दलों के लोगों ने ईवीएम से चुनाव कराने का विरोध करते हुये केन्द्रीय निर्वाचन आयोग को ज्ञापन सौंपा था। देशभर में ईवीएम के खिलाफ वातावरण है।

'बीजेपी कर रही संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग'

उन्होंने इनकम टैक्स विभाग की ओर से कांग्रेस को 1 हजार 823.08 करोड़ रुपए जमा करने की नोटिस को केंद्र सरकार की तानाशाही रवैया बताया है। कहा कि, देश में लोकसभा चुनाव के समय प्रमुख विपक्षी दल को संसाधनविहीन करने की केंद्र की साजिश है। आरोप लगाया कि मोदी को यह पता चल चुका है कि उनके खिलाफ देश में माहौल है, उनकी विदाई की बेला नजदीक है तो विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने के लिये इनकम टैक्स विभाग को आगे कर दिया है।

हेमा मालिनी के सामने बॉक्सर विजेंदर को कांग्रेस ने क्यों दिया टिकट ?

पांच वजह जो भाजपा को भी कर रहीं परेशान

मथुरा, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा से दो बार सांसद रहीं और सिने स्टार हेमामालिनी के ग्लैमर की काट करने के लिए कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज बिजेंदर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस से शनिवार को विजेंदर सिंह को मथुरा लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। इससे जिले के जाट बाहुल्य मतदाताओं को भी आकर्षित किया जा सकेगा। इंडिया गठबंधन में मथुरा लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में आई है। यहां से कांग्रेस ने बॉक्सर विजेंदर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। विजेंदर सिंह ने पिछली बार दिल्ली से भी लोकसभा चुनाव लड़ा था। दरअसल मथुरा से भाजपा की हेमामालिनी दो बार की सांसद रही हैं।

लोकसभा चुनाव 2014 में हेमामालिनी ने रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को करीब तीन लाख वोटों से हराया था। वहीं लोकसभा चुनाव 2019 में उन्होंने रालोद के ही कुंवर नरेंद्र सिंह को रिकॉर्ड वोटों से हराया था। वह भी तब जब मथुरा को रालोद का ही गढ़ माना जाता रहा है। जबकि कभी बेहतर जनाधार वाली पार्टी रही कांग्रेस पिछले कई चुनावों में हाशिए पर चली गई, लेकिन विजेंदर सिंह के चुनाव मैदान में उतरने के बाद मुकाबला रोचक हो जाएगा। मथुरा संसदीय सीट को हमेशा से ही हाईप्रोफाइल माना जाता रहा है। कभी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के कद को देखते हुए तो कभी राजनैतिक समीकरणों के दृष्टिगत। पिछले लोकसभा चुनाव से इस बार का चुनाव ज्यादा हाई प्रोफाइल हो गया है, जहां हेमामालिनी के मुकाबले कांग्रेस ने अतंर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाड़ी को उतारा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे से हुई मुलाकात के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने बताया कि बॉक्सर चौधरी विजेंद्र सिंह लोकसभा के लिए होंगे। विजेंद्र सिंह बेनीवाल जाट है। मथुरा लोकसभा क्षेत्र में बेनीवाल बड़ी संख्या में है।

रालोजपा एनडीए का अभिन्न अंग

अनबन की अटकलों पर पशुपति पारस ने लगाया ब्रेक

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में लोकसभा चुनाव से पहले पशुपति कुमार पारस और चिराग पासवान के बीच चल रही तनातनी किसी से छिपी नहीं है। जब से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से पांच सीटें चिराग को देने का एलान किया गया है, तब से पारस और एनडीए के रिश्तों को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इन सब के बीच अब पारस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर के सभी अटकलों पर ब्रेक लगा दिया है। दरअसल, पशुपति पारस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक फोटो एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट की है। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हमारी पार्टी रालोजपा एनडीए का अभिन्न अंग है! प्रधानमंत्री मोदी हमारे भी नेता है और उनका निर्णय हमारे लिए सर्वोपरि है। उनके नेतृत्व में एनडीए पूरे देश में 400+ सीट जीतकर तीसरी बार रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से सरकार बनाएगा। साथ ही बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त करने में हमारी पार्टी का पूर्ण समर्थन है और रहेगा।' बता दें कि बिहार में लोकसभा की 40 सीटों पर चुनाव सात चरणों में होगा। पहले चरण के लिए 28 मार्च को नोटिफिकेशन होगा। 19 अप्रैल को चुनाव होगा। दूसरे चरण का चुनाव 26 अप्रैल को होगा। तीसरे चरण का चुनाव 7 मई को होगा। 13 मई को चौथे चरण का चुनाव होगा। 20 मई को पांचवें चरण के लिए वोटिंग होंगी।

25 मई को छठे चरण का चुनाव होगा। अंतिम फेज का मतदान एक जून को होगा। नतीजे चार जून को आएंगे। इस बीच बिहार में इस समय हाजीपुर लोकसभा सीट सबसे ज्यादा चर्चा में है। इस सीट पर 20 मई को मतदान होगा। यहां से दिवंगत नेता रामविलास पासवान के भाई पशुपति पारस सांसद हैं। इस बार रामविलास के बेटे चिराग इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। चाचा-भतीजे के बीच की लड़ाई में एनडीए ने चिराग पर भरोसा जताया था और उन्हें पांच सीटों पर चुनाव लड़ने को कहा था। इसके बाद से ही पारस नाराज बताए जा रहे थे।

पोप फ्रांसिस ने 12 महिला कैदियों के पैर धोए-चूमे

व्हीलचेयर पर बैठकर ईस्टर से पहले की रस्में कीं, स्वस्थ दिखाई दिए

पेरिस, 30 मार्च (एजेंसियां)। कैथोलिक ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने रोम की जेल में बंद 12 महिला कैदियों के पैर धोए और चूमे। पोप ने व्हीलचेयर पर बैठे-बैठे ईस्टर से पहले होने वाली इस रस्म को पूरा किया। रेबिबिया जेल में महिलाएं एक ऊंचे मंच पर स्टूल पर बैठी थीं ताकि पोप व्हीलचेयर से आसानी से रस्म को पूरा कर सकें। जब फ्रांसिस ने महिलाओं के पैर धोए तो वे रो पड़ीं। पोप ने उनके पैर पर धीरे से पानी डाला और उसे एक छोटे तौलिये से थपथपा कर सुखाया। उन्होंने महिलाओं के दोनों पैरों को चूमकर रस्म को पूरा किया।

रस्म के दौरान पोप ने महिलाओं की ओर मुस्कुराते हुए देखा। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, वो स्वस्थ दिख दिए। पिछले कुछ दिनों से वो सांस की बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने सेंट पीटर्स बेसिलिका में 'पवित्र बृहस्पतिवार' की प्रार्थना भी करवाई। इसके बाद उन्होंने जेल का दौरा किया और महिला कैदियों के पैर धोए।

दरअसल, गुड फ्राइडे (29 मार्च) से लेकर ईस्टर (31 मार्च) तक पोप का काफी व्यस्त कार्यक्रम है। इस दौरान आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों की शुरुआत गुरुवार (बृहस्पतिवार) को ही हो जाती है।

पोप ने कहा- पाखंड से दूर रहें सभी पादरी

पोप फ्रांसिस ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में पादरियों से पाखंड से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने पादरियों से कहा कि वे आम लोगों को जो भी उपदेश देते हैं, उसका पालन उन्हें खुद भी अपने आध्यात्मिक जीवन में करना चाहिए।

ईस्टर ईसाई धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में ईस्टर पर्व मनाया जाता है। ईसाई धर्म की मान्यताओं के मुताबिक, गुड फ्राइडे के दिन ईसा मसीह को क्रॉस पर चढ़ाया गया था। इसके तीसरे दिन ईसा मसीह दोबारा जीवित हो गए थे, जिसे ईसाई धर्म के लोग ईस्टर संडे के नाम से मनाते हैं। माना जाता है कि पुनर्जन्म के बाद ईसा मसीह करीब 40 दिन तक अपने शिष्यों के साथ रहे थे। इसके बाद वे हमेशा के लिए स्वर्ग चले गए थे।

अमेरिका बोला-पाकिस्तान को सपोर्ट करते रहेंगे

राष्ट्रपति बाइडेन ने पीएम शाहबाज को खत लिखा, कहा- चुनौतियों का मिलकर सामना करेंगे

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में फरवरी में हुए आम चुनाव के बाद शुक्रवार को पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नए पाक पीएम शाहबाज शरीफ के नाम एक खत लिखा। इसमें उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों की अहमियत बताते हुआ पाकिस्तान के लिए अमेरिका के सपोर्ट की बात की।

खत में बाइडेन ने लिखा, हमारी साझेदारी दुनियाभर के लोगों और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम है। अमेरिका वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। इसी के साथ यह पहली बार है जब बाइडेन ने पाकिस्तान में चुनाव के बाद किसी प्रधानमंत्री से बात की है।

साल 2018 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनाव जीता था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने उनसे कोई बात नहीं की थी। इसके बाद साल 2022 में इमरान की सरकार गिरने के बाद जब शाहबाज शरीफ ने सरकार बनाई, तब भी बाइडेन ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया।

बाइडेन बोले- दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने पर फोकस

बाइडेन ने अपने लेटर में लिखा कि अमेरिका विकास और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करता रहेगा। दोनों देश मिलकर मजबूत साझेदारी और अपने नागरिकों के बीच बेहतर रिश्ते कायम करेंगे।

इससे पहले पाकिस्तान में मौजूद अमेरिकी राजदूत ने 15 मार्च को पाकिस्तान को अमेरिका का अहम पार्टनर बताया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि पाकिस्तान की नई सरकार अमेरिका के साथ मिलकर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए काम करेगी। फरवरी में पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के ठीक बाद अमरिका के कई सांसदों ने चुनाव में धांधली की आशंका जताई थी। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस दौरान अमेरिका के 33 सांसदों ने भी राष्ट्रपति बाइडेन को खत लिखकर पाकिस्तान की नई सरकार को मान्यता न देने की अपील की थी। हालांकि, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की चिंता को बेबुनियाद बताते हुए चुनाव में धांधली की खबरों को खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज बलोच ने कहा था, कोई भी देश हमें किसी भी मामले में आदेश नहीं दे सकता है। पाकिस्तान एक आजाद देश है। हमारे आंतरिक मामलों में फैसला लेने का अधिकार सिर्फ हमारा है।

जरदारी ने शरीफ का तोड़ा रिकॉर्ड

बेटी आसिफा के चुने जाने से एक ही परिवार में हुए छह सांसद

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजनीति काफी दिलचस्प बनी हुई है। कभी चुनाव में धांधली के आरोप तो कभी दो पार्टियों का गठबंधन कर लेना। इन सबके बीच राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के परिवार ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, आसिफ अली और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की सबसे छोटी बेटी आसिफा को निर्विरोध संसद सदस्य चुने जाने के बाद जरदारी ने शरीफ को पीछे छोड़ते हुए पाकिस्तान की राजनीति में एक परिवार से सबसे अधिक सांसद होने का रिकॉर्ड कायम किया है। कहा जा रहा है कि बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो देश की प्रथम महिला की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार है कि किसी स्थायी राष्ट्रपति की पत्नी को नहीं, बल्कि बेटी को यह औपचारिक उपाधि दी जाएगी। 31 साल की आसिफा भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और देश के एकमात्र दो बार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे छोटी बेटी हैं। पिछले दशक में आसिफा ने प्रभावशाली भुट्टो-जरदारी परिवार में राजनीतिक सफलता की कई सीढ़ियां चढ़ी हैं।

अमेरिकी पुल हादसा- यूएस मैगजीन में भारतीयों का नस्लवादी कार्टून

जहाज के क्रू मेंबर्स को लंगोट में दिखाया

बाल्टीमोर, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के बाल्टीमोर में जहाज के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से टकराने के बाद से भारतीय क्रू की तारीफ हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने क्रू की सराहना करते हुए कहा था कि उनकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। इस बीच अमेरिका की एक कंपनी फॉक्सफोर्ड कॉमिक्स ने भारतीय क्रू का एक आपत्तिजनक कार्टून शेयर किया है।

इस नस्लवादी कार्टून में भारतीय क्रू सदस्यों ने सिर्फ लंगोट पहन रखी है। वे आने वाले खतरे को लेकर परेशान नजर आ रहे हैं। कार्टून में एक ऑडियो भी जोड़ा गया है, जिसमें कुछ लोग भारतीय लहजे में अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं। फॉक्सफोर्ड कॉमिक्स ने सोशल मीडिया पर कार्टून शेयर करते हुए लिखा, ब्रिज से टकराने से ठीक पहले दाली जहाज की रिकॉर्डिंग। कार्टून के बैकग्राउंड में फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज से जहाज की टक्कर और पुल को ढहते दिखाया गया है। यह कार्टून सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर वायरल हो रहा है। इसे 40 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है, जबकि 4 लाख से ज्यादा ने री-ट्वीट किया है। हालांकि, कार्टून की जमकर आलोचना हो रही है। भारत के इकोनॉमिस्ट संजीव सान्याल ने कार्टून शेयर करके लिखा, जहाज को चलाने वाला पायलट भारतीय नहीं बल्कि बाल्टीमोर क्षेत्र का ही था। क्रू ने पहले ही अधिकारियों को खतरे की सूचना दे दी थी, जिसकी वजह से कई लोगों की जान बचाई जा सकी। मैरीलैंड के मेयर ने भी इसके लिए भारतीय क्रू को हीरो कहा था। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह शर्मनाक है कि लोग इस गंभीर मामले में भारतीय क्रू का मजाक बना रहे हैं। जबकि गवर्नर ने खुद क्रू की तारीफ की थी। 25 मार्च को मैरीलैंड शहर के बाल्टीमोर पोर्ट से सिंगापुर के झंडे वाला दाली जहाज रात करीब 12:30 बजे रवाना हुआ था। करीब 1 घंटे के सफर के बाद 1:25 पर जहाज में पावर फेल हो गया था। हालांकि, अगले 5 मिनट में जहाज के पुल से टकराने से पहले भारतीय क्रू ने समझदारी दिखाते हुए ट्रैफिक अथॉरिटी को खतरे की सूचना दे दी थी। इसके बाद 90 सेकेंड के अंदर पुल पर ट्रैफिक को रोक दिया गया था। वहीं क्रू ने जहाज की स्पीड धीमे करने के लिए एंकर भी डाला था। हादसे में 2 पायलट समेत सभी 21 भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित थे। वहीं पुल पर मौजूद 8 लोग पेटाप्सको नदी में गिर गए थे। इनमें से 2 को बचा लिया गया था, जबकि 6 की मौत हो गई।

इससे पहले पिछले साल एक जर्मन कार्टूनिस्ट ने भारत की जनसंख्या चीन से ज्या होने पर कार्टून शेयर किया था। इसमें एक भारतीय ट्रेन में लोगों की भीड़ नजर आ रही थी। पैसेंजर्स ट्रेन की छत पर चढ़े हुए थे और उनके हाथ में भारतीय तिरंगा भी था। वहीं इस ट्रेन के बगल से चीन की बुलेट ट्रेन भी गुजरती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कार्टून को नस्लवादी बताते हुए इसकी आलोचना की थी। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था, आपने भारत का मजाक उड़ाने की कोशिश की है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के खिलाफ दांव लगाना समझदारी नहीं है। कुछ सालों में भारत की अर्थव्यवस्था जर्मनी से बड़ी होगी।

साल 2015 में अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स ने क्लाइमेट समिट को लेकर एक कार्टून शेयर किया था। इसमें एक हाथी ट्रेन के आगे बैठकर उसे रोकता नजर आ रहा है। ट्रेन पर क्लाइमेट समिट लिखा था, जबकि हाथी पर भारत लिखा हुआ था। साल 2015 में क्लाइमेट समिट भारत में हुआ था। इस सम्मेलन की शुरुआत से पहले पश्चिमी मीडिया में भारत को एक बड़ी परेशानी के तौर पर दिखाया जा रहा था। एनवाईटी ने एक आर्टिकल में लिखा था कि पीएम मोदी ओबामा की क्लाइमेट लेगेसी और बना भी सकते हैं और बिगाड़ भी सकते हैं।

भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में 23 पाकिस्तानियों को बचाया

ईरानी जहाज को सोमालिया के समुद्री लुटेरों से रेस्क्यू किया, 12 घंटे चला ऑपरेशन

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना शुक्रवार (29 मार्च) को सोमालिया के समुद्री लुटेरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाकर 23 पाकिस्तानियों की जान बचाई।

नेवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि शुक्रवार शाम को उनकी टीम को हिंद महासागर में अदन की खाड़ी के पास एक ईरानी जहाज 'अल-कंबर' के हाईजैक होने की सूचना मिली थी। इस पर सोमालिया के 9 समुद्री लुटेरों ने कब्जा कर लिया था। यह जहाज यमन के सोकोट्रा द्वीप से साउथ-वेस्ट में करीब 166 किमी की दूरी पर था। हाइजैक का अलर्ट मिलते ही भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोत इन्स सुमेधा को ईरानी जहाज को रोकने के लिए रवाना किया। इसके बाद दूसरे युद्धपोत इन्स त्रिशूल की मदद से नेवी ने जहाज को लुटेरों से रेस्क्यू किया। नौसेना की टीम ने 12 घंटे तक ऑपरेशन चलाकर लुटेरों को सरेंडर करने के लिए मजबूर किया।

बाइडन का दावा

जी20 में जिस भी देश के नेता से मिले सभी ने कहा- डोनाल्ड ट्रंप को जीतने नहीं दे सकते

वॉशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस पद के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब बाइडन ने दावा किया है कि भारत में हुए जी20 समेत कई बैठकों में दुनियाभर के नेताओं ने उनका समर्थन किया है। साथ ही उनसे यह भी कहा कि वह आगामी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को नहीं जीतने दे सकते हैं।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति बाइडन ने न्यूयॉर्क में अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि विश्व के नेता हमेशा कहते हैं कि उनका लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने कहा, 'भारत में जी20 बैठक हो या किसी अन्य देश में हुई बैठक, जब भी दुनिया भर के नेता जुटते हैं तो वो यही कहते हैं कि आप उन्हें (ट्रंप) जीतने नहीं देंगे।' उन्होंने कहा, 'आपको लग रहा होगा कि मैं बढ़ा- चढ़ाकर बता रहा हूं, पर ऐसा नहीं है। मैं बिना नाम लिए पत्रकारों को बता सकता हूं कि करीब सभी देशों के नेता मुझसे यह बात कह चुके हैं। दुनिया भर से आए नेता मुझसे हाथ मिलाते हुए कहते हैं कि देश का लोकतंत्र दांव पर है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यही कहूंगा कि यह एक अतिशयोक्ति नहीं है। इसके बारे में सोचिए। यह एक ऐसा शख्स है, जो नाटो से दूर हो गया है।' राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रंप के उस अपने बयान पर भी प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया है कि वह रूस को उन देशों के साथ जो कुछ भी करना चाहता है उसे करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो रक्षा पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का दो प्रतिशत खर्च नहीं करते हैं। बाइडन ने कहा, 'बस आप देखो कि उन्होंने क्या किया है। बाकी दुनिया सोच रही है कि अमेरिका के साथ क्या हो रहा है। हालांकि वह राहत महसूस कर रहे हैं, इसलिए नहीं कि मैं बहुत खास हूं, बल्कि इसलिए कि मैं ट्रंप नहीं हूं। मैं गंभीर हूं। काश ऐसा इसलिए ही होता क्योंकि उन्हें लगता कि बाइडन इतने गंभीर व्यक्ति हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि वे मेरा सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि वे मेरी बात सुनते हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर वह (ट्रंप) फिर से जीतते हैं तो वे अपने देशों के लिए मौत से डरते हैं।' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान नाटो सदस्य देशों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा था कि अमेरिका नाटो के उन सहयोगियों का बचाव नहीं करेगा, जो रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करते हैं।

अंतरिक्ष में भारत जो कर रहा वो हैरान करने वाला

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इसरो की तारीफ की

पेरिस, 30 मार्च (एजेंसियां)। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के महानिदेशक जोसफ ऐशबैकर ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तारीफ की। उन्होंने हाल ही में सफल प्रक्षेपणों के लिए इसरो को सराहा। ऐशबैकर ने कहा कि अंतरिक्ष और विशेष रूप से चंद्रमा पर भारत को मिली उपलब्धियां हैरान करने वाली हैं। बता दें, पेरिस में ईएसए की 323वीं परिषद की बैठक हुई थी। इसकी मेजबानी करने के बाद ऐशबैकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर इसरो की प्रशंसा की। इस बैठक में इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने भी भाग लिया था। ईएसए सदस्य राज्यों ने 26 और 27 मार्च को ईएसए परिषद के 323वें सत्र के लिए पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान यूरोपियन वैज्ञानिकों ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि संबंधों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। जोसफ ऐशबैकर ने कहा, 'भारत अंतरिक्ष में जो हासिल कर रहा है, खासकर चंद्रमा के क्षेत्र में, वह हैरान करने वाला है। हमने आज ईएसए परिषद में इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ की मेजबानी की। प्रतिनिधियों के लिए ईएसए-इसरो सहयोग के लिए वर्तमान और भविष्य की योजनाओं के बारे में अधिक जानने के लिए यह महत्वपूर्ण बैठक थी।' उन्होंने आगे कहा, 'अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने और सहयोग को गहरा करने के रणनीतिक महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है।'

पाक आतंकी हमले के बाद दहशत में चीनी नागरिक

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के शांगला जिले में चीनी इंजीनियरों की बस पर तीन दिन पहले आत्मघाती हमला और उसमें 5 इंजीनियरों के मारे जाने के बाद चीनी कर्मचारी दहशत में हैं। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने अपने अफसरों से कह दिया है कि अब पाकिस्तान में काम नहीं कर सकते। इसके बाद चीन ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन बांध परियोजनाओं का काम बंद कर दिया है। साथ ही वह अपने 1500 नागरिकों को वहां से निकाल रहा है। पाकिस्तानी अधिकारियों को इस बारे में सूचना दे दी गई है। तीनों परियोजनाएं 9860 मेगवाट की हैं। 4320 मेगावाट बिजली क्षमता की दासू बांध परियोजना जिला कोहिस्तान में है। ये प्रांतीय राजधानी पेशावर से 350 किमी दूर है। मारे गए इंजीनियर इसी साइट के थे। वहां 741 चीनी और 6,000 स्थानीय कर्मचारी हैं। वहां से चीनी नागरिकों को निकाला जा रहा है। स्थानीय कर्मियों को अगले आदेश तक घर जाने के लिए कह दिया गया है। परियोजना के एक अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद चीनी कर्मचारी डर गए थे। उन्होंने अपने वरिष्ठों से कह दिया कि वे आगे काम नहीं कर सकते। मोहमंद बांधः स्वात नदी पर स्थित बांध को इसी साल पूरा किया जाना है। 740 मेगावाट पनबिजली पैदा होगी। 250 चीनी कर्मचारी काम कर रहे।

दासू बांधः इसे 2025 में पूरा होना है।

डायमर-बाषा बांधः सिंधु नदी पर 2029 तक बनना है। क्षमता 4,800 मेगावाट। यहां 500 चीनी कर्मचारी हैं। सूत्रों का कहना है कि दासू और डायमर-बाषा बांधों से चीनी नागरिकों को सैन्य हेलिकॉप्टरों से निकाला जाएगा या सड़क मार्ग पर कर्फ्यू लगाकर जाया जाएगा। इससे पहले, मंगलवार को हमले के बाद चीन ने तारबेला बांध एक्सटेंशन 5 पर काम रोक दिया था।

कनाडा में गिरफ्तार हुई पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन की क्रू सदस्य

अब झेलना पड़ा निलंबन

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने अपने चालक दल की एक क्रू सदस्य को निलंबित कर दिया है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि निवंबन के बाद उन पर कड़ी कार्रवाई करने की भी तैयारी हो रही है। दरअसल हिना सानी पर आरोप था कि उन्होंने बिना किसी वजह एक व्यक्ति का पासपोर्ट अपने पास रखा, जो कि गैर कानूनी है। इसके बाद कनाडा के कस्टम विभाग के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। यह घटना ऐसे समय में घटित हुई है, जब पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस क्रू सदस्यों की कमी की समस्या से जूझ रहा है।

क्यों हिरासत में लिए गए क्रू सदस्य?

हिना सानी को क्रू टीम की दो अन्य सदस्यों के साथ कनाडा में हिरासत में लिया गया था। ये सभी लोग लाहौर से टोरंटो जाने वाली फ्लाइट पीके-789 पर ड्यूटी पर थे। इस दौरान उन्होंने किसी और का पासपोर्ट अपने पास रखा था। विदेश यात्रा के दौरान दूसरे व्यक्ति का पासपोर्ट ले जाना अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद तीनों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि इसके बाद उन्हें हिरासत से छोड़कर वापस पाकिस्तान जाने की अनुमति दे दी गई।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस प्रबंधन ने सानी को निलंबित तो कर दिया लेकिन अब उन पर कार्रवाई की भी तैयारी हो रही है। पीआईए प्रवक्ता अब्दुल्ला हफीज खान ने बताया कि वह कनाडा के प्राधिकारियों की जांच रिपोर्ट के अनुरूप आगे की कार्रवाई करेगा। इस मामले में पीआईए प्रबंधन कनाडा के प्राधिकारियों के संपर्क में है और उनका सहयोग कर रहा है। जांच रिपोर्ट के बाद निलंबित चालक दल की सदस्य के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी बोले, 'राजस्थान के लोग अद्भुत ऊर्जा से भरे हुए, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका'

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान स्थापना दिवस आज, वर्ष 1949 को आज ही के दिन 19 रियासतों और 3 ठिकानों का एकीकरण कर राज्य का हुआ था गठन, आज राज्य के सभी स्मारकों और संग्रहालयों में सभी देशी-विदेशी सैलानियों को दिया जाएगा निशुल्क प्रवेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'राजस्थान दिवस पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को मेरी कोटि-कोटि शुभकामनाएं। अद्भुत ऊर्जा और उत्साह से भरे यहां के लोग राज्य के गौरव की एक नई गाथा लिखने में जुटे हैं। मुझे विश्वास है कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राजस्थान की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है।'

सद्भाव की संस्कृति को सहेजने का दिनः मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान दिवस पर जारी शुभकामना संदेश में कहा, ''राजस्थान' नाम ही मन में गौरव की अनुभूति कराने वाला है। भक्ति और शक्ति का संगम यह वह प्रदेश है जहां के कण-कण में त्याग, तपस्या और बलिदान की गाथाएं समाहित है। राजस्थान महाराणा प्रताप की शौर्य धरा है। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व दान करने वाले भामाशाह की यह भूमि है। पन्नाधाय के त्याग और बलिदान की अनूठी गाथा अपने में संजोए यह धरती रामदेवजी, गोगाजी, मां करणी जैसे लोक देवी-देवताओं और मीरा, दादू, संत पीपा जैसे संत-महात्माओं की पुण्य धरा है। यह वह वीर भूमि है, जहां स्वतंत्रता का बीज कभी मुरझाया नहीं।' मिश्र ने कहा, 'राजस्थान स्थापना दिवस मात्र एक दिवस नहीं है। यह दिवस सद्भाव की हमारी संस्कृति को सहेजने का है। संकल्पित होकर राजस्थान के सर्वांगीण विकास में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का है। उन्होंने कहा कि राजस्थान दिवस पर प्रदेश के चहुंमुखी विकास का संकल्प लेते हुए इसे देश का अग्रणी राज्य बनाने में सभी जन सहभागी बनें।'

वाइस प्रिंसिपल ने की 12वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़

घर छोड़ने के बहाने कार में दी लिफ्ट; रास्ते में की अश्लील हरकत

झुंझुनूं, 30 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के सरकारी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल ने चलती कार में 12वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ कर दी। छात्रा की ओर से थाने में पॉक्सो में मामला दर्ज कराया गया है। आरोपी इस्लामपुर गांव के सरकारी स्कूल में वाइस प्रिंसिपल है।

बगड थानाधिकारी हेमराज मीणा ने बताया कि सेठ रामप्रताप सौंथलिया राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल में वाइस प्रिंसिपल व सुलताना निवासी राजकुमार (54) पुत्र थानाराम के खिलाफ पॉक्सो की धाराओं में मामला दर्ज कराया गया। रिपोर्ट में बताया कि छात्रा 12वीं की परीक्षा देने के लिए गुरुवार को स्कूल आई थी। परीक्षा खत्म होने पर छात्रा घर जा रही थी।

आरोपी ने घर तक लिफ्ट देने के बहाने नाबालिग छात्रा को अपनी कार में बैठाया। सुनसान रास्ते में छात्रा के साथ अश्लील हरकतें व छेड़छाड़ की। आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है।

वाइस प्रिंसिपल राजकुमार स्कूल में बॉयोलॉजी पढ़ाता है। गुरुवार को 12वीं कक्षा का बॉयोलॉजी का पेपर था। यह पेपर गुरुवार सुबह 8.30 से दोपहर 11.45 तक था। आरोपी वाइस प्रिंसिपल राजकुमार की दूसरी पारी में दोपहर एक बजे से ड्यूटी थी। लेकिन वह पहले ही आ गया था। हालांकि वह स्कूल में दोपहर एक बजे ही पहुंचा।

घर छोड़ने के बहाने कार में बैठाया

आरोपी वाइस प्रिंसिपल अक्टूबर 2021 से इस्लामपुर के स्कूल में व्याख्याता के पद पर कार्यरत है। वह सुलताना का रहने वाला है। छात्रा की परीक्षा खत्म होने पर वह स्कूल के नजदीक कार लगाकर खड़ा हो गया। छात्रा को घर की ओर जाने की बात कहकर कार में बैठा लिया था।

पत्थरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी

चालक की मौके पर हुई मौत

करौली, 30 मार्च (एजेंसियां)। करौली-मंडरायल रोड स्थित नाहर कठहरा के पास पत्थर से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रॉली पलटने से ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करौली शहर चौकी कांस्टेबल रामप्रकाश शर्मा ने बताया कि ट्रॉली चालक हेमराज माली मंडरायल रोड स्थित एक खदान से ट्रैक्टर ट्रॉली में पत्थर भरने गया था। वापस लौटते समय ट्रैक्टर ट्रॉली घाटी में अनियंत्रित हो गई और खदान के पास ही पलट गई।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने घायल को करौली हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस के 'स्टार प्रचारक' हेमाराम चौधरी आखिर क्यों मांग रहे सार्वजनिक माफ़ी ? जारी कर कही बड़ी बात

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज नेता हेमाराम चौधरी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान अपने ही एक विवादित बयान को लेकर सार्वजनिक माफ़ी मांगी है। उन्होंने बाकायदा एक वीडियो संदेश जारी कर अपने स्वयं के बयान को ना सिर्फ विवादित ही माना, बल्कि बयान के लिए माफी मांगकर भविष्य में ऐसी गलती दुबारा नहीं होने को लेकर आश्वस्त भी किया।

गौरतलब है कि हेमाराम चौधरी बाड़मेर की गुढ़ामालानी विधानसभा क्षेत्र से रेकॉर्ड 6 बार विधायक रह चुके हैं। उम्र का हवाला देते हुए उन्होंने 2023 के आखिर में हुआ विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था। हालांकि लोकसभा चुनाव आने के साथ ही वे एक बार फिर से राजनीति में सक्रीय हो गए हैं। उनके राजनीतिक कद को देखते हुए कांग्रेस ने उन्हें इस लोकसभा चुनाव में स्टार प्रचारक भी बनाया है।

बोले, 'मुझसे हुई भारी गलती, माफ़ी मांगता हूं'

वीडियो संदेश जारी करते हुए हेमाराम चौधरी ने अपने माफीनामे में कहा, 'लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मेरे द्वारा किसी व्यक्ति, जाति, समाज, समुदाय या धर्म के बारे में कोई ऐसी टिप्पणी करने का इरादा नहीं था, फिर भी इस चुनाव प्रचार के दौरान मैंने कुछ टिप्पणियां की जिससे विशेष कर राजपूत समाज और जैन समाज को ठेस पहुंची। इसके लिए मैं इन समाज से माफी मांगता हूं।'

चौधरी ने अपनी गलती मानते हुए आगे कहा, 'यह बात सही है,

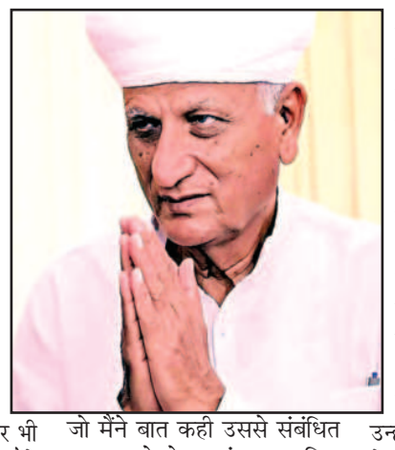

जो मैंने बात कही उससे संबंधित समाज को ठेस पहुंचाना वाजिब था। उनको ही नहीं अब तो मुझको खुद को महसूस हो रहा है कि मैंने बहुत भारी गलती की है। उसके लिए मैं एक बार फिर इन दोनों समाजों के अलावा और किसी अन्य को भी चुनाव प्रचार के दौरान मेरी वाणी या भाषण से कोई ठेस पहुंची हो तो वह मुझे माफ करें। आगे में इस प्रकार की बात नहीं कहूंगा इस पर मैं ध्यान रखूंगा।'

विवादित बयान ने पकड़ा था तूल

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी को लेकर विवादित बयान दे डाला था। उन्होंने रविंद्र सिंह भाटी की तुलना बेलगाम पागल ऊंट से कर दी थी, जिसके बाद नया विवाद खड़ा हो गया।

कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदराम बेनीवाल के समर्थन में प्रचार के दौरान हेमाराम चौधरी ने रविंद्र सिंह भाटी को खिज्योड़ो ऊंट अर बो भी बिना मोरी को यानि बेलगाम पागल ऊंट बताया। उन्होंने कहा कि रविंद्र सिंह भाटी को जब किसी पार्टी से टिकट नहीं मिला तो वे निर्दलीय खड़े हो गए। उन्हें रीति-नीति में कोई विश्वास नहीं है। उनका मकसद सिर्फ विधायक बनना था और इससे भी संतोष नहीं हुआ तो अब सांसद बनना उनका मकसद है।

उन्होंने आगे ये भी कहा कि भाटी कहते हैं कि हम ऐसे-ऐसे काम करेंगे और आसमान से तारे तोड़ लाएंगे। लेकिन, मैं कहना चाहता हूं अकेले कैसे तारे तोड़ सकते है। पार्टी की मजबूती से ही सब काम होते है। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए हेमाराम चौधरी ने कहा कि हम सभी को मजबूत रहना है और कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाना है।

चुनावों तक बिजली कनेक्शन नहीं काट सकेगा जोधपुर डिस्कॉम, वोट कटने के डर से नेताओं ने लगाई गुहार

जैसलमेर, 30 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर डिस्कॉम बकाया बिल नहीं भरने वालों से वसूली करने के लिए उनके कनेक्शन काटकर वसूली कर रहा है। ऐसे में बढ़ते तापमान के बीच बिजली कनेक्शन कटने की पीड़ा से बचने के लिए लोग पैसे जमा करवा देते हैं लेकिन लोकसभा चुनाव में अब डिस्कॉम के ऐसे कदम पर रोक लग गई है।

जोधपुर डिस्कॉम ने एक आदेश जारी करके कहा है कि बिना प्रबंध निदेशक (एमडी) की अनुमति के कोई कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। दरअसल 31 मार्च से पहले वसूली के लिए डिस्कॉम ने अपनी टीमों को बकायादारों के यहां दस्तक देने के लिए भेजना शुरू कर दिया था। ऐसे में चुनाव के माहौल का फायदा लेते हुए लोगों ने नेताओं की शरण लेनी शुरू कर

दी। इस पर नेताओं को भी एहसास हुआ कि लोगों के कनेक्शन कटे तो चुनाव में वोट भी कट जाएंगे।

बताया जा रहा है कि इस सबके चलते लोकल नेताओं की गुहार प्रदेश सरकार तक पहुंची तो सरकार ने बिजली कंपनियों से निर्देश जारी करवा दिए। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता (एसई) जे.आर. गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी बकायादार की राशि बकाया होने की स्थिति में बिजली कनेक्शन काटने से पहले प्रबंध निदेशक से स्वीकृति लेनी जरूरी है। उसके बाद ही बकायादार का कनेक्शन काटा जाएगा। वैसे भी बिजली विभाग काफी हद तक बकायादारों से वसूली कर चुका है, ऐसे में अब कुछ लोगों से बाद में भी बकाया वसूलना पड़ा तो कोई परेशानी नहीं होगी।

कांग्रेस को फिर झटका, रामगंजमंडी कांग्रेस प्रभारी सहित 12 से ज्यादा नेता बीजेपी में शामिल

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं का बीजेपी में जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी बीच एक बार फिर कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। एक तरफ कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेता बाबूलाल मेघवाल बीजेपी में शामिल हो गए। वहीं, दूसरी ओर टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र में चेयरमैन नेमीचंद जैन सहित एक दर्जन से ज्यादा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बीजेपी का दामन थाम लिया है।

कांग्रेस के टिकट पर साल 2014 में रामगंजमंडी से विधानसभा चुनाव लड़ने वाले बाबूलाल मेघवाल बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश पर बीजेपी देहात जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर ने रामगंजमंडी से कांग्रेस प्रभारी बाबूलाल मेघवाल बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करवाई। इसके बाद बाबूलाल मेघवाल बूंदी पहुंचे और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की।

इधर, टोंक में देवली नगर पालिका चेयरमैन नेमीचंद जैन सहित कई पार्षद, जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल सैनी, सांसद सुखबीरसिंह जौनापुरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा मौजूद रहे। वहीं, मालपुरा में भाजपा सांसद और प्रत्याशी सुखबीर जौनापुरिया की मौजूदगी में कांग्रेस की बृजलालनगर सरपंच रेखा नामा व आकाश नामा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

दौसा लोकसभा सीट से नरेश मीणा ने पर्चा लिया वापस

अब सीधा मुकाबला मुरारी-कन्हैया के बीच

दौसा, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नेता लगातार पाला बदलते हुए नजर आ रहे है। दौसा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाले नरेश मीणा ने नामांकन वापस ले लिया है। नरेश मीणा हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में कोटा लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल के साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे। उनके नामांकन वापस लेने के बाद अब भाजपा प्रत्याशी कन्हैया लाल मीणा और मुरारी लाल मीणा

के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा।

पार्टी के लिए करूंगा प्रचार-नरेश मीणा

कांग्रेस नेता नरेश मीणा ने दौसा सीट से नामांकन दाखिल कर कांग्रेस के साथ-साथ बीजेपी की भी टेंशन बढ़ा दी थी। क्योंकि दौसा सीट से कांग्रेस के मुरारी लाल मीणा और भाजपा के कन्हैया लाल मीणा चुनावी रण में है। इसी बीच नरेश मीणा भी चुनावी दंगल में कूद गए थे। ऐसे में यहां एक ही समाज के तीन लोग मैदान में आने से चुनावी समीकरण बिगड़ना लाजमी था। लेकिन अब नरेश मीणा ने नामांकन वापस ले लिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि मैं अब पार्टी के लिए प्रचार करूंगा।

छबड़ा से बागी हो लड़ा था विधानसभा चुनाव

नरेश मीणा पहले भी विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से बगावत कर चुके हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर नरेश मीणा ने बारां जिले की छबड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ा था। हालांकि, वो जीत नहीं पाए थे।

इसके बाद उन्हें पार्टी ने निष्कासित कर दिया था। वो हाल ही में 21 मार्च को प्रहलाद गुंजल के साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन, अब मुरारी मीणा को टिकट मिलने के साथ ही नरेश मीणा ने फिर से बागी होकर निर्दलीय ताल ठोकी दी थी।

शेखावत ने कांग्रेस को डूबता जहाज बताया

बोले- मोदीजी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है संकल्प

जोधपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नामांकन भरने से पूर्व दोबारा टिकट जाने के लिए शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सब एकमत होकर इस संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं कि मोदी जी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाना है और जोधपुर लोकसभा सीट से भाजपा को प्रचंड बहुमत के साथ जिताना है।

शेखावत ने कहा कि जोधपुर की जनता भाजपा के साथ है और आज नामांकन के दिन कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से यह बात स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है, इसे खुद कांग्रेस भी जानती है। राजनीतिक समीक्षक भी मानते हैं कि अगले 10 वर्षों तक कांग्रेस की तरफ से किसी भी प्रकार की चुनौती नहीं मिलने वाली है, इसलिए कांग्रेस में भगदड़ मची हुई है।

नामांकन भरने में शक्ति प्रदर्शन की शोशेबाजी, हाईटेक नहीं हुए नेताजी

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। माननीय बनने की दौड़ में शामिल प्रदेश के सैकड़ों प्रत्याशी अब भी हाईटेक नहीं हो पाए हैं। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमा रहे उम्मीदवारों को नामांकन भरने के लिए ऑनलाइन नामांकन भरने की सुविधा भी दी है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए केवाईसी-ईसीआई, सुविधा एप समेत पोर्टल एप व अन्य ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं लेकिन चौंकाने वाली बात है कि सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए लाखों रुपए खर्च करने वाले प्रत्याशियों के नामांकन भरने के तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

प्रदेश में पहले चरण की 12 लोकसभा सीटों पर करीब 124 प्रत्याशियों के 166 नामांकन में एक भी नामांकन ऑनलाइन नहीं भरा गया है। दरअसल भीड़ के साथ नामांकन भरने के चस्के ने प्रत्याशियों को ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया से दूर ही रखा है।

हालांकि सभा, जुलूस और वाहनों की बुकिंग के लिए भी निर्वाचन आयोग से अनुमति लेनी पड़ रही है लेकिन भीड़ के साथ नामांकन भरने के लिए सबकुछ चलेगा। एक प्रत्याशी अपनी नामांकन रैली पर औसतन एक लाख रुपए खर्च करता है और अगर शक्ति प्रदर्शन को छोड़कर ऑनलाइन नामांकन भरा जाए तो न केवल लाखों रुपयों की बचत होगी बल्कि इस भीड़ के कारण लगने वाले जाम से आमजन को भी राहत मिलेगी।

चुनाव आयोग ने 2023 के विधानसभा चुनावों में पहली बार यह प्रयोग किया था लेकिन तब भी सभी प्रमुख दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों ने शक्ति प्रदर्शन के चलते ऑफलाइन नामांकन को ही पसंद किया।

ऑनलाइन में भी हार्डकॉपी जरूरी

वैसे चुनाव आयोग द्वारा दी गई ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा में आयोग के पास हार्ड कॉपी तो जमा करानी ही होगी। अगर प्रत्याशी हार्ड कॉपी नहीं करवाता है, तो आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही नाम वापसी के लिए भी हार्ड कॉपी के जरिए ही आयोग को सूचना देनी होगी।

प्रत्याशियों को चुनाव से संबंधित कुल 18 प्रकार की अनुमति चुनाव आयोग से मिलेगी। साथ ही सुविधा समेत अन्य ऐप के माध्यम से भी अनुमति ली जा सकेगी। ऐप से आवेदन करने पर प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारी तक सीधे पहुंच जाएगा। साथ ही 14 अन्य अलग-अलग तरह की अनुमति भी जिला निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर दी जाएगी। ऐप से मिले आवेदन की अनुमति जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर मिलेगी। इसका अनुमति पत्र भी ऑनलाइन मिलेगा।

प्रकाश राजपुरोहित, जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर के अनुसार गत विधानसभा चुनावों के समय भी निर्वाचन आयोग ने नामांकन को ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन भी किया था, लेकिन एक भी प्रत्याशी ने ऑनलाइन नामांकन नहीं किया। ऐसा ही कुछ हाल अब भी देखने को मिल रहा है।

भीषण सड़क हादसे में डीएसपी की मौत, महिला डीएसपी हुई गंभीर घायल

हैंगिंग ब्रिज के निकट हुआ हादसा

कोटा, 30 मार्च (एजेंसियां)। कोटा में हैंगिंग ब्रिज के पास शंभूपुरा के निकट एक भीषण सड़क हादसे में एक डीएसपी की मौत हो गई। वहीं महिला डीएसपी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला डीएसपी का कोटा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सूचना पर कोटा सिटी एसपी डॉ अमृता दुहन सहित कई पुलिस अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। हादसे में मारे गए डीएसपी राजेंद्र सिंह कोटा आरएसी सेकेंड बटालियन में तैनात थे और 15 दिन पहले ही उनकी पहली पोस्टिंग हुई थी।

मौके पर हुई मौत

वहीं डीएसपी अंजली सिंह चित्तौड़गढ़ के निकट बेगू में सीओ के पद पर तैनात हैं। अंजली सिंह डीएसपी राजेंद्र सिंह को कोटा छोड़ने आ रही थी, तभी कोटा हैंगिंग ब्रिज से पहले शंभूपुरा के पास एक ट्रोले ने उनकी कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में राजेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंजली सिंह गंभीर रूप से घायल है।

पेद्दापल्ली में 36 घंटे की बीआरएस 'रयथु निरसाना दीक्षा' शुरू

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खड़ी फसलों को पानी देने में परेशानी का सामना कर रहे किसानों को समर्थन देने के लिए शनिवार को पेद्दापल्ली में बीआरएस जिला पार्टी कार्यालय में 36 घंटे की 'रयथु निरसाना दीक्षा' शुरू हुई।

बीआरएस जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक कोरुकांति चंदर के नेतृत्व में आयोजित दीक्षा में जिले भर के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और किसानों ने भाग लिया। बीआरएस संसद क्षेत्र के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर, पेद्दापल्ली जिला परिषद के अध्यक्ष पुट्टा मधु, पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी, बाल्का सुमन और अन्य ने दीक्षा में भाग लिया। पूर्व मंत्री ईश्वर ने कहा कि हालांकि राज्य भर में 20 लाख एकड़ में खड़ी फसलें पानी की आपूर्ति की कमी के कारण सूख गई हैं, लेकिन राज्य सरकार को किसानों की दुर्दशा की कोई परवाह नहीं है।

यह पूछते हुए कि सरकार पानी की आपूर्ति के लिए कदम क्यों नहीं उठा रही है, उन्होंने क्षतिग्रस्त फसल के लिए 25,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजे की मांग की। उन्होंने लोगों से किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रही राज्य सरकार को करारा सबक सिखाने की अपील की। यह कहते हुए कि उन्होंने जिले में कृषि क्षेत्रों का दौरा करके क्षतिग्रस्त फसलों की जांच की है, उन्होंने कहा कि पानी की कमी के कारण हजारों एकड़ में फसलें सूख गई हैं।

किसानों में आत्मविश्वास जगाने के लिए वे दीक्षा समारोह का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम से कम अब सरकार को जागना चाहिए और फसलों को पानी देकर किसानों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए।

ठगी का शिकार हो रहे हैं युवा बेरोजगार .!

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचिर्याल जिला कलेक्टर कार्यालय में नौकरी दिलाने वाला गिरोह गिरोह सक्रिय है। आउटसोर्सिंग की नौकरियां बेचने के नाम पर गिरोह लाखों रुपये की उगाही कर रहा है। इस तरह का गिरोह उन बेरोजगार लोगों को निशाना बना रहा है जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी निजी और सरकारी नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि किसी कंपनी के नाम पर कुछ प्रबंधकों ने पैसे की प्यास के लिए सिंगरेनी कोयला बेल्ट क्षेत्र के निर्दोष लोगों का इस्तेमाल किया है। यह गिरोह लोगों को यह कहकर भरोसा दिलाता है कि आप नौकरी चाहते हैं, तो जिला कलेक्टर कार्यालय में आउटसोर्सिंग नौकरी के पद रिक्त हैं। यदि आप वह नौकरी चाहते हैं, तो चार लाख रुपये खर्च करने होंगे। यदि आप निचले स्तर के सरकारी कार्यालय में नौकरी चाहते हैं, तो तीन लाख रुपये देने होंगे।

किसी भी नौकरी के लिए पहले बेरोजगारों को 50 हजार एडवांस देने को कहा जाता है। इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद फोन पे में 50 हजार से एक लाख रुपये तक लिये जाते हैं। बेरोजगारों को महीनों तक इधर-उधर कहकर टाला जाता है। यहां तक की कुछ लोगों को फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया जाता है। इसके बाद गिरोह के सदस्य संबंधित पीड़ितों को यह कहकर बरगला रहे हैं कि अगर यह मामला चुनाव के दौरान सामने आया तो नौकरी की नियुक्तियों पर रोक लग जाएगी। इस गिरोह द्वारा चेन्नूर, श्रीरामपुर, रामकृष्णपुर, मंदामरि, कासिपेटा, बेल्लमपल्ली और मंचिर्याल जिले के अन्य इलाकों में बेरोजगारों से लाखों रुपये वसूल चुके हैं। ठगे गए युवाओं का कहना है कि यदि पुलिस संज्ञान लेकर इसकी जांच करे तो कई लोग पकड में आ जाएंगे।

सरकारी स्कूलों में अम्मा आदर्श समितियों का गठन करें : पटनायक

हनुमाकोंडा, 30 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में अम्मा आदर्श समितियों का गठन किया जाना चाहिए और उनके तत्वावधान में स्कूलों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

अम्मा आदर्श समितियों के गठन और बुनियादी ढांचे के निर्माण को लेकर शनिवार को हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में शिक्षा विभाग और इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस बैठक में पटनायक ने कहा कि प्रत्येक सरकारी विद्यालय में अम्मा आदर्श विद्यालय समिति की स्थापना की जाये, समिति की अध्यक्षता महिला संघ की नेता करेंगी तथा प्राचार्य सदस्य संयोजक होंगे। समिति के सदस्यों के रूप में छात्रों की माताओं को चुना जाना चाहिए जो दो साल तक चलेगी। अम्मा ने आदर्श समिति के नाम से बैंक में खाता खोलने का सुझाव दिया। वे स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं पर एक रिपोर्ट तैयार कर उन्हें मुहैया कराना चाहते हैं। कक्षा में एलईडी लाइटें और पंखे लगाए जाएं। गर्मी की छुट्टियों के बाद जब छात्र स्कूल वापस आते हैं तो वे स्कूलों में बदलाव देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए गणवेश सिलाई की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय दर्जियों को सौंपी जा रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर विद्यार्थियों की पोशाक सिलने में सक्षम महिला समूहों की पहचान कर ऑर्डर देने की सलाह दी गई है।

इस बैठक में अपर समाहर्ता राधिका गुप्ता, डीईओ डॉ अब्दुल हई, सीपीओ सत्यनारायण रेड्डी, अग्रणी जिला प्रबंधक श्रीनिवास एवं इंजीनियरिंग अधिकारी शामिल हुए।

दिल्ली के रामलीला मैदान में आज इंडिया की रैली

आप ने कहा- विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा, भाजपा बोली- ये भाषण के लिए भीड़ जुटाते हैं

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 31 मार्च को इंडिया ब्लॉक महारैली करने वाला है। इसमें 26 दलों के नेता शामिल हो सकते हैं। लोकसभा चुनाव से पहले यह विपक्ष की पहली बड़ी रैली होगी। शनिवार को आप नेता गोपाल राय और दिलीप पांडे ने रामलीला मैदान में तैयारियों का निरीक्षण किया।

गोपाल राय ने कहा कि गठबंधन के नेता 'तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' रैली में पहुंच रहे हैं। केंद्र सरकार एजेंसियों की मदद से विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रही है। एक चुने हुए मुख्यमंत्री को किसी के आरोपों के आधार पर जेल में डाल दिया गया। ये जो खेल चल रहा है, इसी के खिलाफ महारैली होने जा रही है।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं को राज्यों में कोई भी पूछने वाला नहीं है। इसलिए जहां भीड़ इकट्ठा होती है, वहां अपना भाषण देते हैं। आज जनता ने इन्हें अस्वीकार कर दिया है।

जयराम रमेश बोले, रैली संविधान बचाने के लिए :

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 4-5 मुद्दे हैं जिन पर यह रैली आयोजित की गई है। हमें हेमंत सोरेन, अरविंद केजरीवाल और कई अन्य लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्हें निशाना बनाया गया है। कल की रैली को लोकतंत्र के नजरिए से देखा जाना चाहिए ना कि किसी एक पार्टी की रैली के तौर पर। यह रैली एक व्यक्ति को बचाने के लिए नहीं, संविधान को बचाने के लिए हैं।

आप ने कहा, साउथ लॉबी से भाजपा के कनेक्शन :

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी मार्लेना और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि शराब कारोबारियों की साउथ लॉबी से भाजपा के तार जुड़े हुए हैं।

केजरीवाल के खिलाफ बयान देने वाले मगुंटा श्रीनिवासलु रेड्डी और उनका बेटा राघव मगुंटा 28 मार्च को भाजपा की सहयोगी पार्टी टीडीपी में शामिल हो गए। मार्च 29 को मगुंटा को टीडीपी ने लोक सभा का चुनाव लड़ने का टिकट मिलता है। साउथ लॉबी के शरथ रेड्डी भाजपा को 55 करोड़ का चंदा देते हैं। मगुंटा श्रीनिवासलु रेड्डी को भाजपा की सहयोगी पार्टी टिकट देती है, तो क्या अब ईडी भाजपा को शराब घोटाले की जांच में आरोपी बनाएगी?

गोशाला फेडरेशन द्वारा किसानों को 2600 गोवंशों का वितरण

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा वर्ष 2023 में जरूरतमंद एवं निर्धन किसानो को 2600 गोवंश वितरित किया गया। काचीगुडा स्थित तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के कार्यालय में अध्यक्ष राजेश्वर राव ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए यह जानकारी दी।

राजेश्वर राव ने बताया की अनुसूचित जनजाति के किसानो को 1000, अनुसूचित जाती के किसानो को 290, पिछड़ा वर्ग के किसानो को 710 महिला किसानो को 497 गोवंश वितरित किया गया है, साथ ही, कृषि विश्वविद्यालयों एवं मंदिरो में भी गोवंश वितरित किया गया है। 2023 वर्ष में खम्मम, जनगांव, वारंगल, हनुमकोंडा, महबूबाबाद, सूर्यापेट, करीमनगर, यादाद्रि, सिरसिल्ला, महबूबनगर, हैदराबाद, रंगारेड्डी आदि जिल्लो के किसानो को गोवंश वितरित किया गया है।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल ने कहा की फेडरेशन द्वारा जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए निर्धन किसानो को निशुल्क रूप से गोवंश दिया जाता है, जिससे की किसान गोबर एवं गोमूत्र से सेंद्रिय खेती कर सके एवं ट्रेक्टर के स्थान पर गोवंश का प्रयोग कर सके, अब तक हजारो किसान इसी गोवंश की मदद से सेंद्रिय खेती कर रहे है। इस अवसर पर विभिन्न गोशाला के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कृषि जिला अधिकारी ने किया फर्टीलाइजर दुकानों का निरक्षण

मदनूर, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त मदनूर मंडल में सरकार के आदेश नुसार कमारेड्डी जिला कृषि अधिकारी भाग्य लक्ष्मी ने शनिवार के दिन सयुक्त मंडल के समितियों के साथ साथ विविध रसायनिक दुकानों का निरक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिए की किसानों को ई पॉस मशीनों के माध्यम से रसायनिक खत की बिक्री की जाए। इस के साथ ही, मदनूर किसान वेदिका में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस का भी अवलोकन किया गया।

आने वाले बरसात के मौसम में किसानों को सलाह दी गई कि किसान समय पर बीज और खत जमा रखें और सभी फसलों पर कृषि विभाग द्वारा मदनूर किसान भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस का लाभ उठाएं। इस कार्यक्रम में मंडल कृषि अधिकारी राजू, एईओ अनिल, गजानन एवं सोसायटी स्टाफ ने भाग लिया।

बीआरएस का बचना मुश्किल है.. : अरविंद कुमार गौड़

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी पोलित ब्यूरो सदस्य अरविंद कुमार गौड़ ने केसीआर सरकार पर जन कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। एनटीआर भवन में टीडीपी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अरविंद कुमार गौड़ ने कहा कि यह वह दिन है जब टीडीपी ने इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसने सभी समुदायों के लिए सामाजिक न्याय किया है और यह एक ऐसी पार्टी है जिसने झुग्गी-झोपड़ियों से राजनेता बनाए हैं। उन्होंने एनटीआर को पटवारी प्रणाली को समाप्त करने वाला नेता बताया।

भले ही वह 20 साल से सत्ता में नहीं हैं, लेकिन कार्यकर्ता अभी भी बरकरार हैं, उन्होंने कहा, एनटीआर ने पार्टी को जो गति दी, चंद्रबाबू के नेतृत्व में वह खूब फली और फूली। उन्होंने कहा कि पार्टी इस तरह से काम करे कि राज्य में पार्टी को गौरवान्वित किया जा सके।

विनोबा नगर, दारुसलाम रोड पर 150 मीटर नई सीवरेज लाइन के काम का जामबाग नगरसेवक राकेश जयसवाल ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर शांति देवी, प्रेम, राजू यादव, रघु कांबले, के रामकृष्ण, नरसिंह राव, रंगेश और स्थानीय उपस्थित थे।

विशेष जज बनने पर कुलकर्णी का सम्मान

भैंसा, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर के प्रमुख वकील दिलीप कुलकर्णी के पुत्र विशाल कुलकर्णी को नलगोंडा जिला न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश पॉस्को कोर्ट) के रूप में नियुक्ति के अवसर पर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए विधायक रामा राव पटेल ने विशाल कुलकर्णी और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले डॉ. दामोदर रेड्डी ने कहा कि संयुक्त आदिलाबाद जिले में प्रथम जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाना बेहद सराहनीय है। यह अनेक युवाओं के लिए मार्गदर्शक साबित होंगे। कार्यक्रम में सम्मान पाने वाले विशाल कुलकर्णी ने कहा कि वह भैंसा कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों के उन सभी लोगों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उनके विकास में योगदान दिया। उनके साथ अधिवक्ता दिलीप कुलकर्णी, अनंत कुलकर्णी, भैंसा एरिया अस्पताल अधीक्षक डॉ. काशीनाथ, एजीपी अधिवक्ता संतोष भी थे। शहर के प्रतिष्ठित रमेश मांधनी, नागनाथ पटेल, सादुल कृष्ण दास, श्याम मांधनी, जनार्दन रेड्डी, शेष राव पटेल, सेवानिवृत्त कर्मचारी अध्यक्ष नागनाथ, एनुगु गंगारेड्डी, रमेश माशेट्टीवार, डॉ. पोशेट्टी, संदीप कुलकर्णी, एडवोकेट गडपाले शंकर, गुज्जुल वार वेंकटेश, सादुला नारायण, पोशेट्टी, बालाजी सुत्रावे, पुंडलिक राव, शिव बच्चूवार, शेख अंजद, खालिद, माणिक दग्गड़े, डॉक्टर नरसिंह राव, नागेश, डॉ. महिपाल, रामकृष्ण गौड़, राजा रेड्डी, मुत्यम रेड्डी, संतोष, बाशा, कुर्शीद, दुर्गादास, मधुसूदन गौड़, मनोज कुमार, विजयानद, यादव, अजय रेड्डी, सूर्यकांत, कैलाश, चन्द्रशेखर, कमलेश, गणेश यादव, वैभव। अन्य मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा श्री उत्सव प्रदर्शनी जून में

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्ष कविता आच्छा ने बताया कि इस वर्ष हैदराबाद मंडल द्वारा श्री उत्सव प्रदर्शनी का आयोजन 14, 15 जून 2024 को तेरापंथ भवन डी.वी. कॉलोनी में किया जाएगा।

संपूर्ण भारतवर्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में 400 शाखा मंडलों द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है। इसमें उद्यमी बहनों एवम कन्याओं को स्वावलंबी बनाने के लिए मंच प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या शासन श्री शिवमाला जी आदि ठाणा-4 का पदार्पण हो गया है। सभी श्रावक समाज दर्शन सेवा का लाभ अवश्य लें।

पंचमुखी हनुमान सेवा दल जियागुड़ा द्वारा हनुमान मठ में आयोजित महाआरती और पूजा कार्यक्रम में बजरंग सेना के प्रदेशाध्यक्ष एन.आर.लक्ष्मण राव ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजक महेंद्र गुल्लापल्ली, सूर्या शुक्ला, रामेश्वर मिश्रा, पवन गौड़, सरदार गुरमीत सिंह, राहुल, विजयकुमार, जसवन्त, जीवीके वेंकट, पवन इंदौरिया, पुरूषोतम, पुजारी शंकर जी और दीपक जी, नरेश और अन्य उपस्थित थे।

कुमावत समाज एर्रागड्डा-बोराबंडा शाखा के निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर राजूराम बाकरेचा को सम्मानित करते हुए रामचंद्र मावर, राकेश मावर, मोहनलाल मावर, भंवरलाल मावर, महेंद्र आईस, गेपरराम मालीवाड, चेनाराम रेणवाल एवं धर्माराम भोमावत।

आयकर विभाग के नोटिस पर फूटा कांग्रेस का गुस्सा

भाजपा पर लगाया कानून का उल्लंघन करने का आरोप

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले आयकर विभाग ने पिछले वर्षों के कर रिटर्न विसंगतियों के लिए कांग्रेस को 1,823.08 करोड़ रुपये का नया नोटिस थमाया है। आयकर विभाग के इस नोटिस पर कांग्रेस नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। इस पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर सत्ता का दुरूपयोग और कानून का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया है।

आयकर विभाग के नोटिस पर फूटा कांग्रेसी नेताओं का गुस्सा

आयकर विभाग के नोटिस पर कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, देश में लोकतंत्र है। कानून है। भाजपा सरकार अधिकारियों को निर्देश देकर इस तरह की कार्रवाई कर रही है। वे विपक्ष पर निशाना साध रहे हैं। इसका मतलब यह है कि वे कांग्रेस और इंडी गठबंधन से डर रहे हैं। इंडी गठबंधन एनडीए को हराने वाली है। भाजपा इस कमजोरी को समझ चुकी है। उन्हें मालूम है कि भाजपा चुनाव हारने वाली है। इसलिए वह डर पैदा करने की कोशिश कर रही है। कल रात मुझे उस मामले को लेकर नोटिस भेजा गया, जो पहले ही सुलझ चुका है।

लोकतंत्र को पंगु बनाने की कोशिश

कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने आयकर विभाग के नोटिस पर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने इसे सरकार द्वारा जान बूझकर लिया गया फैसला बताया है। प्रियांक ने कहा, भाजपा अपने आईटी और ईडी के मुखौटा संगठन को सक्रिय कर रही है। वे लोकतंत्र की प्रक्रिया को पंगु बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से अधिक सीटें नहीं जीतने वाली है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद सावंत ने कहा, यह सत्ता का दुरूपयोग और कानून का उल्लंघन है। इससे यह पता चलता है कि देश में अब लोकतंत्र नहीं रह गया है। हर तरह से विपक्षी पार्टियों के नाक में दम कर दिया है। अब तो यह भी समझ नहीं आ रहा कि वे क्या कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आयकर विभाग के जरिए भाजपा सरकार कांग्रेस को पंगु बनाने की कोशिश कर रही है।

इन पार्टियों को भी मिला आयकर विभाग से नोटिस

बता दें कि कांग्रेस के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भी आयकर विभाग से एक नोटिस मिला है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों के दौरान आयकर रिटर्न दाखिल करते समय पुराने पैन कार्ड का उपयोग करने के लिए पार्टी को 11 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करने को कहा गया है। इसके साथ ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को भी 15.59 करोड़ रुपये बकाए का नोटिस जारी किया गया है।

दिल्ली जल बोर्ड केस- ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

140 पन्नों की चार्जशीट में जल बोर्ड के पूर्व चीफ इंजीनियर और कॉन्ट्रेक्टर आरोपी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को दिल्ली जल बोर्ड केस में पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें एक कंपनी और 4 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि दिल्ली जल बोर्ड ने ठेका देने में भ्रष्टाचार किया। घूस की रकम आम आदमी पार्टी को इलेक्शन फंड के तौर पर दी गई। दिल्ली जल बोर्ड केस में यह ईडी की पहली चार्जशीट है। इसे दिल्ली की स्पेशल प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट में पेश किया गया। चार्जशीट में जल बोर्ड के पूर्व इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा, कॉन्ट्रेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड कंपनी के पूर्व जनरल मैनेजर डीके मित्तल, एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और तेजिंदर सिंह को आरोपी बनाया गया है। एजेंसी ने इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था, पर वो नहीं पहुंचे। ईडी ने केजरीवाल को शराब घोटाला केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, वे अभी भी ईडी की कस्टडी में हैं। ईडी ने जल बोर्ड केस में केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट वैभव कुमार, आप के राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता, दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज मंडल और कुछ और लोगों के घर छापा मारा था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2024 का पॉइंट्स टेबल : टॉप की टीमों का खेल बिगाड़ सकती है ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का पॉइंट्स टेबल तो खुल गया है. टीमों के बीच उतार-चढ़ाव भी हर मैच के साथ दिख रहा है. लेकिन , 3 टीमें ऐसी हैं जो जीत का दामन नहीं छोड़ रही है. उन टीमों के लिए 72 घंटे भारी हैं. जानिए क्यों और कैसे?

आईपीएल 2024 में अब हरेक टीमों ने कम से कम 2 मुकाबले खेल लिए हैं. कुछ का खाता खुल गया है, तो कुछ का खुला ही नहीं है और कुछ हैं जो हारे ही नहीं हैं. जो हारे नहीं हैं वहीं आईपीएल के 17वें सीजन के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बैठे हैं.

पहले 2 मैचों के बाद उनके एक बराबर अंक हैं. लेकिन, रनरेट के आधार पर वो एक-दूसरे से आगे पीछे हैं. चेन्नई सुपर किंग्स टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है और ये चीज आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में भी दिख रही है, जहां वो पहले पायदान पर है. चेन्नई के अलावा केकेआर दूसरे नंबर पर है. लेकिन, टॉप की इन दो टीमों पर 72 घंटे भारी रहने वाले हैं.

अब सवाल है कि 72 घंटों में क्या होगा? तो ये वो 72 घंटे होंगे, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ना सिर्फ

चेन्नई सुपर किंग्स बल्कि कोलकाता नाइट राइडर्स का भी खेल बिगाड़कर उसे सीजन की पहली हार से दो चार कराती दिख सकती है. इस 72 घंटे की शुरुआत 31 मार्च से होगी, जब शाम के साढ़े 7 बजे अपने नए होम ग्राउंड विशाखापत्तनम में दिल्ली सीएसके का मुकाबला करेगी. और फिर यहीं पर 3 अप्रैल को वो केकेआर से खेलेगी.

सीएसके और केकेआर का दिल्ली बिगाड़ेगी खेल!

आईपीएल 2024 के पहले दो मैच के बाद फिलहाल चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों के 4-4 पॉइंट हैं. मगर सीएसके का 1.979 का रनरेट केकेआर के 1.047 रन रेट से ज्यादा है तो टॉप पर उसका कब्जा बरकरार है. अब अगर पहली जीत की तलाश में जुटी दिल्ली कैपिटल्स ने इनका खेल खराब किया तो फिर पॉइंट्स टेबल में इनके नीचे गिरने की पूरी संभावना रहेगी. ऋषभ पंत की दिल्ली के पहले 2 मैचों के बाद शून्य अंक है. उसका खाता नहीं खुल सका है और वो पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर है.

तीसरे नंबर पर आरआर, 9वें स्थान पर मुंबई

आईपीएल 2024 के अब तक के सफर में तीसरे नंबर की टीम राजस्थान रॉयल्स है. इसके भी सीएसके और केकेआर की तरह 4 अंक हैं क्योंकि इसने भी पहले दोनों मैच अपने जीते हैं. लेकिन रनरेट 0.800 का होने के चलते इन्हें तीसरा स्थान मिला है. राजस्थान को अपना अगला मैच पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर की टीम मुंबई से है, जिसे शुरुआती दोनों मैच गंवाने के बाद दिल्ली की ही तरह पहली जीत का इंतजार है.

टॉप 5 में एसआरएच और पीबीकेएस, नंबर 6 आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सबसे पहले आईपीएल 2024 में अपने 3 मैच खेले हैं. लेकिन, उन 3 में से वो सिर्फ एक ही जीत सकी है. इसीलिए जहां अंक 6 होने चाहिए थे वहां सिर्फ 2 है और ये टीम पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है.

सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स पहले 2 मैचों में 1-1 जीत और 1-1 हार के साथ चौथे और 5वें नंबर पर है. टूर्नामेंट में 10वें नंबर की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स है. हालाकि उसने अब तक सिर्फ 1 मैच ही खेला है, जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा.

अब आर-पार के मूड में आया डब्ल्यूएफआई

खेल मंत्रालय के निलंबन नहीं हटाने पर लेगा यह अहम फैसला

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएफआई ने विशेष आम बैठक (एजीएम) बुलाई और उसमें यह फैसला लिया कि अगर केंद्रीय खेल मंत्रालय उस पर लगाए निलंबन पर विचार नहीं करता है तो वह सरकारी खर्च के बिना काम करना शुरू कर देगा। खेल मंत्रालय ने संजय सिंह की अगुआई वाली नई डब्ल्यूएफआई की कार्यकारी समिति पर खेल संहिता के उल्लंघन के आरोप के चलते निलंबन लगाया हुआ है।

आईओए ने तदर्थ समिति को किया था भंग

खेल की वैश्विक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने संजय सिंह की अगुआई वाली डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटा दिया था। इसके बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारत में कुश्ती का दैनिक कार्य देख रही भूपेंद्र सिंह बाजवा के नेतृत्व वाले तदर्थ समिति को भंग करने का निर्णय लिया था। आईओए द्वारा उठाए गए इस कदम के बाद ही डब्ल्यूएफआई ने अपनी एजीएम आयोजित की थी।

सरकार ने नहीं हटाया डब्ल्यूएफआई से निलंबन

डब्ल्यूएफआई की नई कार्यकारी समिति के अध्यक्ष संजय सिंह को भले ही यूडब्ल्यूडब्ल्यू और आईओए से राहत मिल गई है, लेकिन केंद्र सरकार से उन्हें अबतक राहत नहीं मिली है। सरकार के अनुसार, डब्ल्यूएफआई ने नियमों का उल्लंघन किया था और चुनाव संपन्न होने के तीन बाद ही डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया गया था।

निलंबन हटाने का अनुरोध करेगा डब्ल्यूएफआई

न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने कहा, एजीएम के दौरान इस बात पर सहमित बनी है कि हम सरकार से निलंबन हटाने का अनुरोध करेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने निलंबन हटा लिया है और आईओए ने भी तदर्थ समिति भंग कर दी है इसलिए डब्ल्यूएफआई पर लगाए गए निलंबन को जारी रखने का कोई मतलब नहीं है। अगर खेल मंत्रालय हमारे अनुरोध पर विचार नहीं करता है और वित्तीय सहायता प्रदान करने के खिलाफ फैसला लेता है तो हम भी सरकार से कोई खर्च लिए बिना अपना काम करेंगे।

डब्ल्यूएफआई ने अपने संविधान में किया संशोधन

एजीएम के दौरान डब्ल्यूएफआई ने अपने संविधान में एक अहम संशोधन किया है। इसके अनुसार अब नए पद पर चुनाव लड़ने वाले किसी उम्मीदवार को दो तिहाई बहुमत से जीतने की जरूरत नहीं होगी। डब्ल्यूएफआई के कुछ महीने पहले संपन्न हुए चुनाव में संजय सिंह को अध्यक्ष पद के लिए दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतना जरूरी था क्योंकि वह महासंघ के पिछले कार्यकाल में संयुक्त सचिव थे।

एसआरएच के लिए बुरी खबर, धाकड़ खिलाड़ी वानिंदु हसारंगा हुआ चोटिल; वापसी पर सस्पेंस

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2024 में काफी मजबूत नजर आ रही है। इस सीजन के पहले दो मैच में टीम की ताकत का पता चला है। लेकिन उसी बीच टीम की दिक्कतें अब थोड़ा बढ़ती हुई दिख रही हैं। टीम का एक धाकड़ खिलाड़ी अभी तक फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ा नहीं है, वहीं उनके चोटिल होने की जानकारी मिली है।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मौजूदा सीजन में एक नए कप्तान और नए कॉम्बिनेशन के साथ अलग लय में नजर आ रही है। पहले दो मैच में से जीत टीम को एक मैच में मिली लेकिन प्रदर्शन दोनों मैचों में लाजवाब रहा है।

लेकिन फिर भी टीम के लिए एक बुरी खबर है। दरअसल हैदराबाद ने आईपीएल 2024 के ऑक्शन में एक धाकड़ खिलाड़ी को खरीदा था, मगर वो खिलाड़ी अभी तक टीम के साथ जुड़ा नहीं है और आगे भी उसकी वापसी पर सस्पेंस है क्योंकि उनके चोटिल होने की जानकारी मिली है। उस खिलाड़ी का नाम है वानिंदु हसारंगा जो श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान भी हैं।

हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट ने उन्होंने 4 टी20 इंटरनेशनल के बैन से बचाने के लिए अचानक रिटायरमेंट से वापस बुलाते हुए टेस्ट स्क्वाड में चुन लिया। अब इसी बीच उनके ऐंकल (टखने) में इंजरी की जानकारी सामने आने लगी है। उसी बीच हसारंगा के मैनेजर ने क्रिकबज से बात करते हुए जो बयान दिया उसने भी सस्पेंस खड़ा कर दिया है। मैनेजर ने कहा,'वह जल्द या कुछ दिन बाद ज्वॉइन करेंगे।' यानी कुछ साफ नहीं है कि वह कब तक वापसी करेंगे। मगर करेंगे ऐसा मैनेजर का कहना है। आपको बता दें कि हसारंगा को फ्रेंचाइजी ने 1.5 करोड़ के बेस प्राइस पर खरीदा था। वहीं जबकि आरसीबी में 2022 और 2023 में खिलाड़ी को 10.75 करोड़ रुपए मिलते थे मगर आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया। ऐसे कई मामले सामने आए जिसमें कुछ खिलाड़ियों ने ऑक्शन में कम पैसा मिलने के कारण नाम वापस लिया। इसको लेकर हसारंगा के मैनेजर ने साफ किया कि यह बिल्कुल गलत है।

केकेआर की जीत के बाद भी गंभीर के फैसले पर उठा सवाल, क्या ऑक्शन में गौतम से हुई थी चूक?

बेंगलुरु, 30 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आरसीबी को करारी हार दे दी है, लेकिन फिर भी गौतम गंभीर अपने फैसले को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि गंभीर से ऑक्शन में बड़ी चूक हो गई थी।

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 के 10वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शानदार जीत मिली है। यह कोलकाता के लिए इस सीजन की लगातार दूसरी जीत है। केकेआर ने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 रनों से जीत दर्ज की थी। अब कोलकाता ने आरसीबी को भी मात दे दी है। इस आधार पर देखा जाए तो कोलकाता अच्छा खेल रही है, बावजूद इसके गौतम गंभीर के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर फैंस बात कर रहे हैं कि गंभीर से आईपीएल 2024 के ऑक्शन में भूल हो गई थी।

बता दें कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने भले ही दोनों मुकाबले अपने नाम कर लिए हैं, लेकिन केकेआर ने ऑक्शन में जिस खिलाड़ी पर सबसे बड़ा दांव खेला था, उसका प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा है। कोलकाता ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पर ऑक्शन की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। कोलकाता के मेंटर गौतम गंभीर भी ऑक्शन में शामिल थे, उन्होंने मिचेल स्टार्क पर 24.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई और खिलाड़ी को अपनी टीम में शामिल किया था। स्टार्क ने आईसीसी विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसी कारण से गंभीर ने उन पर इतनी बड़ी बोली लगाई थी, लेकिन अब जब आईपीएल का आगाज हुआ है, तो गौतम गंभीर स्टार्क पर बोली लगार पछता रहे होंगे।

मिचेल स्टार्क सिर्फ आईपीएल 2024 ऑक्शन के ही नहीं, बल्कि आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। ऐसे में केकेआर को उम्मीद थी कि स्टार्क अपने प्रदर्शन से कोलकाता की जीत में अहम योगदान निभाएंगे, लेकिन स्टार्क का प्रदर्शन शुरुआती दो मुकाबलों में पूरी तरह से खराब रहा है। बता दें कि गेंदबाज की हैदराबाद के खिलाफ पहले मुकाबले में भी खूब पिटाई हुई थी।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी पर मंडराया बड़ा खतरा

बाबर आजम फिर बन सकते हैं पाकिस्तान के कप्तान

लाहौर, 30 मार्च (एजेंसियां)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उनकी कप्तानी में टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा है। अब उनकी कप्तानी पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से ही पाकिस्तानी टीम के कप्तान बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद टेस्ट का कप्तान शान मसूद को और टी20 फॉर्मेट का कप्तान शाहीन अफरीदी को बनाया गया है। अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। अब शाहीन अफरीदी की कप्तानी खतरे में पड़

गई, क्योंकि बाबर आजम को एक बार फिर से सफेद गेंद की कप्तानी की पेशकश की गई है।

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस सप्ताह की शुरुआत में यह पेशकश करने के लिए बाबर से मुलाकात की थी। बाबर आजम ने अभी तक यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने पीसीबी से कहा है कि अगर उन्हें वापसी पर विचार करना है तो उन्हें तीनों प्रारूपों में कप्तान नियुक्त किया जाए। अभी बाबर के बाद किसी को भी पाकिस्तानी टीम का कप्तान नियुक्त नहीं किया गया है।

लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने आर्मी के साथ ट्रेनिंग कैम्प के बाद आखिरी फैसला लिया जाएगा। जिसके बाद से ही शाहीन अफरीदी की कप्तानी खतरे में पड़ गई है। हाल ही में पाकिस्तानी सुपर लीग में उनकी टीम लाहौर कलंदर्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी और टीम आखिरी पायदान पर रही थी। इसके बाद उनकी कप्तानी की आलोचना भी हुई थी। पीसीबी चीफ नकवी ने ये भी कहा था कि पाकिस्तानी एक दीर्घकालिक कप्तान चाहता था जिसे वे समर्थन दे सकें।

कोहली-गंभीर ने दिया फैन्स को सरप्राइज!

बेंगलुरु, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के मैच नंबर-10 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हरा दिया. कोलकाता नाइट राइडर्स की ये लगातार दूसरी जीत रही. केकेआर को अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 रनों से जीत हासिल हुई थी. दूसरी तरफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही.

इस मुकाबले में कोलकाता की जीत और आरसीबी की हार से ज्यादा विराट कोहली और गौतम गंभीर की चर्चा हो रही है. कोहली और गंभीर के बीच कड़वाहट जगजाहिर थी, मगर बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में जो कुछ घटा, वो वाकई फैन्स के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं था. आरसीबी की पारी के 16वें ओवर की समाप्ति के बाद स्ट्रैटजिक

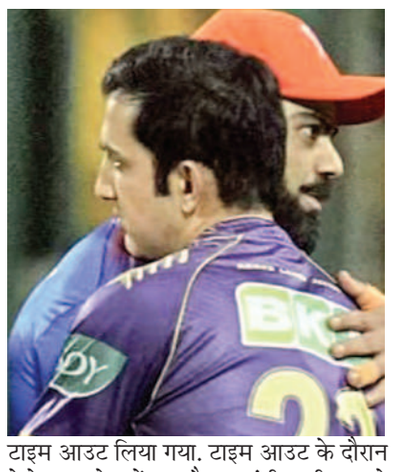

टाइम आउट लिया गया. टाइम आउट के दौरान केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर भी अपने खिलाड़ियों से विचार-विमर्श करने के लिए बीच मैदान पर आते हैं. उधर कोहली साथी खिलाड़ी के साथ बातचीत करने और पानी पीने में मशगूल थे, तभी गंभीर उनके पास से गुजरते हैं. फैन्स को लगा कि गंभीर-कोहली पिछले आईपीएल की तरह ही पंगा लेने वाले हैं, लेकिन फिर जो कुछ घटित हुआ वो एक तरह से इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया.

गौतम गंभीर सबसे पहले विराट कोहली से हाथ मिलाते हैं और फिर उन्हें गले लगाते हैं. दोनों के बीच कुछ बातचीत भी होती है. इस दौरान दोनों दिग्गजों के चेहरे पर मुस्कुराहट भी देखने को मिलती है. ये वाकया देखकर सब चकित हो जाते हैं. मैच की कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री इस वाकये को लेकर कहते हैं, 'देखकर अच्छा लगा... विराट कोहली, गौतम गंभीर.' मैच समाप्ति के बाद भी विराट कोहली और गौतम गंभीर गले मिलते हैं.

आईपीएल के डराने वाले बल्लेबाज, जो सिर्फ 5 से 8 गेंद खेलने की करते हैं तैयारी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। आंद्रे रसेल टी20 लीग का जाना-माना नाम हैं. वो भी सिर्फ आईपीएल में नहीं बल्कि दुनिया भर की टी20 लीग में. वो बिग बैश से लेकर पाकिस्तान सुपर लीग तक हर जगह खेलते हैं।. कई बार तो ऐसा लगता है कि उनके करियर में वेस्टइंडीज के लिए खेलने से ज्यादा प्राथमिकता दुनिया भर की टी20 लीग में खेलना है. आईपीएल में भी वो पहली बार 2012 में जुड़े थे. 2012 से लेकर 2014 तक तो उन्हें 2-4 मैच में ही खिलाया जाता था. लेकिन 2015 के बाद से वो लगातार खेल रहे हैं. 2017 को छोड़ दें तो पिछले 8 साल से वो हर सीजन में कम से कम 10 मैच खेले हैं. 2017 में वो आईपीएल नहीं खेले थे.

अब आपको उनके रिकॉर्ड्स भी बता देते हैं. आंद्रे रसेल ने आईपीएल करियर में 175.55 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. आंद्रे रसेल ने अपने करियर में चौके से ज्यादा छक्के लगाए हैं. उन्होंने 153 चौके और 200 छक्के जड़े हैं. इसके अलावा उन्होंने 98 विकेट भी लिए हैं. इस सीजन में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में वो कोलकाता को जीत दिला चुके हैं. उस मैच में आंद्रे रसेल ने 25 गेंद पर 64 रन बनाए थे. इसमें 3 चौके और 7 छक्के शामिल थे. इसके अलावा उन्होंने 2 विकेट भी लिए थे. कोलकाता ने सनराइजर्स हैदराबाद को उस मैच में 4 रन से हराया था.

आंद्रे रसेल ने हाल ही में एक बयान दिया, जिसके मायने समझना जरूरी है. वैसे आगे बढ़ने से पहले बता दें कि ये कहानी सिर्फ आंद्रे रसेल की नहीं है. आंद्रे रसेल की तरह ही इस लिस्ट में राहुल तेवतिया, रिंकू सिंह जैसे नाम भी शामिल कर सकते हैं. बल्कि देखा जाए तो लगभग हर फ्रेंचाइजी के पास अपना आंद्रे रसेल है बस

उसका नाम अलग होगा. यानी हर फ्रेंचाइजी ने 'ऑक्शन टेबल' पर ऐसे खिलाड़ियों को खरीदा है जो 5 से 8 गेंद के गणित को समझते हों. यानी आंद्रे रसेल के उदाहरण से हम आईपीएल के इन डराने वाले बल्लेबाज़ों की कहानी समझेंगे. वैसे 5 से 8 गेंद पर बल्लेबाजी का ये गणित अगर थोड़ा डिकोड किया जाए तो 25 से 30 रन तार्किक लगते हैं.

आंद्रे रसेल का बयान समझना जरूरी है

चलिए वापस लौटते हैं आंद्रे रसेल पर. आंद्रे रसेल को कोलकाता नाइट राइडर्स ने रीटेन किया था. इसके लिए उन्होंने आंद्रे रसेल को 16 करोड़ रुपए दिए. लेकिन 16 करोड़ की कीमत वाले इस बल्लेबाज ने हाल ही में कहा- "मेरी सोच बिल्कुल साफ है. खास तौर पर पिछला मैच जीतने और उसमें कुछ रन बनाने के बाद। मुझे उम्मीद है कि मुझे बल्लेबाजी के लिए 5 से 8 गेंद मिलेगी. मुझे उनका बेहतर इस्तेमाल करना है.

अब जरा ठहरिए और सोचिए कि 5 से 8 गेंद खेलने के लिए 16 करोड़ रुपये. इतने पैसे तो कुछ टीमों के कप्तानों को भी नहीं मिलते होंगे. लेकिन ये वो बल्लेबाज हैं जो 16 करोड़ रुपये को 'जस्टिफाई' करने के लिए 5 से 8 गेंद ही खेलते हैं.

5 से 8 गेंद का मतलब है स्कोरबोर्ड में 20 से 30 रन जोड़ना या इसे ऐसे समझिए कि जीत के लिए आखिरी ओवर में 20-25 रन चाहिए तो ये बल्लेबाज काम कर देंगे. ऐसे में ये बल्लेबाज 120 गेंद के खेल में सिर्फ 5 से 8 गेंद को 'टारगेट' करते हैं. इनकी बल्लेबाजी का अंदाज और क्रम ऐसा ही रखा जाता है कि इन्हें यही 5 से 8 गेंदें मिले. इक्का दुक्का मैच छोड़ दिए जाएं तो फ्रेंचाइजी भी नहीं चाहती कि ये क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी करें. सनराइजर्स हैदराबाद पिछले मैच की बात करें तो वहां कहानी थोड़ी अलग थी. वहां जब रसेल क्रीज पर पहुंचे तो कोलकाता के 6 विकेट गिर चुके थे. स्कोरबोर्ड पर सिर्फ 119 रन थे. अभी पूरे 6 ओवर का खेल बाकी था. इसलिए रसेल ने शुरूआती चार पांच गेंद पर कोई रिस्क नहीं लिया. इसके बाद उन्होंने तूफानी पारी खेली. रसेल की फ्रेंचाइजी ये भी अच्छी तरह जानती हैं कि ये 5 से 8 गेंद को 'टारगेट' करने वाले बल्लेबाज उन्हें हर मैच में जीत नहीं दिलाएंगे. मोटे तौर पर ऐसे बल्लेबाज़ों से ये उम्मीद की जाती है कि वो एक सीजन में 2-3 मैच जीता दें. इसमें से अगर एक नॉकआउट मैच हो तो सोने पर सुहागा है.

कैसे होती है 5 से 8 गेंद खेलने की तैयारी?

इस बात को समझना भी बहुत जरूरी है. 120 गेंद के खेल में सिर्फ 5 से 8 गेंद खेलने की तैयारी कैसे होती है? सबसे पहले तो इस तरह की तैयारी करने वाले बल्लेबाज़ों में गेंदबाज के दिमाग को पढ़ने की कला जबरदस्त होती है. वो गेंदबाज को उसके ऐक्शन से भांपते हैं. ऐसे बल्लेबाज़ों के पास हर गेंद को खेलने के लिए दो-तीन विकल्प होते हैं. यानी ये बल्लेबाज एक ही गेंद पर दो-तीन तरह के शॉट्स खेलने में महारत हासिल करते हैं. इस महारत को हासिल करने के बाद उन्हें दो तीन बातों का आंकलन और करना होता है. पहली तो ये विरोधी गेंदबाज ने फील्ड प्लेसमेंट क्या ले रखा है और दूसरी बड़ी बात ये कि स्टेडियम के किस हिस्से में बाउंड्री छोटी है. ये बल्लेबाज गेंद को उसी दिखा में खेलने की कोशिश ज्यादा करते हैं जहां बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी है. ऐसा इसलिए कि अगर शॉट 'मिसटाइम' भी हो जाए तो गेंद बाउंड्री के पार चली जाए.

इस लिस्ट में आने वाले बल्लेबाज़ों के शॉर्ट्स में ताकत जमकर देखने को मिलेगी. आप ऐसे बल्लेबाज़ों का बैट-स्विंग देखिए. इनका बल्ला पलक झपकते ही गेंद को हवा में उड़ाने की काबिलियत रखता है। इसके अलावा ऐसे बल्लेबाज़ों का 'फियरलेस' होना जरूरी है. यानी जिन्हें चोट लगने से डर नहीं लगता. टी20 क्रिकेट में जिस तरह के शॉर्ट्स खेले जा रहे हैं उसमें गेंद के मिस होने पर चोट का खतरा रहता है. लेकिन विकेट पर 'शफल' होकर यानी अपनी जगह बदलकर शॉट्स खेलने से ये बल्लेबाज बिल्कुल घबराते नहीं हैं.

चुनाव कर्मचारियों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए : कलेक्टर

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जिला कलेक्टर और रिटर्निंग अधिकारी अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को लोकसभा चुनाव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। शनिवार को यहां बंजारा हिल्स स्थित बंजारा भवन में सेक्टर अधिकारियों, जिला स्तरीय और निर्वाचन क्षेत्र स्तर के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि चुनाव के संचालन में क्षेत्रीय अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है और उन्हें क्षेत्र स्तर पर प्रत्येक मतदान केंद्र की स्थितियों का पहले से निरीक्षण करना चाहिए और समय-समय पर इसे चुनाव अधिकारियों के ध्यान में लाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर चुनाव बिना किसी समस्या के सुचारू रूप से संपन्न कराना है तो यह सेक्टर अधिकारियों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। मतदान कार्मिकों के लिए एआरओ स्तर पर 1 व 2 अप्रैल को प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा तथा विधानसभा क्षेत्र स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी पीओ व एपीओ शामिल हों।

जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने कहा कि जब चुनाव कर्तव्यों को पूरी समझ के साथ निभाया जाएगा तो मतदान के दिन कोई गलती नहीं होगी। मास्टर ट्रेनरों को हर विषय की पूरी जानकारी होनी चाहिए, यह कहते हुए रोनाल्ड रोज ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर पीओ और एपीओ को प्रशिक्षण देते समय उन्हें अपनी शंकाओं का समाधान करना चाहिए और उससे पहले निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर मास्टर प्रशिक्षकों को हर पहलू पर पकड़ होनी चाहिए। प्रशिक्षण का। कर्मचारी जितना बेहतर काम करेंगे, उतना बेहतर चुनाव होगा। मॉक पोल और मतदान प्रक्रिया के दौरान, यदि ईवीएम में कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है, तो क्षेत्रीय अधिकारियों को इसे तुरंत हल करने के लिए सतर्क रहना चाहिए। ईवीएम सील सावधानी से की जानी चाहिए, अनधिकृत व्यक्तियों को मतदान डिब्बे और मतदान केंद्र में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, और मतदान केंद्र के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी पूर्व एमएलसी सतीश कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी और पूर्व एमएलसी पुरनम सतीश शनिवार को अधिकारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए।

दोनों नेता मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, वन मंत्री कोंडा सुरेखा और अन्य नेताओं की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। गडवाल विजयलक्ष्मी के पिता और राज्यसभा सदस्य के केशव राव ने भी कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया। जल्दही उनके पार्टी में शामिल होने की उम्मीद है।

पिछडों के लिए बीआरएस ने क्या न्याय किया?

पोन्नम ने की केटीआर की आलोचना

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने पिछड़े वर्गों के प्रति सहानुभूति दिखाने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की आलोचना की है और उनसे पूछा है कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान पिछड़े वर्गों के साथ क्या न्याय किया गया है।

शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री ने आरोप लगाया कि केटी रामा राव कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए क्या न्याय किया है, यह बताए बिना बकवास बोल रहे थे और उन्हें इस विषय पर बहस के लिए आने की चुनौती दी।

उन्होंने याद दिलाया, "केवल कांग्रेस पार्टी ही कमजोर और पिछड़े वर्गों के साथ न्याय कर सकती है। तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, राज्य सरकार ने जाति जनगणना की और निगमों को 16 जातियों को आवंटित किया गया है।" उन्होंने आगे कहा कि लोगों को कांग्रेस सरकार से यह पूछने की आजादी है कि क्या पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय हुआ है।

यह आरोप लगाते हुए कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछड़े वर्गों के विकास को सबसे कम प्राथमिकता देती है, मंत्री ने बताया कि भाजपा ने पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को अपनी राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से हटा दिया है और वही पद संघ को दे दिया है।

आईसीएसआई ने किया "एनसीएलटी प्रथाओं का रहस्योद्घाटन" पर सेमिनार

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा कॉरपोरेट अफेयर्स, भारत सरकार ने शनिवार को बेगमपेट में "डीमिस्टीफाइंग एनसीएलटी प्रैक्टिसेज" पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आईसीएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएस बी नरसिम्हन ने कहा कि यदि प्रधान मंत्री की आकांक्षा के अनुसार 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर हो जाती है, तो भारत को दो लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता है, जो है वर्तमान 72,000 सदस्यों में से कंपनी सचिवों का आकार तीन गुना है। आईसीएसआई हर साल विभिन्न कार्यक्रमों के तहत 14000 छात्रों का नामांकन करता है और इस साल हम यह संख्या दोगुनी कर देंगे।

आईसीएसआई ने हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है, जो भारत में प्रतिभूति बाजारों के नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा स्थापित एक सार्वजनिक ट्रस्ट है। नरसिम्हन ने बताया कि एमओयू दो संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की निरंतरता को दर्शाता है जो अनुपालन, प्रतिभूति बाजार, कानून और शासन के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और सहयोगी कार्यक्रमों के क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को सुविधाजनक बनाएगा और बढ़ाएगा। इसका पूरे भारत में 141 विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन है। शनिवार को उसने उस्मानिया यूनिवर्सिटी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर करने की योजना बनाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी कंपनी सचिव की योग्यता को पीजी डिग्री के समकक्ष मान्यता देता है। इसी तरह, यूके की राष्ट्रीय एजेंसी ने आईसीएसआई योग्यता को बेंचमार्क किया है।

कांग्रेस कार्यकर्ता ने किया सीएम के आवास पर आत्महत्या का प्रयास

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को यहां मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आवास पर एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने खुद पर डीजल डालकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

पार्टी कार्यकर्ता ने आत्महत्या का प्रयास इसलिए किया क्योंकि मुख्यमंत्री उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहे थे। पुलिस ने आत्महत्या के प्रयास को रोका और व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति की पहचान भूपलप्पल्ली के कांग्रेस नेता कृष्णा सागर के रूप में की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है जो हाल ही में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं और उनके जैसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पार्टी में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है।

अवैध तरिके से शराब बेचने वाले गिरफ्तार

वारंगल, 30 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बिना किसी अनुमति के शराब की अवैध बिक्री करने के आरोप एक को टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया ।

ए जे मिल्स कोलोनी पीएस सीमा में की गई इस कार्रवाई में 8840 रुपये की शराब जब्त की गई।

टास्क फोर्स टीम ने वारंगल के एसी रेड्डी नगर में पोलाबोइना चंद्रमौली (54 वर्ष) के घर पर छापा मारा और उसके कब्जे से कुल 8,840 रुपये की आईएमएफ शराब जब्त की। छापेमारी पूरी होने के बाद जब्त

की गई संपत्ति को आरोपी के साथ आगे की कार्रवाई के लिए एजे मिल्स कॉलोनी पुलिस को सौंप दिया गया।

एसीबी ने किया मीरपेट पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर को ट्रैप

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने शनिवार को मीरपेट पुलिस स्टेशन के एक उप-निरीक्षक को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया, जब उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति से 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की।

सब इंस्पेक्टर बी सैदुलु ने 'एक रियाल्टार के खिलाफ दायर शिकायत में कार्रवाई छोड़ने के लिए' राशि की मांग की थी। एसीबी अधिकारियों ने कहा, आरोपी अधिकारी ने अनुचित और बेईमानी से अपना कर्तव्य निभाया। सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

तेलुगु राज्यों के लिए पानी की चिंता बढ़ी

श्रीशैलम जलाशय का जलसंचय न्यूनतम निकासी स्तर से नीचे

फाइल फोटो

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चरम पर चढी गर्मी के कारण श्रीशैलम में जलाशय का स्तर 834 फीट के न्यूनतम ड्रॉ डाउन लेवल (एमडीडीएल) से नीचे चला गया है। जिससे दोनों तेलुगु राज्यों में पानी की चिंता बढ़ गई है। दोनों राज्य एमडीडीएल स्तर से नीचे जाकर 19 टीएमसी से अधिक पानी का उपयोग कर सकते हैं। 2015-16 के बाद पहली बार जलाशय का स्तर 810 टीएमसी तक पहुंच गया।

आंध्र प्रदेश ने हंद्री नीवा सुजला श्रावंती के तहत सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए मुचुमरी लिफ्ट सिंचाई योजना से अपनी निकासी जारी रखी। यह परियोजना तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अपनी कमान में बीज बिस्तरों को बढ़ाने जैसी पूर्व-खरीप गतिविधि का समर्थन करती थी। अगले जल वर्ष में ऐसा नहीं हो सकता है।

एपी में मुचुमरी लिफ्ट के निरंतर संचालन के कारण, श्रीशैलम के बैकवाटर से लगभग 850 क्यूसेक पानी निकाला जा रहा था। तेलंगाना राज्य भी कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत फसलों को समर्थन देने के लिए श्रीशैलम के बैकवाटर से लगभग 800 क्यूसेक पानी खींच रहा है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों राज्यों ने श्रीशैलम के अधिकांश पानी का उपयोग मुख्य रूप से बिजली उत्पादन के लिए किया है, जिसे इस वर्ष प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि श्रीशैलम में आवश्यक भंडारण स्तर बनाए रखा जाता था क्योंकि यह नागार्जुन सागर सहित नीचे की ओर जलाशयों को प्रमुख समर्थन स्रोत था। कृष्णा के जलग्रहण क्षेत्र में कम वर्षा के कारण बेसिन की लगभग सभी प्रमुख परियोजनाएँ सूखने के कगार पर हैं।

हाल ही में श्रीशैलम जलाशय का स्तर गिरकर 810 फीट हो गया। आपातकालीन स्थिति के मामले में, परियोजना भंडारण से पानी का दोहन 805 फीट के स्तर तक किया जा सकता है और इससे तीन टीएमसी से भी कम पानी प्राप्त हो सकता है और इसमें से एपी अपने हिस्से के लिए दावा कर सकता है। वर्ष 2015-16 में राज्य को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था।

जहां तक नागार्जुन सागर परियोजना का सवाल है, गुरुवार को जलाशय का स्तर 513.5 फीट तक पहुंच गया। दोनों राज्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके पास 510 फीट के एमडीडीएल से मुश्किल से 3.5 टीएमसी ऊपर है। एपी को वर्तमान जल वर्ष के लिए अपने हिस्से से 2.5 टीएमसी पानी का उपयोग करना बाकी है।

विद्युतीकरण के साथ बापटला-सुंदुरु स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन शुरू

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) अपनी रेल हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए रेल नेटवर्क में अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण पर प्रमुख ध्यान दे रहा है। तद्नुसार, बापटला-सुंदुरु के बीच 32 किलोमीटर की दूरी का एक और खंड सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और चालू कर दिया गया है। यह खंड विजयवाड़ा - गुडूर ट्रिपलिंग और एएमपी का हिस्सा है। विद्युतीकरण परियोजना, आंध्र प्रदेश राज्य में चल रही प्रमुख परियोजनाओं में से एक है और रेलवे लाइन का यह हिस्सा बापटला जिले के अंतर्गत आता है। इस खंड के तीनीकरण से अब सुरारेड्डीपलेम-सुंदुरु के बीच 106 किलोमीटर के निरंतर खंड में विद्युतीकरण के साथ-साथ तीसरी लाइन की सुविधा भी मिलेगी।

आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र के साथ ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर स्थित, एससीआर पर विजयवाड़ा - गुडूर के बीच का खंड देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों को दक्षिणी राज्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यात्री और मालगाड़ियों दोनों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण यह मार्ग अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो गया है। इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ कम करने के लिए, वर्ष 2015-16 में 288 किलोमीटर की दूरी के लिए 3246 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विजयवाड़ा-गुडूर तीसरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई थी। यह कार्य रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है।

सभी हिस्सों में एक साथ काम शुरू किया गया है। अब तक, 127 किलोमीटर की दूरी के लिए गुडूर-सिंगरायकोंडा के बीच खंड और 74 किलोमीटर की दूरी के लिए बापटला-सुरारेड्डीपलेम के बीच खंड को पूरा कर लिया गया है और सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। अब, बापटला-सुंदुरु के बीच 32 किलोमीटर के खंड के पूरा होने के साथ, कुल 233 किलोमीटर खंड तीसरी लाइन के साथ विद्युतीकृत हो गया है।

"तेलंगाना के लिए चुनौती है आम चुनाव"

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में तेलंगाना में कम से कम 13 से 14 सीटें जीतकर भारी बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी।

शनिवार को हुजूरनगर के मट्टमपल्ली में नलगोंडा संसदीय क्षेत्र चुनाव तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हुजूरनगर, कोडाद, सूर्यापेट, मिर्यालगुडा, देवरकोंडा, नागार्जुन सागर और नलगोंडा विधानसभा क्षेत्रों के 10,000 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया, जिसे उत्तम द्वारा संबोधित किया गया।

एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव, पूर्व विपक्ष के नेता के जना रेड्डी, नलगोंडा एलएस उम्मीदवार के रघुवीर रेड्डी, विधायक, एमएलसी और अन्य नेताओं सहित कई प्रमुख नेता इस अवसर पर उपस्थित थे।

उत्तम कुमार रेड्डी, ने घोषणा की कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों में सीट बरकरार रखेगी, जिससे सबसे अधिक जीत के अंतर का एक नया रिकॉर्ड स्थापित होगा। मैं नलगोंडा क्षेत्र से सात बार विधायक और सांसद के रूप में चुना गया हूं। कांग्रेस पार्टी के लिए आपका अटूट समर्थन मेरी चुनावी जीत में महत्वपूर्ण रहा है। यह कांग्रेस कैडर की कड़ी मेहनत, बलिदान और समर्पण का परिणाम है। मेरे कार्यकाल के दौरान नलगोंडा के सांसद के रूप में, मैंने महत्वपूर्ण विकास को बढ़ावा दिया है। अब, नलगोंडा सीट के प्रभारी के रूप में, मैं इसे न केवल जीतना, बल्कि तेलंगाना और पूरे भारत में उच्चतम बहुमत हासिल करना भी एक चुनौती मानता हूं।

उन्होंने भाजपा सरकार पर किसान समुदाय को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि न केवल आय दोगुनी करने में असफल रहे हैं, बल्कि मुद्रास्फीति पर विचार करें तो किसानों की आय में कमी आई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि उपकरणों और इनपुट सामग्रियों पर जीएसटी लगाकर किसानों पर बोझ डाला है। उन्होंने मोदी सरकार की नीतियों की आलोचना की, जैसे कि विमुद्रीकरण, त्रुटिपूर्ण जीएसटी कार्यान्वयन और अनियोजित सीओवीआईडी -19 लॉकडाउन, जिसके कारण महत्वपूर्ण नौकरी का नुकसान हुआ।

तेलंगाना प्रभारी दीपदास मुंशी ने कहा कि नलगोंडा हमेशा कांग्रेस पार्टी के लिए एक मजबूत किला रहा है। नलगोंडा के लोगों के समर्थन के बिना कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में सरकार नहीं बना सकती थी। उन्होंने उनसे अपना समर्थन जारी रखने और आगामी लोकसभा चुनाव में नलगोंडा सीट से कुंदुरु रघुवीर रेड्डी को चुनने का अनुरोध किया।

पार्टी बदलने वाले स्वार्थी के अलावा कुछ नहीं : सबिता

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जो लोग दल बदल रहे हैं वे सभी अमानवीय हैं। उन्होंने तेलंगाना भवन में चेवेल्ला लोकसभा के नेताओं के साथ आयोजित बैठक में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वे अफवाह फैला रहे हैं कि वे पार्टी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जिले में एक मंत्री पद मेरे लिए आरक्षण है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी आखिरी सांस तक केसीआर के साथ रहेंगी। उन्होंने कहा कि जब भी उनके साथी विधायक चेवेल्ला चेलेम्मा कहते हैं तो उनका मन रोमांचित हो जाता है।

उन्होंने कहा कि मैं पिछले 20 साल से देख रहा हूं और हर कोई जानता है कि विपक्ष में रहकर कैसे लड़ना है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों के लिए काम करना चाहिए और अगर इस चुनाव में चेवेल्ला संसद क्षेत्र में कोई समस्या होगी तो वे दौड़ेंगे। मुकदमों से कोई डर नहीं है, कल विधानसभा चुनाव में छोटा सा झटका लगा है, इसलिए पीछे हटने की जरूरत नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.